रउरा

तूफान

के रोक सकत बानी।

बाइबल कइसे रउरा के चट्टान

जइसन मजबूत बनावेली।

रउरा

तूफान

के रोक सकत बानी।

बाइबल कइसे रउरा के चट्टान

जइसन मजबूत बनावेली।

डैनी कनेडी

ट्रू ट्रूकनेक्शन्स

प्रेस

रउरा तूफान के रोक सकत बानी। बाइबल कइसे रउरा के चट्टान जइसन मजबूत बनावेली।

स्वत्वाधिकार © 2022 डैनी कनेडी / आवरण के रूपरेखा: गिनो मोरो

जिन पवित्रशास्त्र के उद्धरणन के साथ (एनएलटी) अंकित बा, ऊ पवित्र बाइबल, न्यू लिविंग ट्रांसलेशन से लिहल गइल बा। स्वत्वाधिकार © 1996, 2004, 2015 टिंडेल हाउस फ़ाउंडेशन। टिंडेल हाउस पब्लिशर्स, कैरोल स्ट्रीम, इलिनॉय 60188 के अनुमति से इस्तेमाल कइल गइल बा। सभे अधिकार सुरक्षित बा।

जिन पवित्रशास्त्र के उद्धरणन के साथ (एएमपीसी) अंकित बा, ऊ एम्प्लीफाइड® बाइबल, क्लासिक संस्करण से लिहल गइल बा। स्वत्वाधिकार © 1954, 1958, 1962, 1964, 1965, 1987 द लॉकमैन फ़ाउंडेशन। अनुमति से इस्तेमाल कइल गइल बा।

जिन पवित्रशास्त्र के उद्धरणन के साथ (ईएसवी) अंकित बा, ऊ ईएसवी® बाइबल (पवित्र बाइबल, इंग्लिश स्टैंडर्ड वर्शन®) से लिहल गइल बा। स्वत्वाधिकार © 2001 क्रॉसवे, जवन गुड न्यूज़ पब्लिशर्स के एगो प्रकाशन सेवकाई ह। अनुमति से इस्तेमाल कइल गइल बा। सभे अधिकार सुरक्षित बा।

जिन पवित्रशास्त्र के उद्धरणन के साथ (एनआईवी) अंकित बा, ऊ पवित्र बाइबल, न्यू इंटरनेशनल वर्शन®, एनआईवी® से लिहल गइल बा। स्वत्वाधिकार © 1973, 1978, 1984, 2011 बिब्लिका, इंक.™। ज़ॉन्डरवन के अनुमति से इस्तेमाल कइल गइल बा। दुनिया भर में सभे अधिकार सुरक्षित बा। www.zondervan.com। "एनआईवी" आ "न्यू इंटरनेशनल वर्शन" संयुक्त राज्य अमेरिका के पेटेंट आ व्यापार-चिह्न कार्यालय में बिब्लिका, इंक.™ द्वारा पंजीकृत व्यापार-चिह्न बाड़ें।

जिन पवित्रशास्त्र के उद्धरणन के साथ (केजेवी) अंकित बा, ऊ किंग जेम्स वर्शन (केजेवी) से लिहल गइल बा। किंग जेम्स वर्शन सार्वजनिक अधिकार क्षेत्र में बा।

जिन पवित्रशास्त्र के उद्धरणन के साथ (जे. बी. फिलिप्स) अंकित बा, ऊ जे. बी. फिलिप्स द्वारा रचल द न्यू टेस्टामेंट इन मॉडर्न इंग्लिश—संशोधित संस्करण से लिहल गइल बा। एकरा के स्क्रिब्नर, जवन साइमन एंड शूस्टर, इंक. के एगो विभाग ह, के अनुमति से दोबारा छापल गइल बा। स्वत्वाधिकार © 1958, 1960, 1972 जे. बी. फिलिप्स। सभे अधिकार सुरक्षित बा।

जिन पवित्रशास्त्र के उद्धरणन के साथ (टीएलबी) अंकित बा, ऊ द लिविंग बाइबल से लिहल गइल बा। स्वत्वाधिकार © 1971। टिंडेल हाउस पब्लिशर्स, कैरोल स्ट्रीम, इलिनॉय 60188 के अनुमति से इस्तेमाल कइल गइल बा। सभे अधिकार सुरक्षित बा।

जिन पवित्रशास्त्र के उद्धरणन के साथ (टीपीटी) अंकित बा, ऊ द पैशन ट्रांसलेशन® से लिहल गइल बा। स्वत्वाधिकार © 2017, 2018, 2020 पैशन एंड फायर मिनिस्ट्रीज़, इंक.। अनुमति से इस्तेमाल कइल गइल बा। सभे अधिकार सुरक्षित बा। ThePassionTranslation.com।

जिन पवित्रशास्त्र के उद्धरणन के साथ (एनसीवी) अंकित बा, ऊ पवित्र बाइबल, न्यू सेंचुरी वर्शन से लिहल गइल बा। स्वत्वाधिकार © 1987, 1988, 1991 वर्ड पब्लिशिंग, डैलस, टेक्सास 75039। अनुमति से इस्तेमाल कइल गइल बा।

जिन पवित्रशास्त्र के उद्धरणन के साथ (सीईवी) अंकित बा, ऊ कॉन्टेम्परेरी इंग्लिश वर्शन से लिहल गइल बा। स्वत्वाधिकार © 1991, 1992, 1995 अमेरिकन बाइबल सोसायटी। अनुमति से इस्तेमाल कइल गइल बा।

प्रकाशितकर्ता: ट्रूकनेक्शन्स प्रेस
978-0-9846967-7-2

विषय-सूची

लेखिका के ओर से एगो संदेश 6

प्रस्तावना 7

परिचय 10

अध्याय 1 रउरा तूफान के रोक सकत बानी..12

अध्याय 2 रउरा सोच सकत बानी कि रउरा बाइबल पढ़त बानी, बाकिर............................18

अध्याय 3 ई सभे कवन विषय में बा?..23

अध्याय 4 रउरा जइसन देखत बानी, ओइसहीं समझत बानी..27

अध्याय 5 पूरा तरह से दृढ़ विश्वास...33

अध्याय 6 यीशु प्रकट कइल गइलन..40

अध्याय 7 अपना ध्यान स्थिर रखीं...46

अध्याय 8 ध्यान भटकावे वाली बात...51

अध्याय 9 रउरा लगे आशा जरूर होखे के चाहीं...57

अध्याय 10 तूफान के बीच आनन्द आ शान्ति...61

अध्याय 11 आईं, पढ़े खातिर तैयार हो जाईं..66

अध्याय 12 ऊ पुरुष लोग जे नया नियम लिखलस...71

अध्याय 13 का हम नया नियम पर विश्वास कर सकत बानी?.......................................77

कुछ अंतिम विचार 84

नया नियम के किताबन के संक्षिप्त सारांश 86

संदर्भ सूची 101

लेखिका के ओर से एगो संदेश

हो सकेला कि रउरा ई किताब एहसे उठवले बानी काहेकि रउरा कवनो अइसन विनाशकारी परिस्थिति के सामना करत बानी, जेकरा के बदलल संभव नइखे। रउरा खातिर हमार हृदय करुणा से भर जाला। हमहूँ कबो अइसने निराशा आ बेबसी के स्थिति से गुजर चुकल बानी। अगर हम रउरा के दुख आ पीड़ा दूर कर सकत रहितीं, त जरूर करतितीं। बाकिर हम अइसन नइ कर सकत बानी। हम खाली रउरा के एतना भरोसा दिला सकत बानी कि भले अभी रउरा के अइसन ना लागत होखे, तइयो रउरा एह तूफान से सुरक्षित निकल जइब, आ हमेशा अइसहीं महसूस ना करब जइसन कि अभी करत बानी। ई पीड़ा, जवन रउरा के हृदय के भीतर तक झकझोर देत बा, धीरे-धीरे कम हो जाई।

हम रउरा के ई भरोसा भी दिला सकत बानी कि रउरा अकेले नइखीं। परमेश्वर रउरा के साथ बाड़न। ऊ सभ कुछ देखत बाड़न, रउरा के पुकार सुनत बाड़न, आ ई बात के भली-भाँति जानत बाड़न कि रउरा कवन परिस्थिति से होकर गुजरत बानी। हम रउरा से आग्रह करत बानी कि अपना जीवन के एह तूफान के बीच प्रभु के दृढ़ता से थामे रखीं। जब इस्राएल के महान राजा दाऊद के चारों ओर तूफानी आँधी गरजत रहे, तब ऊ लिखलन, “हे परमेश्वर… हम तोहरा के पंख के छाया में तबले शरण लिहले रहब, जबले ई भयंकर तूफान टल ना जाव।” (भजन संहिता अध्याय 57 पद 1)। परमेश्वर के अनुग्रह से रउरा भी एह दुखद घटना से पार निकल जइब।

हालाँकि हम रउरा के ई किताब पढ़े से हतोत्साहित नइखे करे चाहत, तइयो हमरा रउरा से साफ-साफ आ ईमानदारी से बात करे के चाहीं। ई किताब मुख्य रूप से पाठक लोग के उनकर जीवन में आवे वाला अगिला तूफान खातिर तैयार करे के उद्देश्य से लिखल गइल बा, ना कि खाली उनकर वर्तमान परिस्थिति में मदद करे खातिर। हम प्रभु के काम के कवनो सीमा में बाँधे नइखे चाहत। हो सकेला कि एह पन्नन में रउरा के कवनो अइसन बात मिल जाव, जवन एही समय रउरा के कुछ सांत्वना आ राहत दे सके। बाकिर अगर ए समय रउरा के अइसन लागे कि ई किताब रउरा के वर्तमान जरूरत के मुताबिक नइखे, त एकरा के छोड़ मत दीं। एकरा के कुछ समय खातिर अलग रख दीं आ कृपया उचित समय पर एकरा के फेर से पढ़ीं।

डैनी कनेडी
अप्रैल 2022

प्रस्तावना

हमनी अइसन समय में जी रहल बानी जा, जवन बहुत अशान्ति आ उथल-पुथल से भरल बा। लोग मानसिक रूप से थकाइल, निराश, दबाव में आ डेराइल बा। हमरा चारों ओर अधर्म, फूट, कटुता आ छल-कपट फैलल बा। एकरा अलावा, हमनी में से हर आदमी अपना रोज के जीवन में बहुत सारा निजी संघर्षन के भी सामना करत बा।

हम ई किताब एह खातिर लिखले बानी कि रउरा के ऊ साधनन से लैस कर सकीं, जिनकर जरूरत एह अशान्त समय में मजबूती से बनल रहे खातिर बा। ई साधन बाइबल में मिलेला। बाइबल खाली ई नइखे बतावत कि हमरा संसार में का हो रहल बा, बलुक ई भी बुद्धि आ मार्गदर्शन देत बा कि एह सभ परिस्थिति के बीच हमरा के कइसे चले के चाहीं। परमेश्वर के वचन "हमरा गोड़ खातिर दीपक आ हमरा राह खातिर उजियारा ह।" (भजन संहिता अध्याय 119 पद 105)

हमनी मानव इतिहास के एह वर्तमान युग के अंत के नजदीक पहुँच रहल बानी जा। यीशु कहलन कि एह समय के पहचान बढ़त संकट आ विपत्तियन से होई। संसार पर जवन कुछ आवे वाला बा, ओकर सामना करे खातिर खाली कलीसिया में उपस्थित होखल भा बाइबल अध्ययन समूह के सदस्य होखल काफी ना होई। रउरा खातिर जरूरी बा कि रउरा खुद जानीं कि बाइबल का कहत बा। जिन गंभीर समयन के हमनी सामना करत बानी जा, ओकरा के देखते हुए बाइबल के अध्ययन रउरा जीवन के प्राथमिकता बन जाए के चाहीं।

शायद रउरा सोचत होखब, "कृपया हमरा के बाइबल पढ़े खातिर मत कहीं। हमरा लगे पहिले से बहुत सारा काम बा!" हम रउरा से बाइबल पढ़े खातिर जरूर कहब, बाकिर हम रउरा के ई भी बताइब कि एकरा के प्रभावी ढंग से कइसे पढ़ल जाला। हम रउरा के बाइबल के इस्तेमाल करे के अइसन व्यावहारिक तरीका बताइब, जवना से रउरा अधिकतम लाभ पा सकीं आ बढ़त अव्यवस्था आ दबाव के दृढ़ता से सामना करे लायक बन सकीं। हम जिन-जिन लोगन के जानत बानी, जे एह किताब में बतावल गइल बाइबल पढ़े के तरीका के पालन कइले बाड़न, ऊ सभ रउरा के बतइहें कि एहसे उनकर जीवन आ जीवन के परिस्थिति के सामना करे के तरीका में अद्भुत बदलाव आइल। ऊ ई भी कहिहें कि ई उनकरा खातिर आ ओह लोग खातिर, जिनकर जीवन पर उनकर प्रभाव पड़ेला, उनकरा द्वारा कइल गइल सभसे उत्तम काम रहे आ आजो बा।

हम भली-भाँति जानत बानी कि बहुत लोगन खातिर कवनो भी तरह के अध्ययन कइल एगो चुनौती होला। आज लोग पहिले जइसन पढ़त नइखे, जबले कि ऊ कवनो संदेश भा सामाजिक माध्यम पर प्रकाशित कवनो छोट लेख ना होखे। वास्तव में, ई समस्या के एगो बड़ कारण भी बा। हमनी कुछे मिनट से अधिक समय लेके कवनो एगो बात पर आपन ध्यान केंद्रित रखे के क्षमता खो चुकल बानी जा। सामाजिक माध्यम से लगातार मिलत जानकारी लोगन के एकाग्रता के अवधि के बहुत छोट कर दिहले बा आ उनकर मन के लगातार चलत विचार आ शोर से भर दिहले बा। एहसे हो सकेला कि रउरा के एह में से कुछ चीज से खुद के अलग करे के पड़ी, ताकि रउरा लगे पढ़े खातिर समय होखे। रउरा के अपना ओह क्षमता के फेर से विकसित करे के कोशिश करे के पड़ सकेला, जवना से रउरा लगातार बदलत स्क्रीन के बजाय कवनो एगो विषय पर आपन ध्यान स्थिर रख सकीं। एह खातिर रउरा के कुछ नया आ व्यावहारिक उपाय भी अपनावे के पड़ सकेला।

हो सकेला कि रउरा खातिर बाइबल के ऑनलाइन पढ़ल अधिक सुविधाजनक होखे। भा फेर किताब में लिखल पाठ के देखत-देखत ओकर ध्वनि-रूप सुनल रउरा के नियमित रूप से पढ़े के आदत विकसित करे में मदद कर सकेला। (हम खाली गाड़ी चलावत समय भा व्यायाम करत समय बाइबल के ध्वनि-रूप सुने के सलाह नइखी देत, काहेकि ऊ बहुत आसानी से खाली पृष्ठभूमि में चलत आवाज बनके रह सकेला आ ओकर असली लाभ नइखे मिल पावत।)

बाइबल के नियमित रूप से पढ़े वाला आदमी बने खातिर मेहनत करे के पड़ेला। बाकिर ओकरा से मिले वाला लाभ ओह मेहनत के तुलना में कहीं अधिक महान बा।

एह किताब के लिखत समय हमरा सामने कई गो उद्देश्य रहे। पहिला, एकरा के जहाँ तक संभव हो सके संक्षिप्त रखल, आ दूसरा, एकरा के जहाँ तक संभव हो सके सरल आ सहज बनावल। एही कारण से बहुत सारा विषय के हम खाली संक्षेप में ही प्रस्तुत कइले बानी। (एह किताब में हम कुछ अइसन अतिरिक्त साधनन के भी सिफारिश कइले बानी, जे कुछ विषय के अधिक विस्तार से समझावेला।)

हालाँकि एह किताब से रउरा के अपना वर्तमान समस्या में भी कुछ मदद मिल सकेला, तइयो हमार मुख्य उद्देश्य रउरा के भविष्य में आवे वाली कठिनाइयन खातिर तैयार कइल बा। हम चाहत बानी कि रउरा नियमित रूप से बाइबल पढ़े खातिर प्रेरित होखीं। हम रउरा के कवनो तात्कालिक भा तुरते मिले वाला समाधान के भरोसा नइखी देत, काहेकि अइसन कवनो समाधान होतिए नइखे। बाकिर रउरा के बाइबल के एगो प्रभावी पाठक बने में मदद करके हम रउरा के अइसन अवसर दे रहल बानी, जवना से रउरा ऊ योग्यता आ समझ विकसित

कर सकीं, जवन भविष्य में आवे वाली कवनो भी परिस्थिति से पार निकले में रउरा के सहायता करी।

हम रउरा से विश्वास के साथ ई कह सकत बानी कि जब रउरा के वर्तमान कठिनाई समाप्त हो जाई, तब भविष्य में कवनो अउरी तूफान रउरा के सामना करे खातिर तैयार होई—आ हो सकेला कि ऊ एहसे भी अधिक भयंकर होखे। बाकिर एह बेर रउरा ओकरा खातिर पहिले से तैयार होखब।

परिचय

हमनी अइसन एगो टूटल संसार में रहत बानी जा, जेकरा के पाप बुरी तरह से नष्ट आ विकृत कर दिहले बा। एकर नतीजा ई बा कि कठिनाइयन हमनी सभ के जीवन में आवत रहेली स। जीवन के परेशानी हमनी के ताकत के कमजोर कर देली स आ हमनी के आशा छीन लेली स। कबो-कबो हमरा अइसन महसूस होला कि हमनी पूरा दुनिया पर जीत हासिल कर सकत बानी जा, आ कबो अइसन हालत आ जाला कि हमरा खातिर बिछौना से उठल तक कठिन हो जाला। हमनी खाली एह बात पर संदेह करे ना लगत बानी जा कि परमेश्वर हमनी के मदद करिहें, बलुक ईहो सोचे लगत बानी जा कि कहीं ऊ सचमुच अस्तित्व में बाड़न कि ना।

जीवन के चुनौती आ पीड़ा से बचे के कवनो उपाय नइखे। बाकिर ई जरूर संभव बा कि हमनी कठिनाइयन के सामना बिना डगमगाइल आ पूरा तरह से टूटले बिना करीं। ई संभव बा कि हमनी एह विश्वास के मजबूती से थामे रखीं कि हमनी एह परिस्थिति से निकल जइब जा, आ एह आशा के बनवले रखीं कि हमनी के हालत जरूर सुधरी। का रउरा के घर में एगो पवित्र बाइबल बा? अगर बा, त रउरा लगे ऊहे साधन बा जेकर रउरा के जरूरत बा, ताकि रउरा जीवन के तूफानन के बीच अटल खड़ा रह सकीं आ अपना राह में आवे वाली हर कठिनाई पर जीत हासिल कर सकीं।

पवित्र बाइबल संसार के कवनो दोसर किताब जइसन नइखे, काहेकि ई हमरा के खुद परमेश्वर के ओर से मिलल बा। सर्वशक्तिमान परमेश्वर ओह लेखक लोग के प्रेरणा दिहलन, जे एह किताब के पन्नन पर लिखल वचनन के लिखलन। पवित्र बाइबल एगो अलौकिक किताब बा, काहेकि एकर विषय-वस्तु के प्रेरणा एह भौतिक संसार से परे एगो आयाम से आइल बा। अलौकिक के अर्थ बा, “अइसन अस्तित्व भा व्यवस्था से सम्बन्धित जवन एह दिखाई देवे वाला आ प्रत्यक्ष रूप से देखल जा सके वाला ब्रह्माण्ड से परे होखे।”

परमेश्वर के लिखित वचन ओह लोगन के जीवन में आत्मिक बढ़ोतरी आ बदलाव पैदा करे में समर्थ बा, जे ओकरा के पढ़ेला आ ओकरा पर विश्वास करेला। जब रउरा परीक्षा आ क्लेश के सामना करत बानी, तब ओकर वचन रउरा के निर्भय बना सकेला। परमेश्वर के वचन रउरा के जीवन के विपत्तियन खातिर वास्तविक समाधान दी आ जीवन के तूफानन के बीचो रउरा के मन के सच्चा शान्ति से भर दी।

दुख के बात बा कि बहुत कम लोग एह आशीषन के लाभ उठा पावेला, काहेकि ना त ऊ ई समझेला कि पवित्र बाइबल वास्तव में का ह, आ ना ही ई जानेला कि ओकर सही इस्तेमाल कइसे कइल जाव। एह किताब में हमनी एही बातन पर विचार करब जा आ अइसन व्यावहारिक उपाय प्रस्तुत करब जा, जिनका के रउरा अपना जीवन में लागू करके ओकर लाभ उठा सकीं। हमनी कठिन परिस्थिति के अपना जीवन में आवे से रोक नइखी सकत। बाकिर परमेश्वर के वचन—अर्थात् पवित्र बाइबल—के द्वारा हमनी ओह अवस्था तक पहुँच सकत बानी जा, जहाँ जीवन के कठिनाइयाँ हमरा के ना त विचलित कर सकी आ ना ही नष्ट कर सकी। एतने ना, हमनी ईहो सीख सकत बानी जा कि उथल-पुथल आ संकट के बीचो कइसे विजयी आ फलदायी जीवन जियावल जाव।

1

रउरा तूफान के रोक सकत बानी।

जब यीशु एह धरती पर रहस, तब ऊ दू गो घर के बारे में एगो सरल दृष्टान्त सुनवलन, जिनका पर एगो भयंकर तूफान आइल। एगो घर बरखा, आँधी आ बाढ़ के प्रचण्ड प्रहार के बादो अटल खड़ा रहल, जबकि दोसर घर पूरा तरह से नष्ट हो गइल। एह दुनो घरन के बीच अंतर खाली उनकर नींव के रहे। एगो घर ठोस चट्टान पर बनावल गइल रहे, आ दोसर घर बालू पर खड़ा रहे। यीशु साफ कइलन कि हर घर के नींव एह बात के नतीजा रहे कि ओकरा बनावे वाला परमेश्वर के वचन के प्रति कइसन प्रतिक्रिया देखवलस (मती अध्याय 7 पद 24 से 27)।

एह दृष्टान्त के द्वारा यीशु ऊ सच्चाई प्रकट कइलन, जवन पवित्र बाइबल के शुरुआत से लेके अंत तक दिखाई देला। जे लोग परमेश्वर के वचन के जानेला आ ओकरा के अपना जीवन में व्यवहार में ले आवेला, ऊ लोग जीवन के तूफानन के दृढ़ता से सामना कर सकेला। ऊ लोग खाली जिंदा ना बचेले, बलुक जीवन के हर चुनौती के बीचो उन्नति करेला आ विजयी जीवन जीएला।

एगो फलवन्त पेड़।

यीशु के तूफान में बनल घरन के बारे में दृष्टान्त सुनावे से सैकड़न बरिस पहिले, इस्राएल के राजा दाऊद एगो भजन रचलन, जवना में ऊ ओह आदमी के वर्णन कइलन जे "यहोवा के व्यवस्था से प्रसन्न रहेला, आ ओकर व्यवस्था पर दिन-रात ध्यान करेला" (भजन संहिता अध्याय 1 पद 2)। दाऊद अइसन आदमी के तुलना ओह पेड़ से कइलन, "जे बहत पानी के धारन के किनारे लगावल गइल बा, जे अपना समय पर फल देला, आ जेकर पत्ता कबो ना मुरझावेला" (भजन संहिता अध्याय 1 पद 3)। जइसन पेड़न के जड़ ऊ लोग के प्रचण्ड आँधी

के समय मजबूती से थामे रखेला आ सूखा के दिनन में भी उनकरा खातिर पोषण के स्रोत बनल रहेला, ओइसहीं जे लोग परमेश्वर के वचन पर मनन करेला, ऊ कठिन समय में भी लगातार फलत-फूलत रहेला।

मसीह में जड़ पकड़ल।

प्रेरित पौलुसो ओह जड़न के एही सच्चाई के दोहरवलन, जवन आदमी के स्थिर बनवेला। ऊ विश्वासी लोग के प्रोत्साहित कइलन कि ऊ लोग "अपना जड़ [यीशु] में गहिराई से जमा दे" (कुलुस्सियों अध्याय 2 पद 7)। पौलुस ई वचन मूल रूप से यूनानी भाषा में लिखले रहस। जवना यूनानी शब्द के अनुवाद "जड़" कइल गइल बा, ओकर अर्थ बा, "स्थिर हो जाना।" स्थिर के अर्थ बा, "दृढ़ता से स्थापित हो जाना।"

जे आदमी मसीह में जड़ पकड़ चुकल बा, ऊ जीवन के तूफान आवे पर विश्वास से संदेह के ओर ना डगमगाला। ना विपत्ति ओकरा के परमेश्वर पर अपना भरोसा से हटा सकेला आ ना ओकरा भविष्य के आशा छीन सकेला। ऊ ना अस्थिर होला आ ना टूट के बिखर जाला। जिनकर जड़ गहिराई तक गइल होला, ऊ "[यीशु] से आत्मिक पोषण पावेला आ विश्वास में बढ़त जाला, सच्चाई में दृढ़ आ सामर्थी बनत जाला" (कुलुस्सियों अध्याय 2 पद 7)।

हमनी पवित्र बाइबल के द्वारा मसीह में जड़ पकड़त बानी जा। ई अद्वितीय किताब खाली हमरा के जानकारी ना देला भा खाली हमरा भावना के ना छुवेला। परमेश्वर के वचन ओकरा पढ़े वाला लोग के जीवन में सामर्थ्य, आनन्द, शान्ति, बुद्धि आ विश्वास पैदा करेला। पवित्रशास्त्र हमरा भीतर आत्मिक बढ़ोतरी आ बदलाव ले आवेला, जवन बाहर से भी साफ दिखाई देला, काहेकि परिस्थिति के प्रति हमनी के प्रतिक्रिया आ लोगन के प्रति हमनी के दृष्टिकोण आ व्यवहार बदलए लागेला। याद रखीं, पवित्र बाइबल एगो अलौकिक किताब बा। "हर एक पवित्रशास्त्र परमेश्वर के प्रेरणा से रचल गइल बा" (2 तीमुथियुस अध्याय 3 पद 16)।

प्रेरित पौलुस लिखलन कि "परमेश्वर के वचन... रउरा में जे विश्वास करेला, ओकरा बीच प्रभावशाली तरीका से काम कर रहल बा—आ जे लोग ओकरा पर दृढ़ता से चलत बा, ओकरा पर भरोसा रखेला आ ओह पर निर्भर रहेला, ओह लोग में आपन अलौकिक सामर्थ्य प्रकट करेला" (1 थिस्सलुनीकियों अध्याय 2 पद 13)।

प्रेरित पतरस विश्वासी लोग के परमेश्वर के वचन खातिर गहिरा लालसा रखे के शिक्षा दिहलन। "नवजात बच्चन जइसन ओह शुद्ध आत्मिक दूध के लालसा करीं, ताकि ओकरा द्वारा रउरा के आत्मिक उन्नति होखे" (1 पतरस अध्याय 2 पद 2)। एगो छोट बच्चा खातिर दूध सभसे पहिलकी जरूरत होला। ऊ ओकरा बिना जिंदा ना रह सकेला, आ जबले ओकरा के

दूध ना मिल जाव, तबले ऊ रोवल ना छोड़े। आ काहेकि ऊ दूध पीयेला, एहसे ऊ खाली जिंदा ना रहेला, बलुक बलवन्त भी होत जाला।

पवित्र बाइबल हमरा भीतर के मनुष्य खातिर आत्मिक भोजन ह। खुद यीशु कहलन, "मनुष्य खाली रोटी से जिंदा ना रही, बलुक हर एक वचन से जवन परमेश्वर के मुँह से निकलेला" (मती अध्याय 4 पद 4)। परमेश्वर के वचन के भोजन से तुलना करके यीशु हमरा के ओकर उद्देश्य आ महत्व समझावेलन। जब रउरा भोजन करीलें, त ओकरा के अपना भीतर ग्रहण करीलें, आ ऊ रउरा शरीर के हिस्सा बन जाला। ई जानल जरूरी नइखे कि भोजन कइसे रउरा शरीर के पोषण देला, बढ़ोतरी करेला आ रउरा के सामर्थी बनावेला। बाकिर ओकर लाभ पावे खातिर ओकरा के ग्रहण कइल जरूरी बा।

ठीक ओइसहीं, ई समझल जरूरी नइखे कि पवित्र बाइबल रउरा भीतर कइसे बदलाव आ रूपान्तरण पैदा करेली; बाकिर ओकरा के काम करे खातिर रउरा के ओकरा के पढ़ल जरूरी बा। अगर रउरा परमेश्वर के वचन के ग्रहण करब—अर्थात ओकरा के पढ़ब आ अपना भीतर जगह देब—त परमेश्वर के वचन उहे काम करी, जेकरा खातिर ओकरा के दिहल गइल बा।

मुझसे ई मत कहीं कि हमरा पवित्र बाइबल पढ़हीं के पड़ी!

हम भली-भाँति जानत बानी कि बहुत सारा मसीही लोगन खातिर पवित्र बाइबल पढ़ल एगो संघर्ष बा। एगो-दू गो ना, बलुक बहुत सारा ईमानदार लोग हमरा से ई स्वीकार कइले बा कि ऊ लोग बहुत कम, भा लगभग कबो आपन पवित्र बाइबल ना पढ़ेला। हम अक्सर अइसन बात सुनत बानी: "जब हम पवित्र बाइबल पढ़े के कोशिश करीलें, त हमरा के ई समझ में ना आवेला।" "ई बहुत नीरस लागेला आ हमरा के नींद आवे लागेला।" "हमरा के समझ में ना आवेला कि पढ़ल कहाँ से शुरू करीं।" "ई हमरा के बहुत कठिन आ बोझिल लागेला।"

हम खुद अपना असफलता के कारण बन जानी जा।

पवित्र बाइबल पढ़ल कठिन एहसे भी लागेला काहेकि हम खुदे अपना असफलता के भूमिका तैयार कर लेत बानी जा। हम निश्चय कर लेत बानी जा कि हर दिन एगो घंटा पहिले उठब आ पवित्र बाइबल पढ़ब। बाकिर पहिला आ दूसरा दिन हम देर तक सुतल रह जानी जा, तीसरा आ चौथा दिन झुँझलाके अलार्म घड़ी के कमरा के कवनो कोना में फेंक देत बानी जा, आ पाँचवाँ दिन त अलार्म लगावे के भी मेहनत नइखी करत।

भा फेर हम ई संकल्प कर लेत बानी जा कि हर रात सुते से पहिले दस अध्याय पढ़ब। बाकिर पूरा दिन के भाग-दौड़ आ थकान के कारण कुछे देर में हमरा के नींद आ जाला। कुछ अउरी कोशिश कइला के बाद हम पूरा तरह से हार मान लेत बानी जा।

कुछ लोग "एक साल में पूरा पवित्र बाइबल पढ़ीं" जइसन योजना अपनावेला। ऊ लोग पहिला आ दूसरा जनवरी के आपन तय कइल हिस्सा पढ़ लेला, बाकिर फेर कई दिन तक पढ़ ना पावेला। थोड़े ही समय में ऊ लोग एतना पीछे छूट जाला कि ओकरा के पूरा करे के भरपाई लगभग असम्भव लागे लागेला। आ अगर कवनो तरह से ऊ लोग एक साल बाद एह योजना के पूरा कर भी ले, तबले ओकरा के ईहो याद ना रहेला कि साल के शुरुआत में ऊ का पढ़ले रहे।

जब कबो हमरा के पवित्र बाइबल पढ़े के समय मिल भी जाला, त जवन-जवन शब्द के अर्थ समझ में ना आवेला, हम ओहिजे रुकके शब्दकोश भा कवनो पवित्रशास्त्र के विरोधाभास देखे लागेलीं। भा फेर हम आपन अधिकतर समय पन्ना के नीचे लिखल अध्ययन-टिप्पणी पढ़े में बिता देत बानी जा, काहेकि ऊ हमरा के मूल पाठ से अधिक रोचक लागेला। नतीजा ई होला कि पवित्र बाइबल पढ़े के जगह हम ओकरा के बारे में लिखल किताबन आ टिप्पणी अधिक पढ़त रह जानी जा।

नियमित आ क्रमबद्ध पठन।

हम रउरा के पवित्र बाइबल पढ़े के एगो अइसन तरीका बतावे चाहत बानी, जवन एह कठिनाइयन के समाधान करी आ रउरा जीवन में निश्चित परिणाम पैदा करी: पवित्र बाइबल के नियमित आ क्रमबद्ध पाठक बनीं।

• नियमित पठन से हमार मतलब बा कि हर दिन (भा जहाँ तक संभव होखे, ओतने नियमित रूप से) थोड़े समय खातिर, लगभग पन्द्रह से बीस मिनट तक पवित्र बाइबल पढ़ीं। हमनी सभ अपना व्यस्त कार्यक्रम में से हफ्ता के कम से कम कुछ दिन एतना समय जरूर निकाल सकत बानी जा।

• क्रमबद्ध पठन से हमार मतलब बा कि नया नियम के शुरुआत से पढ़ल शुरू करीं। अपना तय कइल समय के भीतर जेतना पढ़ सकीं, ओतना पढ़ीं। जहाँ पढ़ल बंद करीं, उहाँ एगो निशान लगा दीं। अगिला दिन ओही जगह से पढ़ल शुरू करीं, जहाँ पिछला दिन छोड़ले रहीं। जवन बात रउरा के समझ में ना आवे, ओकर चिन्ता मत करीं। बस पढ़त रहीं। जिन शब्दन भा बातन के रउरा ना समझीं, ओकर अर्थ रउरा कवनो अउरी समय शब्दकोश, टीका भा दोसर अध्ययन-सामग्री के सहायता से जान सकीं।

• जब रउरा पूरा नया नियम पढ़ लीं, तब ओकरा के फेर से पढ़ीं, आ एकरा बादो बार-बार पढ़त रहीं। पवित्र बाइबल पढ़ल अपना जीवन के एगो स्थायी आदत बना लीं। पुरान नियम के तबले छोड़ दीं, जबले रउरा नया नियम के बढ़िया से समझे आ ओकरा में निपुण होखे ना लागीं। (एकर कारण हम एह किताब में आगे बताइब।)

एह तरीका से पढ़े के उद्देश्य पवित्रशास्त्र से परिचित होखल बा। समझ परिचय के साथ आवेला, आ परिचय नियमित आ बार-बार पढ़ला से पैदा होला। जब रउरा नया नियम के बार-बार पढ़ीं, तब ओकर अलग-अलग हिस्सा के बीच के सम्बन्ध रउरा के दिखाई देवे लागी। रउरा समझे लागब कि कवनो पत्री में लिखल एगो वचन सुसमाचार में कहल कवनो बात के अउरी अधिक साफ करेला। रउरा ऊ विषय आ विचार पहिचाने लागब, जे बार-बार सामने आवेला, आ एहसे रउरा के समझ में आवे लागी कि ई बहुत महत्वपूर्ण सच्चाई ह। धीरे-धीरे पवित्र बाइबल रउरा खातिर स्पष्ट आ अर्थपूर्ण होखे लागी।

एह तरह से नियमित रूप से पढ़े के आदत विकसित कइल एगो संघर्ष हो सकेला, काहेकि हमनी सभ अपना जीवन में बहुत व्यस्त रहत बानी जा, आ ईहो संभव बा कि एकर नतीजा तुरते दिखाई ना दे। तइयो याद रखीं कि पवित्र बाइबल एगो अलौकिक किताब बा, आ ऊ रउरा जीवन में जरूर बदलाव पैदा करी। शुरुआत में हो सकेला कि रउरा के एह बदलावन के एहसास ना होखे, बाकिर समय आवे पर ऊ साफ-साफ दिखाई देवे लागी। अगर कवनो कारण से रउरा एगो भा दू दिन पवित्र बाइबल ना पढ़ पाईं, त अपराधबोध में मत पड़ीं। परमेश्वर रउरा से नाराज नइखन। अगर रउरा एगो भा दू हफ्ता, भा एतने तक कि एगो महीना भा ओकरो से अधिक समय तक पढ़े से दूर हो जाईं, तइयो फेर से शुरुआत करे के दृढ़ निश्चय करीं। एह संघर्ष पर जीत हासिल करके वापस आईं, काहेकि ई कोशिश सचमुच करे लायक बा।

लोग अक्सर हमरा से पूछेला कि हम पवित्र बाइबल के एतना बढ़िया से कइसे सीखनी कि ओकरा के दोसरा लोग के सिखा सकीं। एकर जवाब ई बा कि हम नया नियम के नियमित आ क्रमबद्ध तरीका से अध्ययन कइनी। जब हम पहिला बेर पढ़ल शुरू कइनी, तब जवन कुछ पढ़त रहनी, ओकर अधिकतर हिस्सा हमरा समझ में ना आवत रहे। बाकिर जइसे-जइसे हम लगातार पढ़त रहनी, ओइसहीं-ओइसहीं समझ आवे लागल। एहसे खाली हमार जीवन ही ना बदलल, बलुक ओह बहुत सारा लोगन के जीवनो बदल गइल, जे नियमित आ क्रमबद्ध तरीका से पवित्र बाइबल पढ़े के आदत बना लिहलस।

अगर रउरा पूरा नया नियम के शुरुआत से लेके अंत तक पढ़े के दृढ़ निश्चय करब आ एह आदत में बनल रहब, त एगो साल बाद रउरा ओइसन आदमी ना रहब जइसन आज बानी। रउरा मसीह में स्थिर आ अटल बने के दिशा में बहुत आगे बढ़ चुकल होखब। जीवन के परिस्थिति के सामना करे के रउरा दृष्टिकोण बदल जाई। जीवन के विपत्ति रउरा के ओइसन

पूरा तरह से पराजित भा निराश ना कर पाई, जइसन पहिले करत रहे। आ जब जीवन के तूफान बीत जाई, तबहूँ रउरा दृढ़ता से खड़ा रहब।

कबो-कबो हमार भेंट अइसन सच्चा आ ईमानदार मसीही लोगन से होला, जे अपना के पवित्र बाइबल के पाठक मानेला, बाकिर ऊ ओकरा के ओइसन तरीका से ना पढ़ेला, जइसन हम इहाँ बतवले बानी। ओह लोगन में से बहुत लोग ई जानके हैरान हो जाला कि असल में ऊ लोग पवित्र बाइबल के नियमित रूप से अध्ययन करतिए नइखे।

एही बात हमरा के ओह अगिला विषय के ओर ले जाला, जवना पर अब हमरा के विचार करे के जरूरत बा।

2

रउरा सोच सकत बानी कि रउरा बाइबल पढ़त बानी, बाकिर....

का रउरा कबो बाइबल के संयोग से खोलके वचन चुने के खेल खेलले बानी? ई कुछ अइसन होला: रउरा बाइबल के कवनो जगह बिना सोचले खोलत बानी, जवन पहिला पंक्ति पर रउरा के नजर पड़ेला, ओकरा के पढ़त बानी, आ ऊ वचन रउरा से बोले लागेला। हम जानत बानी कि हर आदमी, हम खुदो, अइसन अनुभव बतिया सकेला, जब ऊ संयोग से बाइबल खोललस, कवनो वचन सामने आ गइल, आ ऊ ठीक ओही समय हमरा जरूरत के एकदम मुताबिक निकलल।

बाकिर बाइबल के एह तरह से संयोग से खोलके वचन चुने में समस्या ई बा कि परमेश्वर के वचन एह तरीका से पढ़े खातिर लिखल ही ना गइल रहे, काहेकि ई एक-दूसरा से अलग आ असम्बद्ध पदन के संग्रह नइखे। बाइबल मूल रूप से अध्याय आ पद में ना लिखल गइल रहे। पवित्रशास्त्र के पूरा होखे के कई शताब्दी बाद ई विभाजन संदर्भ के बिन्दु के रूप में आ खास अंशन के आसानी से खोजे खातिर जोड़ल गइल। वास्तव में बाइबल किताबन आ पत्रियन के एगो संग्रह बा, जिनका के दोसरा सभ किताबन आ पत्रियन के जइसन शुरुआत से अंत तक पढ़े के चाहीं।

मान लीं कि हम रउरा खातिर पाँच पन्ना के एगो पत्र लिखीं, आ रउरा तीसरा पन्ना के बीच से दू गो वाक्य, पाँचवाँ पन्ना के शुरुआत से एगो वाक्य, आ दूसरा पन्ना के आखिरी अनुच्छेद पढ़ लीं; फेर ओह पत्र के मोड़के ई घोषणा कर दीं कि रउरा ओकरा के पढ़ लिहनी। तब रउरा ना त हमार पत्र पढ़ले बानी, आ ना ही ओकर विषय-वस्तु के बढ़िया समझ होखल रउरा खातिर संभव बा। आ हम जवन लिखले बानी, ओकरा बारे में रउरा गलत निष्कर्ष निकाल सकत बानी। तइयो हमनी में से बहुत अधिक लोग एह ब्रह्माण्ड के सभसे महत्वपूर्ण किताब के एही तरीका से पढ़त बानी जा। हमनी बिना सोचे-समझे चुनल अलग-अलग पद पढ़त बानी जा।

निश्चय से, हम पढ़त बानी!

हालाँकि बहुत सारा मसीही सहजता से स्वीकार करेला कि ऊ लोग बाइबल ना पढ़ेला, तइयो कुछ दोसर लोग सचमुच मानेला कि ऊ बाइबल पढ़ेला, काहेकि ऊ लोग रोज के भक्तिपाठ पढ़ेला, नियमित रूप से बाइबल-अध्ययन में हिस्सा लेला, बाइबल के बारे में किताब पढ़ेला आ अइसन उपदेश सुनत बा जवना में पवित्रशास्त्र के वचन उद्धृत कइल जाला। हम ई नइखी कहत कि रउरा के एह गतिविधियन के बंद कर देवे के चाहीं; बाकिर हम ई जरूर कहत बानी कि एह में से कवनो एगो भी नियमित आ क्रमबद्ध पठन के विकल्प नइखे। हमरा के समझावे दीं।

रोज के भक्तिपाठ, बाइबल-अध्ययन, किताब आ उपदेश।

भक्तिपाठ में भी एही तरह के तरीका अपनावल जाला। हर पन्ना कवनो खास बाइबल पद से शुरू भा समाप्त होला, जवना के लेखक भा लेखिका चुनेला, आ फेर ओह पद के विस्तार से समझावे खातिर बाकी पन्ना के इस्तेमाल करेला। ऊ कुछ व्याख्यात्मक बात, दृष्टान्त के कथा आ एह बात के उदाहरण दे सकेला कि ओह पद के अपना जीवन में कइसे लागू कइल जाव। एह तरीका में अपने आप में कुछ गलत नइखे। बाकिर रउरा के समझे के चाहीं कि रउरा तबो बिना सोचे-समझे चुनल पद ही पढ़त बानी, खुद बाइबल ना।

बाइबल-अध्ययनो अक्सर अलग-अलग अंशन पर ही केंद्रित रहेला। बहुत सारा मसीही लोग खातिर बाइबल-अध्ययन के मतलब होला कि कवनो आदमी के बैठक के कमरा में एकट्ठा होके जवन पढ़ल गइल बा, ओकरा के पढ़ल आ ओकरा पर चर्चा कइल। मान लीं कि डॉक्टर बने के इच्छा रखे वाला कुछ लोग निष्ठा से हर हफ्ता एकट्ठा होखे, चिकित्सा के कवनो पाठ्यपुस्तक में से बिना सोचले चुनल कथन पढ़े, हर वाक्य पर गहिराई से चर्चा करे आ बतावे कि ऊ शब्द उनकरा खातिर का अर्थ रखेला। ऊ लोग अपना अध्ययन खातिर केतनो समर्पित होखे, का रउरा ओह भावी डॉक्टरन में से कवनो एक के आपन शल्य-चिकित्सा करे भा रउरा खातिर दवाई लिखे दीं? शायद ना, काहेकि रउरा जानत बानी कि ऊ भावी डॉक्टर लोग अपना पठन के केतनो ईमानदारी से काहे ना करे, ऊ लोग असल में ओह पाठ्यपुस्तक के अध्ययन नइखे कइले। ऊ लोग खाली ओकर विषय-वस्तु के कुछ अंश के ओकर मूल प्रसंग से अलग करके पढ़ले आ ओकरा पर चर्चा कइले बा—जइसे हमनी में से बहुत लोग अपना बाइबल-अध्ययन में करेला।

हो सकेला कि रउरा के प्रतिभाशाली मसीही लेखक लोग के लिखल किताब पढ़ल बहुत पसंद होखे, आ रउरा लेखक लोग द्वारा दिहल पवित्रशास्त्र के सभ संदर्भ के ध्यान से पढ़त होखीं।

भा रउरा हमेशा आपन बाइबल कलीसिया में साथ लेके जात होखीं आ उपदेशक अपना उपदेश में जवन-जवन पद बतावेला, ओकरा के मेहनत से खोजत होखीं। हालाँकि रउरा के कोशिश सराहे लायक बा, तइयो रउरा बाइबल ना पढ़त बानी। रउरा खाली ऊ अंश पढ़त बानी, जवना के प्रस्तुत करे वाला अपना किताब भा उपदेश में आपन बात के समर्थन खातिर चुनले बा। आ जबले रउरा ओह परिस्थिति भा प्रसंग से परिचित ना बानी, जवना में ऊ अलग-अलग पद आवेला, तबले रउरा ई निश्चय ना कर सकीं कि बोले वाला भा लेखक के व्याख्या सही बा। अगर रउरा खुद बाइबल पढ़के ओकरा से परिचित नइखीं भइल, त ओह व्याख्या के जाँच करे खातिर रउरा लगे प्रसंग के बारे में पर्याप्त जानकारी नइखे।

प्रसंग में पढ़ल।

खास अंशन के सही व्याख्या करे खातिर हमरा के प्रसंग पर विचार करे के चाहीं। प्रसंग के मतलब खाली कवनो खास पद के ठीक पहिले आ बाद में आवे वाला शब्दन के पढ़ल ना ह, हालाँकि ई निश्चय ही महत्वपूर्ण बा। बाइबल के अंशन के एगो ऐतिहासिक प्रसंग भी होला, जवन ओकर अर्थ के समझे में मदद करेला।

- बाइबल के हर बात कवनो आदमी कवनो दोसर आदमी से कवनो विषय के बारे में लिखल भा कहल बा।
- जइसन हमनी वास्तविक विषय के बारे में जानकारी पहुँचावे के उद्देश्य से दोसरा लोग से बोलत भा लिखत बानी जा, ओइसहीं बाइबल के लेखक लोग भी कइले बा।
- बाइबल के अंशन के सही व्याख्या करे खातिर हमरा के ई जानल जरूरी बा कि के कवन आदमी से लिख रहल बा भा बोल रहल बा, आ कवन विषय के बारे में लिखल भा बोलल जा रहल बा।

रउरा सोच सकत बानी, “हम एह तीन गो बातन के भला कइसे जान सकत बानी?” पहिला, एह सवालन के जवाब अक्सर पाठ में ही मिल जाला। एही कारण से रउरा के बिना सोचे-समझे चुनल पदन से अधिक पढ़े के चाहीं। नियमित आ क्रमबद्ध पठन रउरा के प्रसंग समझे में मदद करेला, काहेकि एहमें रउरा खाली अलग-अलग पद ना, बलुक पूरा-पूरा किताब पढ़त बानी। दूसरा, एगो बढ़िया बाइबल शिक्षक—जे पवित्रशास्त्र के व्यापक रूप से अध्ययन कइले होखे आ ऐतिहासिक प्रसंग के महत्व के समझत होखे—ई सवालन के जवाब पावे में रउरा के मदद कर सकेला।

एकर हमरा खातिर का मतलब बा?

हमनी में से बहुत अधिक लोगन के ई प्रवृत्ति होला कि हमनी बाइबल के लगे एह दृष्टिकोण से जानी जा, “एकर हमरा खातिर का मतलब बा?” वास्तव में, एकर रउरा खातिर का मतलब

बा, ई महत्वपूर्ण नइखे। महत्वपूर्ण ई बा कि पवित्र आत्मा के प्रेरणा के अधीन लेखक जब शब्दन के कागज पर लिखलस, तब ऊ का कहे चाहत रहे। पवित्रशास्त्र के पदन के हमरा खातिर ऊ अर्थ ना हो सकेला, जवन ओह लोग खातिर ना रहे, जिनका खातिर ऊ मूल रूप से लिखल गइल रहे। निश्चय ही बाइबल में अइसन कालातीत सच्चाई आ सिद्धांत बाड़ें, जिनका के हमनी में से हर आदमी अपना जीवन में लागू कर सकेला, चाहे हमार जन्म कब आ कहाँ भइल होखे। बाकिर ऐतिहासिक प्रसंग के जानल—केकरा के, के लिखलस आ काहे लिखलस—सही व्याख्या खातिर अत्यन्त जरूरी बा।

प्रसंग पर विचार कइले बिना हमनी बाइबल से अइसन बात कहलवा सकत बानी जा, जवन ऊ वास्तव में कहबे ना करेली। आईं, पदन के उनकर प्रसंग से अलग करके ओकर अर्थ बदल देवे के दू गो उदाहरण पर विचार करीं। अगर रउरा कुछ समय से मसीही बानी, त निश्चय ही रउरा नीचे दिहल दुनो पद के उपदेश में इस्तेमाल होत सुनले होखब। बाकिर अगर रउरा नियमित रूप से बाइबल ना पढ़ीं, त संभव बा कि रउरा एह गलत व्याख्या के पहचान ना पवले होखीं।

· "परमेश्वर विश्वासयोग्य हउवन, आ ऊ रउरा के रउरा के सामर्थ्य से अधिक परीक्षा में ना पड़े दीहें; बाकिर परीक्षा के साथ ऊ निकल भागे के राह भी दीहें, ताकि रउरा ओकरा के सह सकीं" (1 कुरिन्थियों अध्याय 10 पद 13, अंग्रेजी मानक संस्करण)। एह पद के अक्सर ई कहे खातिर इस्तेमाल कइल जाला कि परमेश्वर रउरा के रउरा के सहन करे के सामर्थ्य से अधिक परीक्षा आ क्लेश ना दीहें। बाकिर जब हमनी एह पद के ओकर प्रसंग में पढ़त बानी जा, त पता चलेला कि ई वास्तव में ई कहत बा कि पाप करे के कवनो भी प्रलोभन रउरा के सहनशक्ति से बड़ ना ह, काहेकि परमेश्वर हमेशा हमरा के ओह पाप से निकल भागे के राह देत बाड़न (1 कुरिन्थियों अध्याय 10 पद 1 से 12)। एह पद के हमरा जीवन में परमेश्वर द्वारा परीक्षा आ क्लेश आवे देवे से कवनो सम्बन्ध नइखे। हम अपना किताब "परमेश्वर भला ह आ भला के मतलब भला ह" में पन्ना 8 आ 9 पर एह पद के अधिक गहिराई से व्याख्या दिहले बानी।

· "दीं, त रउरा के भी दिहल जाई; बढ़िया नाप, आ भरल-पूरल, लोग रउरा के झोली में डाल दी। काहेकि जवना नाप से रउरा नापत बानी, ओही नाप से रउरा खातिर फेर नापल जाई" (लूका अध्याय 6 पद 38, राजा जेम्स संस्करण)। हो सकेला कि रउरा कलीसिया के आराधना सभा में भेंट देवे के समय लोगन के उदारता से देवे खातिर प्रोत्साहित करे में एह पद के उद्धृत होत सुनले होखीं। बाकिर एह पद के धन-दौलत से कवनो सम्बन्ध नइखे। यीशु कहत रहस कि रउरा दोसरा लोग के जवन दया आ क्षमा के रूप में देब, उहे ओही मात्रा में रउरा लगे वापस लवट के आई (लूका अध्याय 6 पद 27 से 38)।

हम ओह लोग के निष्कपटता पर सवाल नइखी उठावत, जे एह पदन के गलत समझेला आ ओकर गलत इस्तेमाल करेला। बाकिर हम रउरा के नियमित आ क्रमबद्ध बाइबल-पठन के जरूरत के पहिचाने के चुनौती दे रहल बानी।

बाइबल के सफलतापूर्वक पढ़े खातिर खाली ई जानल पर्याप्त नइखे कि ओकरा के कइसे पढ़ल जाव; रउरा के बाइबल के उद्देश्य के भी समझे के चाहीं। अगर रउरा जानीं कि परमेश्वर के ई अद्भुत किताब काहे लिखल गइल आ एकरा के पढ़े वाला लोग खातिर ई का काम करेला, त रउरा एकरा से अउरी अधिक लाभ पइब। अगिला अध्याय में हमार विषय एही बा।

3

ई सभे कवन विषय में बा?

निष्कपट मसीही लोग बाइबल के लेके संघर्ष करेला, काहेकि ओकर उद्देश्य के बारे में उनकर धारणा गलत होला आ एह बात के लेके उनकर अपेक्षा अवास्तविक होला कि ई उनकर खातिर का कर सकेला आ का ना कर सकेला। हताश लोग कबो-कबो हमरा से अइसन पद देवे खातिर कहेला, जवन उनकर सामने मौजूद कवनो भी संकट के अंत कर दे। बाकिर बाइबल जीवन के समस्या के तुरन्त समाधानन के संग्रह नइखे। ना ही ई अइसन आत्म-सहायता के किताब ह, जवन हमरा के भरपूर जीवन जिए खातिर सामर्थी बनावे भा अर्थपूर्ण जीवन जिए के सिद्धांत देवे खातिर लिखल गइल होखे।

हम ई नइखी कहत कि बाइबल में दिहल जानकारी रउरा के बेहतर जीवन जिए में मदद ना करी, बाकिर ऊ एही उद्देश्य से ना लिखल गइल रहे। बाइबल सर्वशक्तिमान परमेश्वर आ उनकर योजना आ उद्देश्य के प्रकट करे खातिर लिखल गइल रहे। ई छियासठ गो किताब आ पत्रियन के एगो संग्रह बा, जवन परमेश्वर के एगो परिवार पावे के इच्छा आ यीशु मसीह के द्वारा ओह परिवार के पावे के उनकर तरीका के प्रकट करेला। बाइबल के हर लेख कवनो ना कवनो तरीका से एह कथा में कुछ जोड़ेला भा ओकरा के आगे बढ़ावेला।

योजना शुरू भइल, बाधित भइल, फेर से स्थापित भइल।

बाइबल के शुरुआत सृष्टि से होला। सर्वशक्तिमान परमेश्वर पुरुषन आ स्त्री लोग के अपना बेटा-बेटी बने खातिर सृजलन, आ ऊ धरती के अपना आ अपना परिवार खातिर एगो घर के रूप में बनवलन (उत्पत्ति अध्याय 1 से 2; इफिसियों अध्याय 1 पद 4 से 5; यशायाह अध्याय 45 पद 18)। कथा जल्दी ही मनुष्य के पतन तक पहुँचेला, जब पहिला आदमी आदम पाप के द्वारा परमेश्वर से स्वतंत्र रहे के चुनलस। मानव जाति के मुखिया आ धरती के पहिला भण्डारी के रूप में, ओकर विद्रोह के काम पूरा मानव जाति आ परिवार के घर पर भ्रष्टता आ मृत्यु के शाप ले आइल (उत्पत्ति अध्याय 3 पद 17 से 19; रोमियों अध्याय 5 पद 12; रोमियों

अध्याय 8 पद 20)। मानव जाति पुत्रत्व पावे के योग्य ना रहल, आ पाप के कारण धरती भ्रष्ट हो गइल।

आदम के अवज्ञा के तुरते बाद परमेश्वर आदम से—आ आदम में पूरा मानव जाति से—प्रतिज्ञा कइलन कि एगो दिन एगो उद्धारकर्ता, अर्थात् छुड़ावे वाला, धरती पर आई आ भइल नुकसान के मिटा दी (उत्पत्ति अध्याय 3 पद 15)। यीशु उहे उद्धारकर्ता हउवन। एकरा बाद परमेश्वर मनुष्य लोग के लिखित अभिलेख रखे के निर्देश दिहलन, जइसे-जइसे ऊ यीशु के द्वारा अपना परिवार के फेर से पावे के अपना योजना के अलग-अलग पहलू के अउरी अधिक प्रकट करत गइलन। ऊ शुरुआती अभिलेख बढ़त-बढ़त ओह ग्रन्थ-संग्रह में बदल गइल, जवना के अब पुरान नियम कहल जाला।

बाइबल के शुरुआती लेख में प्रभु ऊ जनसमूह के प्रकट कइलन, जेकरा द्वारा यीशु एह संसार में आवे वाला रहस—अर्थात् अब्राहम नाम के आदमी के वंशजन के (उत्पत्ति अध्याय 12 पद 1 से 3)। ओकर वंश आगे चलके इस्राएल जाति बनल, जेकरा के इब्रानी आ यहूदी भी कहल जाला। पुरान नियम के बाकी हिस्सा मुख्य रूप से एह लोग के ऊ इतिहास बा, जवन यीशु के जन्म से चार सौ साल पहिले तक के बा (1921 ईसा पूर्व से 400 ईसा पूर्व)। ई एह बात के लेखा बा कि परमेश्वर भयंकर बाधा के बीच अब्राहम के वंशजन के कइसे सुरक्षित रखलन, जब ऊ अपना योजना आ आवे वाला उद्धारकर्ता के बारे में धीरे-धीरे अउरी अधिक जानकारी प्रकट करत गइलन। नया नियम यीशु के आगमन आ उनकर काम के लेखा ह। एकर सभ किताब आ पत्र ओह पुरुष लोग लिखलन, जे यीशु मसीह के सेवकाई, क्रूस पर चढ़ावल जाइल आ पुनरुत्थान के नजदीक से देखले रहस। एह पुरुष लोग के बारे में हम आगे एगो अध्याय में अउरी बात करब।

उद्धार खातिर बुद्धिमान।

प्रभु मनुष्य लोग के पवित्रशास्त्र लिखे खातिर प्रेरणा दिहलन, ताकि हमनी समझ सकीं कि हमरा के पाप से उद्धार के जरूरत काहे बा, परमेश्वर ई उद्धार कइसे उपलब्ध करावेलन आ एकर हमरा जीवन पर का प्रभाव पड़ेला। यीशु एह संसार में अइले ताकि क्रूस पर ऊ पाप के कारण मानव जाति खातिर ठहरावल दण्ड अपना ऊपर ले लीं। अपना मृत्यु आ पुनरुत्थान के द्वारा यीशु ओह सभ लोग खातिर, जे उनकरा पर विश्वास करेला, परमेश्वर के बेटा-बेटी बने के राह खोल दिहलन। यीशु पर विश्वास करे के मतलब बा उनकरा के आपन उद्धारकर्ता आ प्रभु माने के, आ पाप से उद्धार के एगो मात्र स्रोत के रूप में उनकरा पर भरोसा रखे के।

“[पवित्रशास्त्र] रउरा के शिक्षा देवे आ ओह उद्धार के समझ देवे में समर्थ बा, जवन मसीह यीशु पर विश्वास करे के द्वारा मिलेला” (2 तीमुथियुस अध्याय 3 पद 15)।

“बाकिर ई [पवित्रशास्त्र] एह खातिर लिखल गइल बा कि रउरा विश्वास करीं कि यीशु ही मसीह [उद्धारकर्ता], परमेश्वर के बेटा हउवन, आ उनकरा पर विश्वास कइला से रउरा के जीवन मिले” (यूहन्ना अध्याय 20 पद 31)।

परमेश्वर के वचन हमरा के खाली उद्धार के बारे में जानकारी ना देला; ई हमरा जीवन में उद्धार पैदा होखे खातिर अत्यन्त जरूरी भी बा। जब हमरा सामने परमेश्वर के वचन एह सच्चाई के बारे में प्रस्तुत कइल जाला कि यीशु हमरा पापन खातिर मरलन आ मुअल लोग में से जी उठलन, आ हमनी ओह पर विश्वास करीं जा, तब हमनी उद्धार के ओह प्रबन्ध के अनुभव करीं जा। हमरा के अनन्त जीवन मिलेला। हमरा भीतर एगो अलौकिक रूपान्तरण घटित होला। पवित्र आत्मा, परमेश्वर के वचन के द्वारा, हमरा भीतर के सबसे गहिरा हिस्सा में अनन्त जीवन देला, आ हम सचमुच परमेश्वर से जन्म लेत बानी जा। हम पापी से बदलके परमेश्वर के पवित्र आ धर्मी बेटा-बेटी बन जानी जा (यूहन्ना अध्याय 3 पद 3 से 5; 1 पतरस अध्याय 1 पद 23; 1 यूहन्ना अध्याय 5 पद 1)।

“बाकिर जेतना लोग विश्वास कइल... आ [यीशु] के ग्रहण कइल, उनकरा के ऊ परमेश्वर के संतान बने के अधिकार दिहलन। उनकर नया जन्म होला! ई मनुष्य के इच्छा भा योजना से पैदा भइल शारीरिक जन्म ना ह—ई नया जन्म परमेश्वर से होला” (यूहन्ना अध्याय 1 पद 12 से 13)।

पवित्रशास्त्र रउरा के रउरा के सच्चा उद्देश्य देखावेला—मसीह पर विश्वास के द्वारा परमेश्वर के बेटा भा बेटी बने के। आ परमेश्वर के वचन रउरा के भरोसा दिलावेला कि रउरा के सभसे बड़ जरूरत पूरा हो चुकल बा—पाप से उद्धार।

बाकिर हमरा के असली मदद चाहीं।

संभव बा कि रउरा सोचत होखीं, “ई सभ ठीक बा, बाकिर हमरा असली समस्या बा आ हमरा के अभी असली मदद चाहीं।” ईहे त असली मदद ह! देखीं, बहुत सारा निष्कपट मसीही लोग के जीवन के तूफानन में परमेश्वर पर भरोसा करे में कठिनाई होला, काहेकि ऊ निश्चय ना कर पावेला कि ऊ उनकर मदद करे खातिर इच्छुक बाड़न कि ना। अनगिनत विश्वासी एह संदेहन से संघर्ष करेला: “हम बहुत बुरा काम कइले बानी।” “परमेश्वर हमरा से ओतना प्रेम ना करेलन, जेतना ऊ दोसरा लोग से करेलन।” बाकिर जब रउरा ई जान जाईं कि परमेश्वर रउरा के सभसे बड़ जरूरत—पाप से उद्धार—पहिले ही पूरा कर चुकल बाड़न, त एहसे विश्वास बहुत बढ़ जाला। जब रउरा उनकर परिवार के हिस्सा तक ना रहनी, तब अगर प्रभु रउरा के सभसे महत्वपूर्ण जरूरत में मदद कइलन, त अब जब रउरा उनकर बेटा भा बेटी बानी, ऊ छोट-छोट बातन में रउरा के मदद करे से अनिच्छुक काहे होइहें? आ अनन्त उद्धार के तुलना में बाकी सभ कुछ छोट बात ही ह।

“जिन्हों अपना ही बेटा के ना रोकलन, बलुक ओकरा के हमनी सभ खातिर दे दिहलन—का हम अइसन परमेश्वर पर ई भरोसा ना कर सकीं कि ऊ अपना बेटा के साथ हमरा के ऊ सभ कुछ भी दीहें, जेकर हमरा के जरूरत हो सकेला?” (रोमियों अध्याय 8 पद 32, जे. बी. फिलिप्स अनुवाद)।

नया नियम के नियमित आ क्रमबद्ध पठन रउरा भीतर ई दृढ़ विश्वास पैदा करी कि परमेश्वर रउरा से प्रेम करेलन आ ऊ रउरा के मदद करिहें। जइसे-जइसे रउरा नया नियम से परिचित होत जइब, रउरा ई देखे लागब कि परमेश्वर उद्धार के द्वारा एह जीवन में आ आवे वाला जीवन में रउरा खातिर का-कतना उपलब्ध करवलन। आ रउरा ई सीखी कि रउरा सामने परिस्थिति केतनो काहे ना होखे, एह प्रबन्ध में कइसे चलल जाव आ एकर अनुभव कइसे कइल जाव।

बाइबल में रउरा खातिर असली मदद बा। परमेश्वर के वचन खाली रउरा के रउरा के सच्चा उद्देश्य ना देखावेला आ ई भरोसा ना दिलावेला कि रउरा के सभसे बड़ जरूरत पूरा हो चुकल बा, बलुक ईहो मदद करेला कि रउरा बातन के ओइसहीं देखीं, जइसन ऊ वास्तव में बाड़ी स। जब रउरा वास्तविकता के ओकर सच्चा रूप में देखल सीख जाईं, तब रउरा सामने आवे वाली कवनो भी परिस्थिति के सामना कर सकीं। बाइबल वास्तविकता के बारे में का प्रकट करेली? आईं, अगिला भाग में एह सवाल के जवाब दीं।

4

रउरा जइसन देखत बानी, ओइसहीं समझत बानी।

जीवन के तूफान अपने आप में लोगन के नष्ट ना करेलें। अगर अइसन होत, त हमनी में से केहू ना बच पावत, काहेकि हमनी सभ कठिन समयन से होकर गुजरत बानी जा। कठिन समय में रउरा के प्रतिक्रिया ही ई तय करेला कि रउरा ओकरा से पार निकल पइब कि ना। रउरा के प्रतिक्रिया वास्तविकता के बारे में रउरा के समझ, अर्थात् अपना परिस्थिति के देखे के तरीका से पैदा होला। रउरा जवन कुछ देखत बानी, ऊ रउरा के बनावेला भा तोड़ेला, अइसन ना ह; बलुक बात ई बा कि रउरा देखल बात के कइसन तरीका से देखत बानी। एही के रउरा के दृष्टिकोण कहल जाला। अगर रउरा परमेश्वर के अनुसार अपना परिस्थिति के ओकर असली रूप में देखल सीख लीं, त रउरा ओह प्रचण्ड आक्रमण से बचके निकल जइब।

बात जइसन वास्तव में बा।

जब कवनो तूफान आवेला, तब रउरा जवन देखत आ अनुभव करत बानी, ऊ वास्तविक होला। तइयो रउरा के नजर आ भावना रउरा के अपना परिस्थिति के सभ तथ्य ना बता सकेली स, काहेकि जेतना रउरा अपना इन्द्रियन से जान पावत बानी, ओकरा से कहीं अधिक घटित हो रहल होला। बाइबल के अनुसार एगो अदृश्य लोक बा, एगो अइसन आयाम जवन आम तौर पर मनुष्य के दिखाई ना देला। अदृश्य परमेश्वर एगो अइसन अदृश्य राज्य पर प्रभुता करेलन, जवन सामर्थ्य आ प्रबन्ध से भरल बा, आ जवन हमरा भौतिक संसार पर प्रभाव डाल सकेला आ डालेला भी (कुलुस्सियों अध्याय 1 पद 15 से 16; 2 कुरिन्थियों अध्याय 4 पद 18)। एह समय परिस्थिति चाहे जइसन दिखाई देखे भा महसूस होखे, वास्तविकता ई बा—सर्वशक्तिमान परमेश्वर रउरा के साथ बाड़न, आ रउरा के खिलाफ अइसन कवनो बात ना आ सके जवन उनकरा से बड़ होखे। बाइबल प्रकट करेली कि:

- परमेश्वर सर्वव्यापी हउवन, अर्थात् ऊ एके समय में हर जगह उपस्थित बाड़न। अइसन कवनो जगह नइखे जहाँ परमेश्वर ना होखसु। एकर मतलब बा कि रउरा जहाँ कहीं भी होखीं, ऊ ओहिजे बाड़न (यिर्मयाह अध्याय 23 पद 23 से 24)।
- परमेश्वर सर्वशक्तिमान हउवन, अर्थात् ऊ पूरा सामर्थ्य से युक्त बाड़न। उनकरा से बड़ भा अधिक शक्तिशाली कवनो चीज नइखे, आ उनकर शक्ति आ पराक्रम के सामने कुछो ठहर ना सकेला (प्रकाशितवाक्य अध्याय 19 पद 6)।
- परमेश्वर सर्वज्ञ हउवन, अर्थात् ऊ सभ कुछ जानत बाड़न। का होखे वाला बा, ई ऊ होखे से पहिले ही जानत बाड़न। एकर मतलब बा कि कवनो बात उनका के अचानक अचरज में ना डालेला आ ना ही ऊ कवनो उलझन में पड़ेलन। अइसन कवनो समस्या नइखे, जेकरा खातिर उनका लगे पहिले से कवनो योजना भा समाधान ना होखे (यशायाह अध्याय 46 पद 9 से 10)।

सर्वशक्तिमान परमेश्वर खाली रउरा के साथे नइखन, ऊ रउरा के पक्ष में भी बाड़न। आ प्रभु रउरा के ओर से आपन महानता प्रकट करे खातिर इच्छुक बाड़न। रउरा के पापन खातिर यीशु के मरले भेजके ऊ ई बात साबित कर दिहलन। परमेश्वर यीशु मसीह के द्वारा हमरा खातिर जवन कइलन, ओकर प्रसंग में प्रेरित पौलुस एगो अलंकारिक सवाल पूछलन, “अगर परमेश्वर हमरा पक्ष में बाड़न, त के [भा का] हमरा विरोध में हो सकेला?” (रोमियों अध्याय 8 पद 31, राजा जेम्स संस्करण)। पौलुस एह सवाल के प्रभाव पैदा करे खातिर इस्तेमाल कइलन, काहेकि एकर जवाब साफ बा। अगर पाप के कारण रउरा उनकर शत्रु रहनी, तबो परमेश्वर स्वेच्छा से यीशु के रउरा खातिर मरे खातिर भेज दिहलन, त अब जब रउरा क्रूस के द्वारा उनका साथे मेल-मिलाप कर चुकल बानी, ऊ रउरा के मदद करे में अनिच्छुक काहे होइहें? (रोमियों अध्याय 5 पद 6 से 10)।

बाइबल के नियमित आ क्रमबद्ध पठन रउरा के वास्तविकता के अधिक सही समझ देला। ओकर पन्नन के द्वारा रउरा बातन के ओकर असली रूप में देखल शुरू कर देत बानी—परमेश्वर रउरा के साथ बाड़न आ रउरा के पक्ष में बाड़न, आ रउरा के मदद करे खातिर तैयार आ इच्छुक बाड़न। “परमेश्वर हमनी के शक्तिशाली गढ़ हउवन, आ संकट के समय हमेशा मदद करे खातिर तैयार रहेलन” (भजन संहिता अध्याय 46 पद 1, समकालीन अंग्रेजी संस्करण)। परमेश्वर के वचन रउरा के एह बात के दृढ़ विश्वास देला कि रउरा के खिलाफ अइसन कवनो बात ना आ सके जवन उनका से बड़ होखे। ई नया दृष्टिकोण रउरा के अपना परिस्थिति में विश्वास आ प्रभु पर भरोसा के साथ प्रतिक्रिया करे लायक बनावेला, आ एह तरह से उनकर मदद आ प्रबन्ध के दरवाजा खुल जाला।

वास्तविक जीवन के एगो उदाहरण।

पुरान नियम में हमरा खातिर सुरक्षित रखल गइल ऐतिहासिक वृत्तान्त से एगो उदाहरण पर विचार करीं। वास्तविक जीवन के ई घटना देखावेला कि वास्तविकता के बारे में हमनी के दृष्टिकोण तूफान के सामना करत समय हमरा कामन के कइसे प्रभावित करेला। ई वास्तविक लोगन के सच्चा वृत्तान्त बा, जे एगो गंभीर समस्या के सामना कइलन; आ वास्तविकता के बारे में उनकर दृष्टिकोण आ ओकरा बाद कइल गइल उनकर कामन के कारण, ओह लोगन में से कुछ के सर्वशक्तिमान परमेश्वर से मदद मिलल, जबकि दोसरा लोगन के ना मिलल।

लगभग 1490 ईसा पूर्व, अब्राहम के वंशज, अर्थात् यहूदी भा इस्राएली, कनान के सीमा पर पहुँचले, जवन आज के इस्राएल ह। ऊ लोग अभी हाल में मिस्र से निकलल रहे, जहाँ ऊ लोग बहुत बरिस तक दास के रूप में मेहनत करत रहल रहे। प्रभु अपना सामर्थ्य के बहुत सारा महान प्रदर्शनन के द्वारा ऊ लोग के ओह बन्धन से छुड़वले रहस। फेर मूसा नाम के आदमी के अगुवाई में इस्राएली लोग अपना पैतृक देश में लवट आइल।

इस्राएली लोग सीमा पार करे से पहिले मूसा टोह लेवे के उद्देश्य से बारह गो भेदियन के कनान भेजलन। चालीस दिन के खोज-यात्रा के बाद ऊ लोग आपन वृत्तान्त लेके लवटल। कनान भरपूर प्रबन्ध से भरल एगो सुन्दर देश रहे। बाकिर उहाँ भयंकर बाधा भी रहे—चारदीवारी से घेरल नगर, युद्धप्रिय गोत्र आ असाधारण रूप से विशालकाय लोग। हालाँकि सभे भेदी अपना वृत्तान्त पर सहमत रहस, तइयो आगे का करे के चाहीं, एह विषय में उनकर विचार बहुत अलग-अलग रहे। दू गो भेदी, यहोशू आ कालेब, ई निष्कर्ष निकाललन कि बाधा के बावजूद उनकरा ओह देश में प्रवेश करके ओकरा पर अधिकार कर लेवे के चाहीं। बाकी दस गो लोग एह बात पर निश्चित रहस कि अगर ऊ लोग कनान पर अधिकार करे के कोशिश करी, त सभे के मौत हो जाई।

“[यहोशू कहलन,] ‘[प्रभु] हमरा के सुरक्षित रूप से ओह देश में ले जइहें आ ओकरा के हमरा के दे दिहें... प्रभु के खिलाफ विद्रोह मत करीं आ ओह देश के लोगन से मत डरीं। ऊ लोग हमरा खातिर खाली असहाय शिकार ह! उनकरा लगे कवनो सुरक्षा नइखे, बाकिर प्रभु हमरा साथे बाड़न! उनकरा से मत डरीं!’” (गिनती अध्याय 14 पद 8 से 9)।

“[कालेब कहलन,] ‘आईं, हमनी तुरन्त ओह देश पर अधिकार करे खातिर चलीं,’ ऊ कहलन। ‘हमनी निश्चय ही ओकरा के जीत सकत बानी जा।’” (गिनती अध्याय 13 पद 30)।

“बाकी दस गो लोग कहलन, ‘हमनी ओह लोगन के खिलाफ ना जा सकीं, जे ओह देश में रहेला! ऊ लोग हमरा से अधिक बलवान बा... जवना देश के हमनी पता लगवनी जा, ऊ उहाँ रहे वाला लोगन के निगल जाला। उहाँ हमनी जेतना लोग के देखनी जा, ऊ सभ बहुत बड़ कद के रहस। हमनी उहाँ दानव लोग के भी देखनी जा, अर्थात् अनाक के वंशजन के। हमरा

के त अपना के उनकरा सामने टिड्डी जइसन महसूस भइल, आ उनकर नजर में भी हमनी अइसहीं दिखाई देत रहनी जा" (गिनती अध्याय 13 पद 31 से 33)।

ई दुनो एकदम अलग निष्कर्ष एह बात से पैदा भइल कि हर भेदी अपना सामने मौजूद परिस्थिति के कवन दृष्टि से देखलस। ऊ दस गो भेदी परिस्थिति के मूल्यांकन खाली ओही आधार पर कइलस, जवन उनकर आँख के दिखाई देत रहे। बाकिर यहोशू आ कालेब ओकर आकलन ओह अदृश्य सच्चाई के आधार पर कइलन। हालाँकि ऊ लोग सर्वशक्तिमान परमेश्वर के अपना आँख से ना देख सकत रहे, तइयो ऊ लोग विश्वास करत रहे कि ऊ उनकरा साथे बाड़न आ उनकर मदद करीहें। कालेब आ यहोशू के ई विश्वास खुद प्रभु से मिलल रहे, जब प्रभु मूसा के इस्राएल के मिस्र से बाहर निकाले खातिर बोलवले रहस। प्रभु परमेश्वर मूसा से प्रतिज्ञा कइले रहस कि ऊ खाली इस्राएल के मिस्र के दासता से ना छुड़इहें, बलुक उनकरा के सुरक्षित रूप से कनान देश में भी पहुँचइहें (निर्गमन अध्याय 3 पद 8; निर्गमन अध्याय 6 पद 6 से 8)।

जब ऊ बारह गो भेदी आपन-आपन रिपोर्ट पूरा इस्राएली समुदाय के सामने प्रस्तुत कइलस, तब पूरा प्रजा ओह देश में प्रवेश करे के कोशिश ना करे के फैसला कइलस। हालाँकि प्रभु उनकरा साथे रहस आ उनकर खातिर युद्ध करे के तैयार रहस, तइयो ऊ लोग अपना के असहाय समझलस। ओह देश में प्रवेश करे के बजाय, ऊ पूरा पीढ़ी अगिला चालीस बरिस मिस्र आ कनान के बीच स्थित जंगल में भटकत बितवलस। उनकर हार कनान के लोगन के कारण ना भइल, बलुक एह कारण से भइल कि ऊ लोग अपना परिस्थिति के कइसन तरीका से देखलस। इस्राएली लोगन के तूफान ना हरवलस; उनकरा के वास्तविकता के प्रति उनकर आपन धारणा पराजित कर दिहलस। बीस लाख से भी अधिक लोगन में से आखिर में खाली कालेब आ यहोशू ही ओह देश में जाके बस पवलन, जवना के परमेश्वर उनकरा से प्रतिज्ञा कइले रहस।

यहोशू आ कालेब अलग काहे रहस?

यहोशू आ कालेब एहसे अलग रहस काहेकि परमेश्वर के वचन उनकर सोच आ उनकर दृष्टि के आकार दिहले रहे। ऊ लोग अपना परिस्थिति के ओही दृष्टिकोण से देखलस, आ ओही के अनुसार तूफान के सामना कइलस। इतिहास हमरा के ई ना बतावेला कि यहोशू आ कालेब वास्तविकता के प्रति अइसन दृष्टि कइसे विकसित कइलस। तइयो प्रभु खुद यहोशू से जवन बात कहलन, ओकरा से हमरा के एकर एगो संकेत मिलेला।

जब जंगल में भटके के चालीस बरिस पूरा हो गइल आ कनान देश में फेर से प्रवेश करे के समय आइल, तब परमेश्वर अगिला पीढ़ी के इस्राएली लोग के अगुवाई करे खातिर यहोशू के चुनलन। ओह समयो कनान एगो अइसन देश रहे, जहाँ डेरा पैदा करे वाला शक्तिशाली दुश्मन

लोग रहत रहे। बाकिर परमेश्वर यहोशू से प्रतिज्ञा कइलन कि अगर ऊ पवित्रशास्त्र पर मनन करी, त ऊ ओह देश पर अधिकार करे में सफल होई। मनन करे के मतलब बा—आपन विचार के कवनो एगो बात पर केंद्रित कइल, ओकरा पर गहिराई से विचार कइल आ बार-बार ओकरा पर चिंतन कइल।

“बलवन्त आ हियाव बाँध… ओह सभ व्यवस्था के अनुसार चल, जेकर आज्ञा हमार दास मूसा तोहरा के दिहले बा। ओकरा से ना दहिना ओर मुड़िहऽ आ ना बायाँ ओर, ताकि जहाँ कहीं तू जइब, उहाँ सफलता पावऽ। व्यवस्था के ई किताब तोहरा मुँह से कबो अलग ना होखे, बलुक दिन-रात ओही पर मनन कर, ताकि ओकरा में लिखल सभ बात के अनुसार करे में सावधानी रखऽ; काहेकि तब तू अपना राह में सफल होखब आ तबे तोहार काम सिद्ध होई।” (यहोशू अध्याय 1 पद 6 से 8)

जब परमेश्वर यहोशू से ई सभ बात कहलन, ओह समय बाइबल के व्यवस्था के किताब के नाम से जानल जात रहे। ओह समय एहमें खाली ऊ पाँच गो किताब रहे, जे मूसा इस्राएली लोग के जंगल में भटके के समय लिखले रहस। मूसा के बाद अगिला अगुवा होखे के कारण यहोशू निश्चय ही मूसा के साथे बइठके एह लेखन के बार-बार अध्ययन कइले होइहें। एहमें सर्वशक्तिमान परमेश्वर के साफ-साफ आज्ञा रहे, आ साथे ओह समय तक के इस्राएल के इतिहास के भी वर्णन रहे। वास्तविकता के प्रति यहोशू के दृष्टि ओह प्रतिज्ञा से बनल रहे, जवना के प्रभु बार-बार दोहरवले रहस कि जे लोग उनकरा पर भरोसा रखेला आ उनकर आज्ञा मानेला, ओकरा के ऊ जरूर छुड़ावेलन। एकरा अलावा, इतिहास में अइसन बहुत उदाहरण रहे, जहाँ परमेश्वर अपना लोगन के उनकर दुश्मनन पर विजय दिहले रहस।

यहोशू आ कालेब प्रभु के वचन के सच्चाई के प्रति एतना दृढ़ विश्वास से भर गइल रहस कि जब उनकर आँख से दिखाई देवे वाला बात आ उनकर भावना भी पवित्रशास्त्र के विपरीत दिखाई देत रहे, तबो ऊ लोग परमेश्वर के ही पक्ष लिहलस। परमेश्वर के व्यवस्था उनकर विचार पर एह तरह से प्रभुत्व रखत रहे कि उहे ई तय करत रहे कि ऊ लोग अपना परिस्थिति के कइसे सामना करी। उनकर प्रतिक्रिया कवनो अइसन सूत्र भा तकनीक ना रहे, जवना के सही तरीका से अपनवला पर कठिनाई समाप्त हो जाई। ऊ त उनकर दृष्टि रहे। एह दुनो पुरुष परिस्थिति के ओइसहीं देखत रहस, जइसन ऊ वास्तव में परमेश्वर के दृष्टि में रहे, आ एही कारण से ऊ लोग केतनो भयावह परिस्थिति से विचलित ना भइल।

नियमित रूप से नया नियम के अध्ययन कइला से रउरा के दृष्टिकोण बदल जाई। तब रउरा जीवन के एह समझ के साथ सामना करब कि रउरा के खिलाफ अइसन कवनो परिस्थिति ना आ सके, जवन परमेश्वर से बड़ होखे, काहेकि उहे परमेश्वर रउरा के साथ बाड़न आ रउरा के पक्ष में बाड़न। आ तब यहोशू आ कालेब के जइसन रउरा भी हर तूफान के सामना विश्वास आ प्रभु पर भरोसा रखत करीं।

5

पूरा तरह से दृढ़ विश्वास।

इस्राएली लोगन के कनान देश में प्रवेश करे से इनकार कइला के चालीस बरिस बाद, उनकर संतान लोग परमेश्वर के वचन पर विश्वास कइलस आ सीमा पार करके ओह देश में प्रवेश कइलस। उहाँ बहुत सारा बाधा रहला के बावजूद परमेश्वर उनकरा के सुरक्षित रूप से ओह देश में बसवलन। सर्वशक्तिमान परमेश्वर अपना अनुग्रहपूर्ण सामर्थ्य के उनकर विश्वास के द्वारा उनकर परिस्थिति में काम करे दिहलन। विश्वास कठिन परिस्थिति में प्रभु के सामर्थ्य खातिर दरवाजा खोल देला—उहे सामर्थ्य जवन दानव लोग के पराजित करेला, पहाड़ हटा देला आ तूफान के शान्त कर देला। आईं देखीं कि ई इस्राएली लोगन के जीवन में कइसे प्रकट भइल आ हमरा जीवन में ई कइसन दिखाई देला।

विश्वास के द्वारा विजय।

जब इस्राएली लोगन के ई नया पीढ़ी कनान के पहिला बाधा, अर्थात् मजबूत आ ऊँच शहरपनाह वाला यरीहो नगर के सामने पहुँचली, तब परमेश्वर यहोशू के अइसन युद्ध-योजना दिहलन, जवन देखे में बहुत असामान्य लागत रहे। प्रभु ओकरा से कहलन कि ऊ लोगन के आज्ञा दे कि ऊ लोग छव दिन तक हर दिन एक बेर नगर के चारों ओर चक्कर लगावो। सातवाँ दिन ओकरा लोग के नगर के सात बेर चक्कर लगावे के रहे, आ ओकरा बाद सभे मिलके ऊँच आवाज में जयजयकार करे के रहे। तब नगर के शहरपनाह ढह जाई (यहोशू अध्याय 6 पद 2 से 5)। इस्राएली लोग ओइसहीं कइलस, जइसन परमेश्वर आज्ञा दिहले रहस। शहरपनाह गिर गइल आ यरीहो पर विजय मिल गइल। उनकर ई विजय उनकर अपना सामर्थ्य से ना, बलुक उनकर विश्वास के द्वारा परमेश्वर के सामर्थ्य से भइल। “विश्वास ही से यरीहो के शहरपनाह, जब सात दिन तक ओकर परिक्रमा कइल गइल, त गिर पड़ल।” (इब्रानियों अध्याय 11 पद 30)।

विश्वास शब्द यूनानी भाषा के एगो शब्द से निकलल बा, जेकर अर्थ बा दृढ़ विश्वास भा अटल निश्चय। यहोशू आ इस्राएली लोग परमेश्वर के वचन के प्रति एतना आश्वस्त रहस कि ओकर पुष्टि करे खातिर उनकरा लगे कवनो प्रत्यक्ष प्रमाण ना रहे, तइयो ऊ लोग ओइसहीं कइलस जइसन परमेश्वर उनकरा के करे के आज्ञा दिहले रहस, आ यरीहो पर विजय हासिल कइलस। ऊ लोग पुरान नियम के अइसन अकेला आदमी ना रहस, जे विश्वास के द्वारा परमेश्वर के सामर्थ्य से विजय पवलस। आईं ओह दोसरा लोगन के कामन पर भी ध्यान दीं, जे यहोशू आ कालेब के जइसन अपना जीवन के तूफानन के सामना करत समय परमेश्वर से असली मदद पवलस।

"अब हम अउरी का कहीं? अगर हम गिदोन, बाराक, शिमशोन, यिप्तह, दाऊद, शमूएल आ दोसरा भविष्यवक्ता लोग के विश्वास के बात बतावे लागीं, त समय कम पड़ जाई। विश्वास ही के द्वारा ऊ लोग राज्यन पर विजय हासिल कइलस, न्याय के साथ शासन कइलस आ परमेश्वर के प्रतिज्ञा प्राप्त कइलस।" (इब्रानियों अध्याय 11 पद 32)

"ऊ लोग सिंहन के मुँह बंद कइलस, प्रचण्ड आग के ज्वाला बुझवलस आ तलवार के धार से बच निकलल। उनकर निर्बलता सामर्थ्य में बदल गइल। ऊ लोग युद्ध में पराक्रमी बन गइल आ विदेशी सेना के भागे पर मजबूर कर दिहलस। स्त्री लोग अपना मुअल प्रियजन के फेर से जीवित पवलस।" (इब्रानियों अध्याय 11 पद 33 से 35)

गिड़गिड़इला से कुछ हासिल ना होला।

अक्सर जब कठिनाई आवेला, त परमेश्वर के लोग उनकरा लगे जाके मदद खातिर भीख माँगे लागेला। बाकिर प्रभु अइसन लोग के खोज नइखन करत जे गिड़गिड़ावेला। ऊ अइसन लोग के खोजत बाड़न जे विश्वास करे कि ऊ उनकर मदद जरूर करीहें। "काहेकि यहोवा के नजर पूरा धरती पर घूमत रहेला, ताकि जेकर मन पूरा तरह से उनकरा ओर लागल बा, ओह लोग खातिर ऊ अपना सामर्थ्य प्रकट करस।" (2 इतिहास अध्याय 16 पद 9)।

जब हमनी एह पद के ओकर पूरा प्रसंग में पढ़त बानी जा, त हमरा के पता चलेला कि पूरा तरह से समर्पित मन उहे ह, जवन परमेश्वर पर भरोसा रखेला आ उनकर वचन पर विश्वास करेला। बाइबल के नियमित आ व्यवस्थित अध्ययन रउरा भीतर अइसन विश्वास पैदा करी, जवन तूफान केतनो प्रचण्ड काहे ना होखे, तइयो परमेश्वर के वचन पर अटल बनल रही।

विश्वास आ परमेश्वर के वचन।

अगर रउरा कुछ समय से मसीही बानी, त संभव बा कि रउरा ई वचन बहुत बेर सुनले होखीं: "एहसे विश्वास सुनला से पैदा होला, आ सुनल मसीह के वचन के द्वारा होला।" (रोमियों अध्याय 10 पद 17)।

विश्वास हमरा के परमेश्वर के वचन के द्वारा मिलेला, काहेकि पवित्रशास्त्र सर्वशक्तिमान परमेश्वर के हमरा सामने प्रकट करेला। बाइबल हमरा के बतावेला कि ऊ कइसन बाड़न आ अपना लोगन के जीवन में कइसन तरीका से काम करेलन। अपना लिखित वचन के माध्यम से प्रभु हमरा के अपना सामर्थ्य, अपना भलाई आ अपना विश्वासयोग्यता के बारे में भरोसा दिलावेलन। विश्वास, अर्थात् भरोसा, एह सच्चाई के प्रति हमरा हृदय के प्रतिक्रिया ह। रउरा भीतर केतना विश्वास बा आ परमेश्वर पर रउरा के भरोसा केतना दृढ़ बा, ई सीधा-सीधा एह बात पर निर्भर करेला कि रउरा उनकर वचन के द्वारा उनका के केतना जानत बानी।

रउरा ओह पर विश्वास ना कर सकीं, जवना के रउरा जानतिए नइखीं। आ अगर रउरा बाइबल के नियमित आ व्यवस्थित रूप से ना पढ़ीं, त अइसन बहुत सारा बात बा, जवना के रउरा नइखी जानत। बाइबल में इकतीस हजार से भी अधिक पद बा। अगर रउरा ओकरा में से एगो हजार पद पढ़ लिहले होखीं आ सैकड़न पद रउरा के कंठस्थ भी होखे, तबो लगभग तीस हजार पद अइसन बा, जिनका से रउरा अबहियों अपरिचित बानी। एतने ना, जिन पदन के रउरा जानत बानी, उनकर प्रसंग के बारे में रउरा के समझ बहुत सीमित हो सकेला।

“हम परमेश्वर के वचन पर दृढ़ता से खड़ा बानी...”

कबो-कबो हमार भेंट अइसन मसीही लोगन से होला, जे हमरा से कहेला कि ऊ लोग कवनो खास बात खातिर परमेश्वर पर विश्वास करत बा आ उनकर वचन पर दृढ़ता से खड़ा बा। उनकर मतलब ई होला कि ऊ लोग ई आशा करत बा कि परमेश्वर उनकर परिस्थिति में उनकर इच्छा के अनुसार काम करीहें। ऊ लोग अपना एह अपेक्षा के आधार कवनो एगो खास पद के बनावेला, आ फेर उहे पद हमरा के सुनावेला। बाकिर बहुत बेर, काहेकि हम बरिसन से नियमित रूप से बाइबल पढ़त आइल बानी, हम तुरते समझ जानी कि ऊ लोग ओह पद के ओकर असली प्रसंग से पूरा तरह अलग कर दिहले बा आ ओकरा के अपना परिस्थिति पर अनुचित तरीका से लागू करत बा। एकर नतीजा ई होला कि ऊ लोग परमेश्वर से अइसन बात के उम्मीद करत होला, जेकरा के ऊ कबो प्रतिज्ञा ही नइखन कइले। एहसे बहुत संभव बा कि आखिर में ओकरा के निराशा के सामना करे के पड़े।

मसीही समाज में विजय पावे आ जयवन्त होखे के बारे में बहुत बात कहल जाला। अइसन बात अपने आप में गलत नइखे, काहेकि बाइबल भी मसीही जीवन के वर्णन करे खातिर एह शब्दन आ अइसने बहुत सारा दोसरा शब्दन के इस्तेमाल करेली। बाकिर कुछ लोग एह बातन के गलत अर्थ निकालेला। ऊ लोग सोचेला कि हम अपना जीवन से हर तरह के परेशानी के पूरा तरह से दूर कर सकत बानी जा आ अपना राह में आवे वाला हर पहाड़ के हटा सकत बानी जा। बाकिर ई सच्चाई नइखे। हमनी अइसन संसार में रहत बानी जा, जवन पाप के कारण बिगड़ चुकल बा, आ कठिनाइयाँ हमनी सभ के जीवन में आवेली स। (यूहन्ना अध्याय 16 पद 33)।

कुछ कठिनाइयन के पहाड़ अइसन होला, जेकरा के हटावल जा सकेला। कुछ से बचल जा सकेला। बाकिर कुछ अइसनो होला, जिनका पर चढ़के पार करे के पड़ेला भा जिनकर बीच से राह बनाके निकलल पड़ेला। अगर रउरा अइसन पहाड़ के हटावे के कोशिश करत बानी, जवना के वास्तव में चढ़के पार करे के जरूरी बा, त संभव बा कि रउरा के ऊ मदद ना मिले, जेकर रउरा उम्मीद करत बानी, काहेकि रउरा परमेश्वर से अइसन बात के अपेक्षा करत बानी, जेकरा के ऊ प्रतिज्ञा नइखन कइले। बाइबल के नियमित आ व्यवस्थित अध्ययन रउरा के ई समझे के बुद्धि देला कि कवनो खास परिस्थिति के सामना कइसे कइल जाव, आ ई पहिचाने में मदद करेला कि कवन पहाड़ हटावल जा सकेला आ कवन ना।

"हमरा पता बा कि हम ई पद कहीं पढ़ले रहीं..."

कबो-कबो हमार भेंट अइसन लोगन से होला, जे कवनो विषय के बारे में आपन विचार बतावेला आ फेर कहेला कि उनकर बात के समर्थन करे वाला एगो पद बाइबल में बा। ऊ ईहो स्वीकार करेला कि ओकरा के ई याद नइखे कि ऊ पद कहाँ लिखल बा, आ ना ही ओकर शब्द ठीक-ठीक याद बा। तइयो ऊ पूरा विश्वास के साथ कहेला कि ऊ पद कहीं ना कहीं बाइबल में जरूर बा।

अइसन स्थिति में हमार मन ओकरा से ई पूछे के करेला: अगर ओकरा के ईहो पता नइखे कि ऊ पद कहाँ लिखल बा, त ऊ एतना निश्चित कइसे हो सकेला कि ओकरा में उहे लिखल बा, जवन ऊ समझत बा? अगर ओकर याददाश्त गलत होखे त? अगर ऊ ओह पद के ओकर असली प्रसंग से अलग करके समझले होखे त? आ अगर अइसन कवनो पद बाइबल में बा ही ना त? दुर्भाग्य से, बहुत बेर अइसने होला। तब ऊ लोग अपना विश्वास के नींव अइसन बात पर रखत होला, जवन परमेश्वर कबो कहलनिए नइखन।

हम समझत बानी कि हमनी सभ के साथे अइसन होला कि हमनी कवनो अंश पढ़ीं जा आ बाद में भूल जाईं जा कि ऊ कहाँ लिखल रहे। बाकिर अगर रउरा बाइबल के नियमित आ व्यवस्थित रूप से पढ़त बानी, त ओह पद के फेर से खोज लेवे के संभावना कहीं अधिक होला। रउरा अपना खोज के सीमित कर सकत बानी, काहेकि रउरा के याद रहेला कि हाल के दिनन में रउरा बाइबल के कवन-कवन हिस्सा के अध्ययन करत रहनी। आ जइसे-जइसे रउरा नया नियम से अधिक परिचित होत जइब, ओइसहीं-ओइसहीं रउरा के ई सामान्य समझ भी होखे लागी कि कवन पद लगभग कहाँ मिलेला।

"हम मसीही दूरदर्शन पर एगो गवाही सुननी..."

जब जीवन के कठिनाइयन के सामना करत बानी, तब मदद आ राहत पावे खातिर हमरा बहुत सारा कोशिश एह बात पर आधारित होला कि दोसरा कवनो आदमी का अनुभव कइलस,

ना कि एह बात पर कि परमेश्वर खुद अपना वचन में का कहलन। हमनी कवनो आदमी के ई बतावत सुनत बानी कि ऊ अपना कठिन परिस्थिति में का कइलस आ ओकरा से ओकरा के कइसे लाभ मिलल। तब हमनी भी उहे करे लागीं जा। बाकिर ई विश्वास ना ह। हमनी खाली दोसरा आदमी के व्यवहार के नकल करत बानी जा।

गवाही से प्रेरणा लेवल गलत नइखे, बाकिर ऊ कबो ओह विश्वास के जगह ना ले सकेला, जवन परमेश्वर के वचन पढ़ला से पैदा होला।

विश्वास निश्चिन्त आ अटल होला।

जब हमनी बाइबल के वृत्तान्तन के अध्ययन करत बानी जा, तब हम देखत बानी जा कि जिन लोगन के अपना परिस्थिति में परमेश्वर से मदद मिलल, उनकर विश्वास पूरा तरह से दृढ़ रहे। ऊ लोग एह बात के लेके पूरा तरह से आश्वस्त रहस कि परमेश्वर अपना वचन के जरूर पूरा करीहें। उनकर परिस्थिति केतनो अधिक कठिन काहे ना हो गइल होखे, तइयो ऊ लोग कबो डगमगल ना आ ना ही एह बात पर संदेह कइलस कि परमेश्वर उनकर मदद करीहें।

इब्राहीम आ सारा के उहाँ ओह समय बेटा पैदा भइल, जब सारा बाँझ रहली आ दुनो लोग संतान पैदा करे के उमिर से बहुत आगे निकल चुकल रहस। जब हमनी उनकर जीवन के अध्ययन करत बानी जा, त पता चलेला कि प्रभु उनकरा के एगो बेटा देवे के प्रतिज्ञा कइले रहस आ फेर बार-बार ओही प्रतिज्ञा दोहरावत रहलन, जबले कि उनकर विश्वास एतना दृढ़ ना हो गइल कि उनकर मन में कवनो संदेह बाकी ना रहल। परमेश्वर उनकरा खातिर जवन करे के प्रतिज्ञा कइले रहस, ओकरा के जानला से इब्राहीम आ सारा के भीतर अटल भरोसा आ निश्चिन्त विश्वास पैदा भइल।

“अविश्वास भा संदेह ओकरा के (इब्राहीम के) परमेश्वर के प्रतिज्ञा के विषय में ना त डगमगाए दिहलस आ ना ही संदेह करे दिहलस... ऊ एह बात से पूरा तरह आश्वस्त आ निश्चिन्त रहे कि परमेश्वर अपना वचन के पूरा करे आ जवन प्रतिज्ञा कइले बाड़न, ओकरा के करे में सामर्थी बाड़न।” (रोमियों अध्याय 4 पद 20 से 22)

“विश्वास ही के द्वारा सारा, जे इब्राहीम के पत्नी रहली, बुढ़ापा बीत गइला के बादो गर्भ धारण करे के सामर्थ्य पवली, काहेकि जे प्रतिज्ञा कइले रहस, ओकरा के ऊ विश्वासयोग्य, भरोसेमंद आ अपना वचन के सच्चा मानली।” (इब्रानियों अध्याय 11 पद 11)

अक्सर अइसन होला कि मसीही लोग परमेश्वर से मदद के आशा त रखेला, बाकिर उनकरा लगे ऊ दृढ़ विश्वास नइखे होला, जवन एह बात के जाने से पैदा होला कि परमेश्वर उनकर परिस्थिति के बारे में का करे के प्रतिज्ञा कइले बाड़न आ का करे के प्रतिज्ञा नइखन कइले।

प्रभु अपना लिखित वचन के द्वारा तूफानन के बीचो आपन इच्छा, अर्थात् ऊ का करे चाहत बाड़न, प्रकट करेलन। सर्वशक्तिमान परमेश्वर हमरा के ई भरोसा दिलावेलन कि जब हमनी उनकर इच्छा के अनुसार, जइसन बाइबल में प्रकट कइल गइल बा, उनकरा से मदद माँगत बानी जा, तब ऊ हमरा के सुनत बाड़न।

“आ हमरा के उनका सामने ई भरोसा बा कि अगर हमनी उनकर इच्छा के अनुसार कुछो माँगीं, त ऊ हमरा के सुनत बाड़न। आ अगर हमनी ई जानत बानी जा कि ऊ हमरा के सुनत बाड़न, त जवन कुछ हमनी उनकरा से माँगत बानी जा, ओकरा बारे में ईहो जानत बानी जा कि जवन हमनी उनकरा से माँगल बानी जा, ऊ हमरा के मिल गइल बा।” (1 यूहन्ना अध्याय 5 पद 14 आउर 15)।

हालाँकि पवित्रशास्त्र हमरा सभ के हर निजी परिस्थिति के बारे में खास विवरण ना देला, तइयो ई अइसन सामान्य सिद्धांत आ प्रतिज्ञा जरूर देला, जवन हमरा के ई विश्वास दिलावेला कि परमेश्वर कइसन तरह के मदद देवे चाहत बाड़न। परमेश्वर के इच्छा पहिचानल एगो अइसन विषय बा, जवना पर अलग से पूरा किताब लिखल जा सकेला। इहाँ हमार उद्देश्य खाली एतना बतावल बा कि सच्चा आत्मविश्वास एह बात के जानला से पैदा होला कि रउरा के प्रार्थना परमेश्वर के लिखित वचन के अनुरूप बा। बाकिर अगर रउरा ई ना जानत बानी कि बाइबल का कहेली, त रउरा एह बात के लेके निश्चित ना हो सकीं कि रउरा जवन माँगत बानी, ऊ उनकर इच्छा के अनुसार बा कि ना। आ जब जीवन के तूफान प्रचण्ड होके चले लागी, तब रउरा अपना विश्वास में दृढ़ ना रह पइब। ऊ विश्वास जवन तूफानन के सामनो अडिग बनल रहेला, उहे विश्वास होला जवन पूरा तरह से आश्वस्त आ दृढ़ निश्चय वाला होला।

अगर रउरा निश्चित नइखीं, त रउरा विश्वास ना कर सकीं।

कठिन समय में हमरा विश्वास के लगातार परीक्षा होत रहेला। जब कठिन परिस्थिति जल्दी ना बदले, तब हमरा मन में पीड़ा देवे वाला बहुत सारा विचार उठे लागेला—“परमेश्वर अबले हमरा परिस्थिति में काम काहे ना कइलन?” “ई काम काहे नइखे करत?” “हम अइसन कवन गलती करत बानी?”

अक्सर प्रभु के नाम पर बोले वाला बहुत सारा लोग भी सामने आ जाला। ऊ लोग परमेश्वर के इच्छा के बारे में अलग-अलग विचार प्रस्तुत करेला आ बतावेला कि जवाब पावे खातिर हमरा के का करे के चाहीं भा का ना करे के चाहीं। आ अइसन लागेला कि हर आदमी के अपना बात के सही साबित करे खातिर बाइबल के कवनो ना कवनो पद भी मिल जाला। दुख आ पीड़ा से गुजरत लोग निराशा में एह अलग-अलग उपायन के अपनावे के कोशिश करेला, एह आशा में कि शायद एह में से कवनो एगो उपाय ओकरा के परिणाम दे दी।

· "रउरा शैतान खातिर एगो दरवाजा खुलल छोड़ दिहले रहीं, एहसे ऊ रउरा जीवन में घुस आइल। एही कारण से आज रउरा एह परेशानी में बानी!"

· "रउरा परिवार में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलत आवे वाला एगो शाप बा। जबले ओकर पहिचान करके ओकरा के तोड़ल ना जाई, तबले रउरा के छुटकारा ना मिली!"

· "रउरा दशमांश देवे में चूक कइले रहीं आ एह तरह से अपना जीवन में घटी बो दिहनी। अब रउरा उहे काटत बानी जवन बोवले रहीं!"

एह सभ में से सही कवन बा, अगर वास्तव में कवनो सही बा त?

एकर निश्चित जवाब जाने के खाली एगो ही राह बा—खुद बाइबल पढ़ल। रउरा ओह बात पर विश्वास ना कर सकीं, जवना के रउरा जानतिए नइखीं, आ अगर रउरा निश्चित नइखीं, त रउरा भीतर दृढ़ भरोसा भी ना हो सकेला। बाकिर जब हमनी खुद बाइबल पढ़त बानी जा आ जानत बानी जा कि परमेश्वर के वचन वास्तव में का कहेला, तब "हमनी फेर बच्चा ना रहब जा, जे मनुष्य के ठगी आ चालाकी से, उनकरा के भ्रम में डाले वाला उपायन के कारण हर तरह के शिक्षा के हवा से इधर-उधर उछारल आ घुमावल जानी जा।" (इफिसियों अध्याय 4 पद 14)

नया नियम के नियमित आ व्यवस्थित अध्ययन रउरा भीतर प्रभु खातिर अइसन अटल आ अडिग विश्वास पैदा करी, जवना के कवनो परिस्थिति डिगा ना सकी, काहेकि तब रउरा जानीं कि जीवन के तूफानन के बीच परमेश्वर रउरा खातिर का-कतना करे के प्रतिज्ञा कइले बाड़न।

अगिला अध्याय में हम एगो अउरी अइसन महत्वपूर्ण सिद्धांत पर विचार करब, जवन जीवन के परीक्षा में स्थिर बनल रहे खातिर बहुत जरूरी बा। रउरा के ई सीखे के होई कि अपना जीवन यीशु पर नजर टिकवले कइसे जियल जाव, काहेकि उहे रउरा के विश्वास के स्रोत हउवन।

6

यीशु प्रकट कइल गइलन।

जब यीशु एह धरती पर रहस, तब जे लोग उनकरा साथे समय बितवलस, उनकर जीवन पर उनकर बहुत गहिरा असर पड़ल। एकर एगो उदाहरण देखीं।

प्रभु के एह संसार से चल गइल के कुछे समय बाद, उनकर पहिला चेलन में से दू गो, पतरस आ यूहन्ना, यीशु के नाम में एगो लँगड़ा आदमी के चंगा कर दिहलस। (प्रेरितों के काम अध्याय 3 पद 1 से 11) उनकर एह काम से धार्मिक अगुवा लोग बहुत क्रोधित हो गइल आ दुनो के पकड़के रात भर खातिर जेल में डाल दिहलस। अगिला दिन जब ऊ धार्मिक अगुवा लोग उनकरा से पूछताछ कइलस, त ऊ ई देखके अचम्भित रह गइल कि पतरस आ यूहन्ना केतना साहस आ निर्भीकता से जवाब देत रहलन।

"जब ऊ लोग पतरस आ यूहन्ना के साहस देखलस आ ई जान गइल कि ऊ लोग अशिक्षित आ साधारण आदमी ह, त ऊ लोग अचम्भा करे लागल। फेर ऊ लोग पहिचान लिहलस कि ई लोग यीशु के साथे रहल रहे।" (प्रेरितों के काम अध्याय 4 पद 13)।

साढ़े तीन बरिस तक यीशु के साथे रहला से पतरस आ यूहन्ना के भीतर अइसन प्रत्यक्ष आ अटल आत्मविश्वास, अर्थात् दृढ़ विश्वास, पैदा भइल रहे, जेकरा चलते ऊ लोग बहुत कठिन परिस्थिति के सामना करत समयो अडिग बनल रहल। हालाँकि आज यीशु स्वर्ग में बाड़न, तइयो ऊ हमरा जीवन पर ओइसहीं असर डाल सकत बाड़न, जइसन पहिला शताब्दी के ओह लोगन के जीवन पर डालले रहस। हमरा प्रभु ई काम बाइबल के द्वारा, खास करके नया नियम के माध्यम से करेलन, जेकरा के पवित्र आत्मा के प्रेरणा से ओह लोगन लिखल, जे खुद यीशु के साथे जीवन बितवले, उनकरा से बातचीत कइले आ उनकरा साथे चलल-फिरल। एह लोगन में यूहन्ना आ पतरस भी शामिल रहस।

यीशु पर नजर टिकवले राखीं।

विश्वास हमरा के परमेश्वर के वचन के द्वारा मिलेला, काहेकि उहे हमरा के बतावेला कि परमेश्वर कइसन बाड़न आ ऊ कइसन तरीका से काम करेलन। प्रभु यीशु मसीह मानवजाति खातिर खुद परमेश्वर के सभसे साफ आ पूरा प्रकटिकरण हउवन। यीशु के परमेश्वर के वचन, अर्थात् देहधारी वचन कहल गइल बा।

“आदि में वचन रहे, आ वचन परमेश्वर के साथे रहे, आ वचन परमेश्वर रहे… आ वचन देहधारी भइल आ हमरा बीच में निवास कइल।” (यूहन्ना अध्याय 1 पद 1; यूहन्ना अध्याय 1 पद 14)।

“पुरान समय में परमेश्वर हमरा पुरखन से भविष्यवक्ता लोग के द्वारा बहुत बेर आ अलग-अलग तरीका से बात कइलन, बाकिर एह आखिरी दिनन में ऊ अपना बेटा के द्वारा हमरा से बात कइले बाड़न।” (इब्रानियों अध्याय 1 पद 1 आउर 2)।

नया नियम मसीही लोग के ई शिक्षा देला कि ऊ लोग “यीशु पर नजर टिकवले राखो, जे हमरा विश्वास के कर्ता आ सिद्ध करे वाला हउवन।” (इब्रानियों अध्याय 12 पद 2)।

हम पवित्रशास्त्र के पन्नन में यीशु पर आपन नजर स्थिर रखत बानी जा। जीवित वचन, अर्थात् यीशु मसीह, लिखित वचन अर्थात् बाइबल के माध्यम से अपना के हमरा सामने प्रकट करेलन। जब हमनी पवित्रशास्त्र में प्रकट कइल यीशु के देखत बानी जा, तब हमरा हृदय में अइसन अटल विश्वास पैदा होला, जवन हमरा सामने आवे वाला हर चुनौती के सामना कर सकेला।

अगर रउरा नया नियम के अध्ययन नइखी कइले, त रउरा वास्तव में यीशु के देखले नइखीं। एकर मतलब ई ना ह कि रउरा उनका के उद्धारकर्ता के रूप में नइखी जानत। हमार मतलब ई बा कि रउरा उनका के उनकर पूरा रूप में ना जान सकीं आ ना अइसन विश्वास पव सकीं, जवन जीवन के तूफानन में कबो डगमगाए ना। संभव बा कि हमरा के एह बात के एहसासो ना होखे, बाकिर प्रभु के बारे में हमनी जवन कुछ जानत बानी जा, ओकर बहुत बड़ हिस्सा हमरा निजी भावना आ अनुभव पर आधारित होला—ओह समय हम का महसूस करत बानी जा आ अपना परिस्थिति में का देखत बानी जा। जब हमरा के अच्छा महसूस होला आ जीवन में सभ कुछ ठीक चलेला, तब हमरा के परमेश्वर के प्रेम आ उनकर देखभाल पर पूरा भरोसा होला। बाकिर जइसे ही हमरा परिस्थिति आ हमरा भावना बदल जाला, ओइसहीं उनकरा पर हमरा भरोसा भी कमजोर होखे लागेला। बाकिर प्रभु यीशु मसीह खुद के हमरा बदलत भावना आ परिस्थिति के द्वारा प्रकट नइखन करत। ऊ अपना लिखित वचन के द्वारा खुद के प्रकट करेलन। रउरा जेतना अधिक बाइबल पढ़ब, ओतने साफ-साफ यीशु के देखब, उनका के ओतने अधिक जानब, आ रउरा के विश्वास ओतने अधिक दृढ़ होत जाई।

जहाँ बहुत सच्चा मन वाला लोग भूल से अपना विश्वास के नींव अपना आँख से देखल बात आ अपना भावना पर रखेला, उहाँ कुछ दोसरा लोग अलौकिक अनुभव—जइसे सपना, दर्शन आ अइसन आवाज, जिनका के ऊ लोग प्रभु के ओर से मानेला—पर भरोसा करेला। बाइबल साफ-साफ बतावेली कि कबो-कबो परमेश्वर वास्तव में अपना लोगन से अइसन अलौकिक माध्यमन के द्वारा भी बात करेलन। तइयो बाइबल ईहो साफ करेली कि झूठा आ नकली अलौकिक अनुभव भी होला। एहसे हर अलौकिक घटना के जाँच परमेश्वर के लिखित वचन के आधार पर होखे के चाहीं। प्रभु के ओर से आवे वाला कवनो भी असली प्रकटिकरण पवित्रशास्त्र के साथे पूरा तरह से मेल खाई।

अगर रउरा बाइबल से परिचित नइखीं—आ अगर रउरा ओकरा के नियमित रूप से ना पढ़ीं, त वास्तव में परिचित नइखीं—त रउरा लगे ई परखे के क्षमता ना रही कि कवनो अलौकिक अनुभव वास्तव में परमेश्वर के ओर से बा कि ना। बाइबल ही प्रभु परमेश्वर के बारे में हमरा सभ खातिर एगोमात्र पूरा तरह से सही आ पूरा भरोसेमंद प्रकाशना ह। अगर रउरा बाइबल वास्तव में का कहेली, एहसे परिचित नइखीं, त खाली रउरा ऊ विश्वास विकसित ना कर पइब, जवना के जीवन के तूफानन में दृढ़ बनल रहे खातिर रउरा के जरूरत बा, बलुक ई स्थिति रउरा खातिर खतरनाक भी बा, काहेकि तब धोखा में पड़ जाए के संभावना बहुत बढ़ जाला।

धोखा।

यीशु के क्रूस पर चढ़ावल जाए से कुछ समय पहिले, ऊ ओह चिन्हन के बारे में बतवले रहस, जे ई संकेत देई कि उनकर दोसर आगमन नजदीक बा। ओह चिन्हन में से एगो बा धार्मिक धोखा, अर्थात् अइसन झूठा मसीह आ झूठा भविष्यवक्ता लोग, जे नकली चिन्ह आ आश्चर्यकर्म के द्वारा बहुत लोगन के धोखा देई।

“सावधान रहीं कि केहू रउरा के भरमावो मत। काहेकि बहुत लोग हमार नाम से आके कहिहें, ‘मसीह त हम ही बानी,’ आ ऊ बहुत लोगन के भरमइहें।” (मती अध्याय 24 पद 4 आउर 5)

“काहेकि झूठा मसीह आ झूठा भविष्यवक्ता लोग उठ खड़ा होई, आ ऊ लोग बड़-बड़ चिन्ह आ अद्भुत काम देखइहें, ताकि अगर संभव होखे त परमेश्वर के चुनल लोगन के भी भरमा देस। देखीं, हम पहिले ही रउरा के बता दिहले बानी।” (मती अध्याय 24 पद 24 आउर 25)

झूठा मसीह।

मसीह के फेर से आवे के समय संसार के परिस्थिति के बारे में बाइबल बहुत कुछ कहेली। पवित्रशास्त्र एगो अइसन विश्वव्यापी शासन, आर्थिक व्यवस्था आ धार्मिक व्यवस्था के वर्णन

करेला, जेकरा के शैतान से प्रेरित आ ओकर सामर्थ्य से समर्थित एगो आदमी नियंत्रित करी, आ ऊ एह धरती पर बहुत बड़ विनाश ले आई। (प्रकाशितवाक्य अध्याय 13)।

एगो विश्वव्यापी मसीह-विरोधी धर्म एह आखिरी विश्व-शासक के स्वागत करी आ ओकरा के उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करी। उहे आखिरी आ सभसे बड़ झूठा मसीह होई।

ई परिस्थिति अचानक पैदा ना होई। ओकर तैयारी अबहीं से हो रहल बा। हम अइसन समय में जी रहल बानी जा, जब बहुत लोग ई बात के लेके एक-दोसरा से उल्टा बात कहत बा कि यीशु के हउवन आ ऊ एह धरती पर काहे अइलन। आज एगो झूठा विश्व-धर्म बन रहल बा। हालाँकि ई धर्म मूल रूप से सच्चा बाइबल-आधारित मसीही शिक्षा के विरोध में बा, तइयो सुनला में ई मसीही जइसन लागेला, काहेकि ई बाइबल के पदन के इस्तेमाल करेला। बाकिर ओह पदन के ओकर असली प्रसंग से अलग करके आ उनकर गलत अर्थ निकालके प्रस्तुत कइल जाला।

का रउरा नया नियम से एतना परिचित बानी कि अगर केहू यीशु के बारे में कवनो पद के गलत उद्धृत करे भा ओकर गलत इस्तेमाल करे, त रउरा ओकरा के पहिचान सकीं?

मसीही धर्म के ई नया रूप परम्परागत बाइबल-आधारित मसीही विश्वास के तुलना में कहीं अधिक प्रेमपूर्ण आ केहू के न्याय ना करे वाला जइसन दिखाई देला। एकर दावा बा कि रउरा का विश्वास करत बानी आ रउरा के जीवन कइसन बा, ई ओतना महत्वपूर्ण नइखे; सभसे महत्वपूर्ण बात ई बा कि रउरा आत्मिक बानी, ईमानदार बानी आ एगो अच्छा आदमी बने के कोशिश करत बानी।

ई नकली मसीही धर्म समावेशिता आ विविधता पर खास जोर देला। दुख के बात ई बा कि एह शब्दन के अर्थ बदल दिहल गइल बा। अब एकर मतलब अइसन समझल जाए लागल बा कि अगर रउरा कवनो भी विश्वास, विचार भा व्यवहार के कवनो कारण से गलत मानत बानी, त रउरा के संकीर्ण सोच वाला, घृणा करे वाला आ निश्चय ही सच्चा मसीही ना मानल जाई। का रउरा बाइबल के सही ज्ञान के आधार पर अइसन झूठा आरोपन के जवाब देवे में सक्षम बानी आ सच्चा सिद्धांत के रक्षा कर सकीं?

हम अइसन समय में जी रहल बानी जा, जब हमरा संस्कृति लगभग पूरा तरह से पूर्ण सत्य के धारणा के नकार दिहले बा। आजकल लोगन के ई कहत सुनल आम बात बा, “ई रउरा के सच्चाई बा, हमार ना,” भा “हम अपना सच्चाई के अनुसार जिए के कोशिश करत बानी।”

बाकिर वास्तव में “रउरा के सच्चाई” आ “हमार सच्चाई” जइसन कवनो बात ना होला। सत्य वस्तुनिष्ठ होला। वस्तुनिष्ठ के मतलब बा—अइसन बात, जे तथ्य आ वास्तविक परिस्थिति

के निजी भावना, पक्षपात भा अपना-अपना व्याख्या से प्रभावित भइला बिना ओइसहीं प्रस्तुत करे, जइसन ऊ वास्तव में बा।

सत्य हमरा भावना भा विचार पर आधारित ना होला आ ना ही ऊ बदलत बा। दू आ दू चार ही होला, चाहे रउरा ओकरा के मानीं भा ना मानीं, चाहे रउरा के ऊ अच्छा लागे भा ना लागे।

पश्चिमी देशन में हम अइसन बहुत पीढ़ी तैयार कइले बानी जा, जिनका खातिर वस्तुनिष्ठ तथ्य अब अधिक महत्व ना रखेला। उनकरा खातिर सभसे महत्वपूर्ण बात ई बा कि केहू कइसन महसूस करेला। हर बरिस ऑक्सफोर्ड शब्दकोश अइसन एगो अंतरराष्ट्रीय शब्द चुनेला, जे ई देखावेला कि वर्तमान घटना के प्रभाव से भाषा कइसे बदल रहल बा। साल 2016 खातिर चुनल गइल शब्द रहे "पोस्ट-ट्रुथ"। एकर मतलब बा—अइसन परिस्थिति, जहाँ लोगन के राय बनावे में वस्तुनिष्ठ तथ्य के प्रभाव कम हो जाला, जबकि भावनात्मक अपील आ निजी विश्वास अधिक प्रभाव डाले लागेला।

दुख के बात ई बा कि अइसन सोच मसीही समाज में भी घुस आइल बा। बार्ना रिसर्च ग्रुप के ओर से साल 2016 में कइल गइल एगो सर्वेक्षण के अनुसार, अमेरिका में नियमित रूप से मसीही जीवन जिए वाला लोगन में से लगभग 40 प्रतिशत अब पूर्ण सत्य पर विश्वास ना करेला। ऊ लोग अपना विश्वास के नींव एह बात पर रखेला कि ऊ का महसूस करेला।

झूठा चिन्ह, झूठा मसीह आ झूठा शिक्षा से हमरा के बचावे वाला एगोमात्र सुरक्षित साधन बाइबल के सही आ शुद्ध ज्ञान बा। बाइबल हमरा के सत्य देखावेली। सत्य खाली कवनो विचार भा सिद्धांत के नाम ना ह, बलुक ऊ एगो व्यक्ति में प्रकट भइल बा—जीवित वचन, अर्थात् प्रभु यीशु मसीह। आ ई जीवित वचन हमरा के लिखित वचन, अर्थात् परमेश्वर के वचन के द्वारा प्रकट कइल जाला।

खुद यीशु कहलन, "राह, सत्य आ जीवन हम ही बानी।" (यूहन्ना अध्याय 14 पद 6)।

आ अपना पिता से प्रार्थना करत ऊ कहलन, "तोहार वचन सत्य बा।" (यूहन्ना अध्याय 17 पद 17)।

नियमित आ व्यवस्थित रूप से बाइबल के अध्ययन खाली रउरा के असली यीशु के जाने आ उनका के ओइसहीं देखे में मदद ना करेला, जइसन ऊ वास्तव में बाड़न, बलुक ई रउरा के आपन दृष्टि आ ध्यान लगातार उनकरा पर स्थिर रखे में भी मदद करेला।

7

अपना ध्यान स्थिर रखीं।

जीवन के प्रचण्ड तूफान परमेश्वर पर हमरा विश्वास के परीक्षा लेला आ ओकरा पर दबाव डालेला। का रउरा के ऊ घटना याद बा, जब यीशु पतरस के गलील के झील पर अपना लगे आवे खातिर बोलवले रहस, जबकि तेज हवा चलत रहे आ लहर उफान मारत रहे? पतरस अपना मछरी पकड़े वाला नाव से उतरके यीशु के ओर चले लागल। जबले ओकर नजर प्रभु पर लागल रहल, तबले ऊ पानी पर चलत रहल। “बाकिर जब ऊ तेज हवा के देखलस, त ऊ डर गइल आ डूबे लागल।” (मती अध्याय 14 पद 30)।

यीशु अपना दोस्त के बचा लिहलन, बाकिर ओकर संदेह आ अल्पविश्वास खातिर ओकरा के डाँटलो। पतरस यीशु पर विश्वास त करत रहे, बाकिर जब हवा आ लहर ओकरा के बहुत भयानक दिखाई देवे लागल, तब ओकर विश्वास एतना दृढ़ ना रहे कि ऊ प्रभु पर पूरा तरह से भरोसा कर सके। ओकर विश्वास अबहियों ओह स्तर तक विकसित ना भइल रहे कि ऊ तूफान के सामने अडिग रह सके।

हमनी में से बहुत लोग पतरस के जइसन बानी जा। हमनी उत्साह के साथ शुरुआत त करीं जा, बाकिर समय बीते के साथ जवन कुछ हमनी अपना आँख से देखत बानी जा आ अपना भावना में अनुभव करत बानी जा, उहे हमरा ध्यान के हमरा विश्वास के स्रोत से हटा देला, आ तब हमरा मन में संदेह पैदा होखे लागेला। अगर रउरा के जीवन के प्रचण्ड तूफानन के सामने दृढ़ बनल रहे के बा, त रउरा के ई सीखे के होई कि आपन नजर कइसे स्थिर रखल जाव।

रउरा के जड़ गहिरा होखे के चाहीं।

जब यीशु एह धरती पर रहस, तब ऊ आत्मिक सच्चाई के समझावे खातिर अक्सर दृष्टान्त के इस्तेमाल करत रहस। अइसने एगो दृष्टान्त में प्रभु परमेश्वर के वचन के प्रचार के एगो

बोवे वाला आदमी से तुलना कइलन, जे बीज बोवेला। एह दृष्टान्त के द्वारा यीशु साफ कइलन कि परमेश्वर के वचन के प्रति हर आदमी के प्रतिक्रिया ई तय करेला कि ऊ वचन ओकर जीवन में केतना प्रभाव डाली। यीशु ओह लोगन के बारे में कहलन, "ई उहे लोग ह, जे वचन सुनते ओकरा के खुशी से ग्रहण कर लेला। बाकिर उनकर जड़ भीतर गहिरा ना होला, एहसे ऊ लोग थोड़े समय तक ही स्थिर रहेला। बाद में जब वचन के कारण क्लेश भा सताव आवेला, त ऊ तुरन्त ठोकर खा जाला।" (मरकुस अध्याय 4 पद 16 आउर 17)

अगर रउरा के कठिन समय में स्थिर बनल रहे के बा, त रउरा के आत्मिक जड़ गहिरा होखे के चाहीं, ताकि अपना परिस्थिति में जवन कुछ रउरा देखत आ महसूस करत बानी, ओकरा कारण रउरा मुरझा ना जाईं। ई गहिरा जड़ तब विकसित होला, जब रउरा आपन ध्यान यीशु पर केंद्रित रखीं आ ओकरा के लगातार ओही जगह स्थिर रखल सीखी।

परमेश्वर के वचन पर मनन करीं।

मसीही लोग के ई शिक्षा दिहल गइल बा कि ऊ लोग अपना जीवन "यीशु पर नजर टिकवले" जिए। (इब्रानियों अध्याय 12 पद 2)

जवन यूनानी शब्द के अनुवाद "नजर टिकवले" कइल गइल बा, ओकर अर्थ बा ध्यान से विचार कइल।

जब रउरा कवनो बात पर विचार करीं, त रउरा ओकरा बारे में समय लेके गहिराई से सोचीं आ ओकरा के सावधानी से अपना मन में रखीं। दोसरा शब्दन में, रउरा ओकरा पर मनन करीं। मनन करे के मतलब बा कवनो विचार भा सच्चाई पर बार-बार चिंतन कइल, ओकरा के अपना मन में उलटल-पुलटल आ गहिराई से ओकरा पर विचार कइल। इहाँ मनन खातिर जवन यूनानी शब्द इस्तेमाल भइल बा, ओकर अर्थ बा—कवनो बात के अपना मन में बार-बार घुमावत रहला आ ओकरा पर लगातार विचार करत रहला।

ई कवनो तरह के नया युग के अभ्यास ना ह, जवना में रउरा अपना मन में यीशु के कल्पना करीं। हम प्रभु पर एह तरह से मनन करीं जा कि पवित्रशास्त्र के पन्नन में जइसन ऊ प्रकट कइल गइल बाड़न, उनका बारे में समय निकालके गहिराई से विचार करीं जा। हमनी एह बात पर मनन करीं जा कि यीशु का कहलन, का कइलन, उनकर स्वभाव पर विचार करीं जा आ उनकर सामर्थ्य पर ध्यान लगाईं जा। नया नियम के नियमित आ व्यवस्थित अध्ययन एह काम में रउरा के मदद करेला।

लगातार बाइबल पढ़ला से खाली रउरा के पवित्रशास्त्र से अधिक परिचित ना करावेला, जवन धीरे-धीरे यीशु के रउरा सामने अउरी साफ रूप से प्रकट करेला, बलुक ई परमेश्वर के वचन के रउरा मन में भी ताजा रखेला। तब दिन भर के कामन के बीचो रउरा लगे अइसन सच्चाई

होला, जवना पर रउरा मनन कर सकीं, जवना के बारे में सोच सकीं आ जवना पर ध्यान से विचार कर सकीं। धीरे-धीरे रउरा के सोच ओही दृष्टिकोण के अनुसार होखे लागेला, जवना तरह परमेश्वर वास्तव में बातन के देखेलन। रउरा स्वाभाविक रूप से ओइसहीं सोचे लागीं जइसन परमेश्वर अपना वचन में कहेलन।

का कबो अइसन भइल बा कि रउरा कवनो आदमी के साथे बहुत समय बितवले होखीं आ बाद में रउरा के एहसास भइल होखे कि अनजाने में रउरा ओकर कुछ आदत भा व्यवहार अपना लिहले बानी? भा का रउरा ध्यान दिहले बानी कि अगर रात में सुते से पहिले रउरा के आँख के सामने आवे वाला आखिरी दृश्य डरावना भा बेचैन करे वाला होखे, त सुते के कोशिश करत समय बार-बार उहे दृश्य रउरा मन में घूमत रहेला?

मनुष्य के रचना ही अइसन तरह से भइल बा कि जवन बात ऊ बार-बार देखेला आ जवना पर आपन ध्यान केंद्रित करेला, ओकर ओकर जीवन पर प्रभाव पड़ेला। आ अगर रउरा जान-बूझके कवनो बात के अपना ध्यान के केंद्र में बनवले रखे के कोशिश ना करीं, त धीरे-धीरे ऊ रउरा मन से धुँधला होखे लागी आ आखिर में स्मृति से ओझल होखे लागी।

परमेश्वर के इच्छा बा कि हमनी अपना जीवन में ओकर लिखित वचन के द्वारा ओकरा ओर नजर टिकवले रखीं जा आ ओही के द्वारा ओकरा से प्रभावित आ बदलत जाईं जा। जब रउरा बार-बार परमेश्वर के वचन के ओर देखीं—ओकरा के नियमित रूप से पढ़ीं आ ओकरा पर मनन करे के कोशिश करीं—त ओकर रउरा मन पर स्थायी प्रभाव पड़ी। याद रखीं, बाइबल कवनो साधारण किताब ना ह; ई अलौकिक बा। ई रउरा भीतर काम करेली आ रउरा के सामर्थ्य देली, काहेकि ई रउरा के परमेश्वर के भलाई आ उनकर विश्वासयोग्यता के प्रति दृढ़ विश्वास देली। दोसरा शब्दन में, ई रउरा के आत्मिक जीवन के जड़ के गहिरा आ मजबूत बनावेली।

“बस वचन के बार-बार बोलत रहीं!”

एह किताब के सुरुआती अध्यायन में हमनी पुरान नियम के दू गो अइसन अंश पर विचार कइले रहनी जा, जे परमेश्वर के वचन पर मनन करे के कठिन समय में स्थिर बनल रहे से जोड़ेला। पहिला अध्याय में हम उल्लेख कइले रहनी कि दाऊद एगो भजन में ओह विश्वासी के तुलना एगो हरियर-भरियर पेड़ से कइले बाड़न, जे लगातार परमेश्वर के वचन पर मनन करेला। अइसन आदमी के जड़ एतना गहिरा होला कि ऊ ओकरा के तूफान के समय स्थिर बनवले रखेला आ सूखा के दिन में भी ओकरा खातिर पानी हासिल करत रहेला। (भजन संहिता अध्याय 1 पद 1 से 3)

चउथा अध्याय में हम ईहो बतवले रहनी कि प्रभु यहोशू से कहलन कि अगर ऊ पवित्रशास्त्र पर मनन करी, त कनान देश में इस्राएल के अगुवाई करत समय आवे वाला हर चुनौती में ओकरा सफलता मिली। (यहोशू अध्याय 1 पद 8)

एह दुनो जगह पर मनन खातिर जवन इब्रानी शब्द इस्तेमाल भइल बा, ओकर शाब्दिक अर्थ बा धीरे-धीरे बोलल भा बुदबुदावल। बाकिर ओकर भावार्थ बा—कवनो बात पर गहिराई से विचार कइल भा सावधानी से ओकरा पर मनन कइल।

दुर्भाग्य से, काहेकि ओह इब्रानी शब्द के शाब्दिक अर्थ बुदबुदावल बा, एहसे कुछ लोग एह विचार के एगो सूत्र भा तरीका बना दिहले बा। ऊ लोग कहेला कि अगर रउरा सही शब्दन के पर्याप्त बेर दोहरावत रहब, त परमेश्वर जरूर रउरा परिस्थिति बदल दीहें।

बाकिर पवित्रशास्त्र पर मनन करे के मतलब खाली शब्दन के बार-बार बोलत रहना ना ह। मनन के मतलब बा कि रउरा जवन पढ़ले बानी, ओकरा पर तबले गहिराई से विचार करीं, जबले ऊ रउरा सोच आ रउरा के दृष्टिकोण के बदल ना दे। जब रउरा परमेश्वर के वचन पर ध्यान से मनन करीं, तब रउरा भीतर ई दृढ़ विश्वास पैदा होला कि वास्तविकता खाली उहे ना ह, जवन एह समय रउरा आँख के दिखाई देत बा भा रउरा भावना अनुभव करत बानी। ई दृढ़ विश्वास, अर्थात् विश्वास, फेर रउरा बातचीत, रउरा सोच आ कठिन परिस्थिति के प्रति रउरा के प्रतिक्रिया के बदल देला। अइसन एहसे ना होला कि ई कवनो अइसन तकनीक ह, जवना से कवनो खास परिणाम हासिल कइल जा सके, बलुक एहसे होला कि वास्तविकता के प्रति रउरा के दृष्टिकोण ही बदल चुकल होला।

परमेश्वर के वचन पर मनन करे के महत्व हमनी ओह बात से भी समझ सकत बानी जा, जवन प्रेरित पौलुस ओह विश्वासी लोग के लिखले रहस, जे बढ़त आ अत्यन्त कठोर सताव के तूफान के सामना करत रहस। ऊ लोग के याद दिलवलस कि उनकर जीवन में चाहे कुछो होखे, हर परिस्थिति के सामना करे खातिर उनकरा लगे जरूरी सभ कुछ बा, काहेकि सर्वशक्तिमान परमेश्वर उनकरा साथे बाड़न। अपना पाठक लोगन के भीतर दृढ़ विश्वास पैदा करे खातिर पौलुस ओह घोषणा के उल्लेख कइलस, जवन प्रभु ओह समय इस्राएली लोग से कइले रहस, जब पिछिला पीढ़ी असफल हो गइल रहे आ ऊ लोग कनान देश में प्रवेश करे के तैयारी करत रहे। (व्यवस्थाविवरण अध्याय 31 पद 6 से 8) प्रभु उनकरा से प्रतिज्ञा कइले रहस कि ऊ उनकर खातिर युद्ध करीहें आ उनकरा के ना डरे खातिर प्रोत्साहित कइले रहस।

"काहेकि परमेश्वर खुद कहलन, 'हम तोहरा के कबो ना छोड़ब आ ना कबो तोहरा के त्यागब।' एहसे हम पूरा विश्वास के साथ कह सकत बानी जा, 'प्रभु हमार सहायक हउवन; हम ना डेराइब। मनुष्य हमार का बिगाड़ सकेला?'" (इब्रानियों अध्याय 13 पद 5 आउर 6)

हम जवन वाक्यांश के गाढ़ अक्षर में देखवले बानी, ओह पर खास ध्यान दीं।

परमेश्वर कुछ कहलन, ताकि हमनी भी कुछ कह सकीं।

ध्यान दीं कि हमनी जवन कहत बानी जा, ऊ परमेश्वर के मूल वचन के शब्दशः दोहरावल ना होला। ओह आदमी परमेश्वर के वचन पढ़ले बा, ओकरा पर गहिराई से विचार कइले बा, ओकरा पर मनन कइले बा आ आखिर में एगो अइसन दृढ़ निष्कर्ष पर पहुँचले बा, जे ओकर सोच आ ओकर दृष्टिकोण के बदल दिहले बा। एह बदलल दृष्टिकोण ओकर कठिनाइयन के प्रति प्रतिक्रिया के भी बदल दिहले बा।

अब एह नया दृष्टिकोण के कारण ऊ पूरा विश्वास के साथ ई घोषणा कर सकेला कि ऊ ना डेराला, काहेकि ओकरा के पूरा भरोसा बा कि सर्वशक्तिमान परमेश्वर ओकर मदद जरूर करीहें।

नियमित रूप से बाइबल पढ़ल रउरा के ई सीखे में मदद करेला कि अपना विश्वास के स्रोत, अर्थात् यीशु, पर आपन नजर कइसे स्थिर रखल जाव। जइसे-जइसे उनका पर रउरा के भरोसा बढ़ेला, ओइसहीं वास्तविकता के प्रति रउरा के दृष्टिकोण भी बदलल शुरू हो जाला। रउरा के आत्मिक जीवन के जड़ गहिरा होत जाला, जे कठिन समय में भी रउरा के स्थिर बनवले रखे आ संभाल के रखे में सक्षम होला।

“धन्य बा ऊ आदमी जे यहोवा पर भरोसा रखेला, जेकर विश्वास यहोवा ही हउवन। ऊ ओह पेड़ के जइसन होई, जवन पानी के किनारे लगावल गइल होखे आ जेकर जड़ धारा के लगे-लगे फैलत जाला। जब घाम पड़ेला, तबो ऊ ना डेराला, ओकर पत्ता हरियर बनल रहेला। सूखा के बरिस में भी ऊ चिन्ता ना करेला आ फल देवे से कबो ना रुकला।” (यिर्मयाह अध्याय 17 पद 7 आउर 8)।

8

ध्यान भटकावे वाली बात।

बीज बोवे वाला के अपना दृष्टान्त में यीशु एगो अउर किसिम के सुननिहार के जिक्र कइलन, जेकरा खातिर परमेश्वर के वचन बेअसर हो जाला। अइसन सुननिहार "दुनिया के चिन्ता आ बेचैनी, आ एह जमाना के भटकावे वाला बातन के अपना भीतर आवे देला, जे वचन के दबा देला आ ओकर दम घोंट देला, आ ऊ निष्फल हो जाला" (मरकुस अध्याय 4 पद 19)। "चिन्ता" भा "बेचैनी" खातिर इस्तेमाल भइल यूनानी शब्द एगो अइसन शब्द से निकलल बा, जेकर अर्थ बा "अलग-अलग दिशा में खींचल" भा "ध्यान भटकावल।" तरह-तरह के भटकावे वाला बात हमरा खिलाफ उठ खड़ा होले आ हमरा ध्यान हमरा विश्वास के स्रोत—परमेश्वर के वचन, अर्थात् यीशु—से हटा देले। जीवन के तूफानन से सफलतापूर्वक पार होखे खातिर ई जरूरी बा कि हमनी एह भटकावे वाला बातन के पहिचानीं आ उचित तरीका से ओकरा से निपटीं।

रउरा मन में होखे वाला संघर्ष।

सच्चा मसीही लोग जीवन के परीक्षा आ क्लेश के बीच परमेश्वर पर भरोसा करे के पूरा कोशिश करेला। बाकिर उनकर विश्वास खाली ओह आँधी आ लहर से ही चुनौती ना पावेला, जवना के ऊ लोग देख आ महसूस कर सकेला, बलुक ओह विचारन से भी चुनौती पावेला जे लगातार उनकर मन पर हमला करत रहेला। कठिन समय में सबसे बड़ लड़ाई मन के भीतर होला। हमनी के एगो असली दुश्मन बा, जेकरा के चाल मानसिक होला। शैतान परमेश्वर, अपना बारे में आ अपना परिस्थिति के बारे में हमरा मन में झूठा विचार डालेला, ताकि ऊ हमरा से परमेश्वर के वचन, जे बीज ह, छीन ले (मरकुस अध्याय 4 पद 15; इफिसियों अध्याय 6 पद 11 से 12)।

"रउरा एहसे कबो ना निकल पइब। रउरा निकम्मा आ असफल बानी। रउरा साथे जवन हो रहल बा, रउरा ओही के लायक बानी। रउरा बहुते बेर गलती कर चुकल बानी। केहू रउरा के

परवाह ना करेला, यहाँ तक कि परमेश्वर भी ना। रउरा अकेले ही मरब। काहे ना अपना जीवन के समाप्त कर दीं आ एह सभ के अंत कर दीं?"

"केहू अउर के हालत एतना खराब नइखे। रउरा एहसे कहीं बेहतर के लायक बानी। रउरा सभसे बेसी मेहनत करीं, तइयो रउरा हाथ में कुछ ना आवेला। परमेश्वर के सेवा करके रउरा मूर्ख बनत बानी। ई सभ ओकरा के गलती बा। ऊ रउरा साथे अन्याय कइले बा। परमेश्वर के सेवा करे के कवनो फायदा नइखे।"

अगर रउरा एह मानसिक चुनौती के जवाब ना दे सकीं आ अपना मन पर अधिकार ना पा सकीं, त रउरा एह तूफान में स्थिर ना रह पइब। आ अगर रउरा पवित्रशास्त्र से परिचित नइखी, भा अपना परिस्थिति के परमेश्वर के कहल बात के अनुसार जाँच ना सकीं, त रउरा लगे ऊ जवाब ना होई जवना के रउरा जरूरत बा। एह मानसिक संघर्ष में विजय पावे खातिर परमेश्वर के वचन से भली-भाँति परिचित होखल बहुते जरूरी बा। अगर रउरा ना जानत बानी कि परमेश्वर रउरा बारे में आ रउरा परिस्थिति के बारे में का कहेलन, आ अगर रउरा के उनका वचन के पूरा करे में उनका विश्वासयोग्यता पर दृढ़ भरोसा नइखे, त ई भटकावे वाला विचार आ भावना रउरा भीतर बचल-खुचल विश्वास के भी दम घोंट दी।

एह प्रक्रिया के पहिचानीं।

जब हमनी कठिन आ चुनौतीपूर्ण परिस्थिति के सामना करीं जा, तब एगो स्वाभाविक प्रक्रिया शुरू हो जाला। हमनी तूफान के देखीं जा आ ऊ हमरा भावना के उद्वेलित कर देला। हमनी चिन्तित आ डेराइल हो जाईं जा। हमरा मन में विचारन के बाढ़ आ जाला—"हम का करब?" "हम कइसे बचब?" हमनी सभ में ई प्रवृत्ति होला कि एह सवालन के जवाब खाली ओही आधार पर दीं जा, जवन ओह समय हमनी अपना आँख से देखत आ अपना भावना से महसूस करत बानी जा। फेर हमनी अपना भावना आ विचारन के अउरी डरावना विचारन के ओर ले जाए देत बानी जा, जे हमरा भावना के अउरी भड़का देला। जब भावना आ विचार एक-दूसरा के लगातार उकसावत रहेला, तब अपना से कइल जाए वाला हमरा बातचीत अउरी बेढंग आ बिगड़ल होत जाला।

"एह आर्थिक परिस्थिति में हमरा उमिर के आदमी के भला नौकरी कइसे मिली? हमरा के फेर कबो नौकरी ना मिली। हमरा पड़ोसी भी अइसने परिस्थिति में रहे, आ ऊ अपना सभ कुछ गँवा दिहलस!"

"अगर हमार मेहरारू धन के प्रबन्ध करे में एतना लापरवाह ना रहती, त आज हमनी एह हालत में ना रहतीं! ई सभ ओकर गलती बा! आखिर हम ओकरा से बियाह काहे कइनी?"

"अगर हम अपना बिल के भुगतान ना कर पइनी, त हमार घर चल जाई। हमार परिवार के कवनो गली में रहे खातिर मजबूर होखे के पड़ी। फेर हमनी भा त भूख से मरब जा भा ठंड से!"

यीशु अपना एगो अउर शिक्षा में एह बढ़त मानसिक प्रक्रिया के सामना करे के तरीका बतवले, जब ऊ अपना चेलन से कहलन कि जीवन के जरूरतन के बारे में चिन्ता मत करीं (मती अध्याय 6 पद 25 से 34)। प्रभु अपना शिक्षा के शुरुआत एह शब्दन से कइलन, "एहसे हम रउरा से कहत बानी, अपना जीवन के चिन्ता मत करीं कि का खइब, का पीअब, आ ना अपना देह के कि का पहिरब" (मती अध्याय 6 पद 25)। इहाँ "चिन्ता" खातिर उहे यूनानी शब्द इस्तेमाल भइल बा, जवना के इस्तेमाल यीशु बीज बोवे वाला के दृष्टान्त में "भटकावे वाली चिन्ता" खातिर कइले रहस (मरकुस अध्याय 4 पद 19)। दोसरा शब्दन में, हमनी के प्रभु कहत रहस कि अपना परिस्थिति के अपना ध्यान भटकावे मत दीं, आ बार-बार अपना से ई मत पूछत रहीं कि खाना, कपड़ा आ आश्रय रउरा के कहाँ से मिली। ऊ अपना सुननिहारन से आकाश के चिरई आ मैदान के फूलन पर ध्यान देवे खातिर कहलन, जे खाना पावेला आ जेकर श्रृंगार होला, काहेकि परमेश्वर उनकर देखभाल करेलन। यीशु अपना सुननिहारन के याद करववलन कि सर्वशक्तिमान परमेश्वर के नजर में उनकर मूल्य चिरई आ फूलन से कहीं अधिक बा।

एह उदाहरण के द्वारा यीशु हमरा के ओह भटकावे वाला बातन से निपटे के विषय में बहुत व्यावहारिक शिक्षा देत बाड़न, जे वचन रूपी बीज के नष्ट कर देला। जब रउरा अभाव के सामना करत बानी, चिन्तित बानी, आ रउरा मन में विचारन के बाढ़ आवे लागेला, तब रउरा के अपना निश्चय के इस्तेमाल करके आपन ध्यान फेर से ओह सच्चाई पर लगावे के होई, जइसन परमेश्वर ओकरा के देखेलन। जवन कुछ रउरा देखत आ अनुभव करत बानी, ओही पर ध्यान देवे आ ओही के चर्चा करे के जगह, अपना प्रेमी पिता के बारे में अपना से बात करे के शुरू करीं। अपना के याद दिआई कि जइसे ऊ फूलन आ चिरईयन के देखभाल करेलन, ओइसहीं ऊ रउरा के भी देखभाल करीहें। अभाव के तूफान के बीच ई पूछल अनुचित नइखे कि जरूरतन के पूर्ति कहाँ से होई। बाकिर अगर रउरा ओह विचार पर मनन करीं, त रउरा लगे परमेश्वर के वचन के अनुसार ओकर जवाब भी होखे के चाहीं। यीशु हमरा के ओकर सही जवाब देत बाड़न—तहार स्वर्गीय पिता तोहार सहायता करीहें।

यीशु संकट के समाधान खातिर कवनो अइसन सूत्र ना देत रहस कि खाली कुछ खास शब्द बोलल बन्द कर दीं आ कुछ दोसरा शब्द बोले लागीं, त रउरा समस्या खत्म हो जाई। एकर कवनो विधि भा तकनीक से सम्बन्ध नइखे। एकर सम्बन्ध वास्तविकता के बारे में आपन समझ बदलला आ अपना परिस्थिति के ओइसहीं देखे सीखे से बा, जइसन ऊ वास्तव में बा। वास्तविकता ई बा कि सर्वशक्तिमान परमेश्वर, जे रउरा पिता भी हउवन, रउरा साथे बाड़न आ

रउरा पक्ष में बाड़न। आ ऊ रउरा के एह तूफान के पार ले जइहें, जबले ई समाप्त ना हो जाई।

अपना मन के वश में राखीं।

रउरा अपना विचारन के बेकाबू छोड़ ना सकीं। रउरा के अपना मन के वश में रखल सीखे के होई। जब हम कहत बानी कि अपना विचारन पर नियन्त्रण रखीं, त हमार मतलब ई नइखे कि रउरा मन में फेर कबो कवनो नकारात्मक भा संदेह से भरल विचार ना आई। हमार मतलब ई बा कि रउरा ओह विचारन के पहिचानल सीखी, जे परमेश्वर के वचन के विरोध करेला, आ ई जानीं कि परमेश्वर जवन कहेलन, ओकर अनुसार ओकर जवाब कइसे दिहल जाव। एही कारण से पवित्रशास्त्र के नियमित अध्ययन करे वाला बनल एतना जरूरी बा। रउरा अपना विचारन पर खाली ओही बात के द्वारा नियन्त्रण रख सकीं, जवन पहिले से रउरा मन में भरल बा। अगर रउरा पवित्रशास्त्र के नियमित अध्ययन के द्वारा अपना मन के परमेश्वर के वचन से भरपूर नइखी कइले, त एह मानसिक संघर्ष में रउरा हार जइब।

जब कठिनाई आवेला आ देखल बात, भावना आ विचलित करे वाला विचारन के ऊ प्रक्रिया शुरू हो जाला, तब रउरा के ई फैसला करे के होई कि रउरा आपन ध्यान फेर से परमेश्वर आ उनका वचन पर केंद्रित करब। एही बात के यीशु के मतलब रहे, जब ऊ अपना अनुयायी लोग के चिरई आ फूलन पर ध्यान देवे के शिक्षा दिहलन। अपना ध्यान फेर से ओह वास्तविकता पर लगाईं, जइसन ऊ वास्तव में बा। रउरा एगो स्वर्गीय पिता के संतान बानी, जे अपना लोगन के देखभाल करेलन।

रउरा के एगो 'एस.ओ.एस.' के जरूरत बा।

हम लोगन के प्रोत्साहित करेली कि उनकरा लगे एगो एस.ओ.एस. होखे, अर्थात् अइसन वाक्य, जे उनकर उद्धारकर्ता पर नजर के फेर से स्थिर कर देवे आ उनकर ध्यान वास्तविकता के ओर वापस ले आवे। हम खुद पवित्रशास्त्र के अनगिनत पद जानीं आ उनका के उद्धृत भी कर सकेनी। बाकिर रउरा के जइसन हमहूँ जानेली कि विनाशकारी खबर सुनल आ अचानक कवनो अइसन परिस्थिति के सामना कइल कइसन होला, जे असम्भव लागेला। हमहूँ भावना के भँवर आ बेकाबू विचारन के अनुभव कइले बानी। अइसन समय में हमार एस.ओ.एस. वाक्य ई होला—"प्रभु के स्तुति होखे, ई परिस्थिति परमेश्वर से बड़ ना ह।"

हम ई बात आनन्द के भावनात्मक अभिव्यक्ति के रूप में ना कहेली। बलुक हम परमेश्वर के महानता के स्वीकार करेली। ई वाक्य परमेश्वर के वचन के विरुद्ध कवनो बात हमरा मुँह से निकले से रोकेला, हमरा मन पर अधिकार करे से रोकेला, आ हमरा कामन के नियन्त्रण करे से रोकेला।

आत्मा के तलवार।

हमनी सभे के मन आ भावना के स्वभाव में कुछ ना कुछ कमजोरी होला। हमनी के जन्म एगो पतित संसार में भइल बा, हमरा पालन-पोषण त्रुटिपूर्ण मनुष्यन के द्वारा भइल बा, आ जीवन के बहुत सारा अनुभव हमरा के नकारात्मक रूप से भी प्रभावित कइले बा। ई सभ बात मिलके हमरा व्यक्तित्व के अच्छा आ खराब, दुनो तरह से आकार दिहले बा। एकर परिणाम ई भइल कि हमनी सभे के प्राण, अर्थात् मन आ भावना में अइसन कमजोरी बा, जे कठिन समय में जीवन के अउरी कठिन बना सकेला। ई कमजोरी एह बात पर असर डालेले कि हमनी जीवन के घटनन के कइसे समझीं जा आ ओकर जवाब कइसे दीं जा। अगर बचपन से विकसित कुछ विचारधारा के कारण रउरा अपना के असफल समझत बानी, त रउरा हर चुनौती के सामना ओही मानसिक आ भावनात्मक दृष्टिकोण से करब। ई पहिले से बनल धारणा, ई अस्वस्थ, आत्म-विनाशकारी आ हानिकारक विचारधारा, तूफान के बीच हमरा के खास तरह के झूठ आ भ्रामक बातन के प्रति अउरी संवेदनशील बना देली। पवित्रशास्त्र के नियमित अध्ययन रउरा के एह झूठ के पहिचाने आ ओकरा के अस्वीकार करे में सहायता करेला।

एह विषय पर गहिराई से चर्चा करे खातिर एगो अउरी किताब के जरूरत पड़ी। बाकिर अभी के विषय खातिर मुख्य बात ई बा: पवित्रशास्त्र एगो अलौकिक किताब बा। जे लोग एकर नियमित अध्ययन करेला, उनकर भीतर ई काम करेला आ बदलाव ले आवेला। अगर रउरा पवित्रशास्त्र के नियमित अध्ययन करे वाला बन जइब, त परमेश्वर के वचन रउरा स्वभाव के ओह कमियन के सामने ले आई, जेकरा से रउरा खुद भी अनजान बानी, बाकिर जेकर सामना कइल जरूरी बा। पवित्रशास्त्र रउरा के ओह झूठ आ भ्रामक बातन के पहिचाने में भी मदद करी, जे रउरा मन में अस्वस्थ विचारधारा पैदा करेली। पवित्रशास्त्र उहे खास साधन बा, जवना के पवित्र आत्मा हमरा चरित्र के गढ़े आ सँवारे खातिर इस्तेमाल करेला। परमेश्वर के वचन ओकर तलवार बा (इफिसियों अध्याय 6 पद 17)।

“काहेकि परमेश्वर के वचन जीवित आ प्रभावशाली बा, आ हर दूधारी तलवार से भी अधिक तेज बा। ऊ प्राण आ आत्मा, गाँठ-गाँठ आ गूदे-गूदे के अलग करत आर-पार छेद देला, आ मन के भावना आ विचारन के परखेला।” (इब्रानियों अध्याय 4 पद 12)।

“आ हमनी सभे, जे अनावृत्त चेहरा से प्रभु के तेज के दर्पण में प्रतिबिम्ब जइसन देखत बानी जा, प्रभु के द्वारा, जे आत्मा हउवन, ओही तेजस्वी स्वरूप में अंश-अंश करके बदलत जात बानी जा।” (2 कुरिन्थियों अध्याय 3 पद 18)।

यीशु के उदाहरण के अनुसरण करीं।

जब परमेश्वर के वचन हमरा भीतर लगातार बदलाव पैदा करेला, तब हमरा प्रतिक्रिया अउरी-अउरी मसीह के समान होत जाला। स्वर्गीय पिता के साथ परमेश्वर के पुत्र आ पुत्री कइसे सम्बन्ध रखेला, एकर सभसे बढ़िया उदाहरण यीशु हउवन। का रउरा ऊ दोसरा घटना याद बा, जब यीशु आ उनका चेला लोग गलील के झील पार करत समय एगो भयंकर तूफान में फँस गइल रहे? नाव में पानी भरत जात रहे आ ओकर डूब जाए के खतरा रहे। नाव में मौजूद लोग डर गइल रहे, बाकिर यीशु तनिको विचलित ना भइलन। ऊ जानत रहस कि उनका स्वर्गीय पिता उनका साथे बाड़न, आ अपना पिता के नाम में ओह प्राणघातक तूफान के शान्त करे के अधिकार उनका के मिलल बा। एहसे ऊ तूफान के शान्त हो जाए के आज्ञा दिहलन (मरकुस अध्याय 4 पद 35 से 41)। अगर रउरा भी जीवन के परिस्थिति के ओही तरह सामना करे सीखी जइब जइसन यीशु कइले रहस, त कवनो तूफान रउरा के हरा ना पाई।

जब आँधी चलेला आ समुद्र उफान मारेला, तब हमरा के ई फैसला करे के पड़ेला कि हमनी "आपन नजर ओह सभ बातन से हटा के, जे ध्यान भटकावेला, यीशु पर लगवले राखीं, जे हमरा विश्वास के कर्ता आ सिद्ध करे वाला हउवन" (इब्रानियों अध्याय 12 पद 2)।

हमनी भटकावे वाला विचार आ भावना के इनकार ना करीं जा, आ ना ही अइसन दिखावा करीं जा कि कवनो तूफान बा ही ना। एकरा उलट, हमनी ई पहिचानीं जा कि हमरा परिस्थिति खाली ओतने नइखे, जेतना हमनी अपना आँख से देखत आ अपना भावना से अनुभव करत बानी जा। परमेश्वर, जे हमरा पिता हउवन, हमरा साथे बाड़न आ हमरा पक्ष में बाड़न। जबले तूफान टल ना जाई, ऊ हमरा के सँभाल के रखीहें; आ जबले ऊ हमरा के ओकरा से बाहर ना निकाल दीहें, तबले ऊ हमरा के ओकर बीच से सुरक्षित ले चलत रहीहें। तूफान समाप्त होखे तक उहे हमरा के स्थिर आ सुरक्षित बनवले रखीहें।

पवित्रशास्त्र के नियमित अध्ययन रउरा के परिस्थिति के ओइसहीं देखे में मदद करेला, जइसन ऊ वास्तव में बा। ई रउरा के ओह मानसिक आ भावनात्मक चुनौती के सामना करे लायक बनावेला, जे एह जीवन के कहीं अधिक कठिन बना सकेला। एक बेर फेर, जीवन के परीक्षा में स्थिर बनल रहे आ ओकरा पर जय पावे के आधार पवित्रशास्त्र के नियमित अध्ययन ही बा।

9

रउरा लगे आशा जरूर होखे के चाहीं।

जीवन के कठिनाई से सुरक्षित निकल जाए खातिर एगो अउर बात बहुत जरूरी बा। रउरा भीतर आशा होखे के चाहीं—अइसन दृढ़ अपेक्षा कि आवे वाला दिन अउरी उज्ज्वल होई। अगर रउरा लगे आशा ना होई, त तूफान के अन्त होखे तक रउरा स्थिर ना रह पइब। आशा एगो अइसन लंगर जइसन बा, जे रउरा के मजबूती से स्थिर रखेला, चाहे रउरा खिलाफ उठल शक्तियन केतनो प्रबल काहे ना होखे (इब्रानियों अध्याय 6 पद 18 से 19)। ई आशा हमरा के परमेश्वर के लिखित वचन के द्वारा मिलेला। जइसे भजनकार लिखले बाड़न, "तोहार वचन ही हमार आशा के एकमात्र स्रोत ह" (भजन संहिता अध्याय 119 पद 114)।

पवित्रशास्त्र हमरा हृदय में आशा पैदा करेला, काहेकि ई ओह परमेश्वर के प्रकट करेला जेकरा खातिर कवनो बाधा एतना बड़ नइखे आ कवनो तूफान एतना भयंकर नइखे कि ऊ ओकर सामना ना कर सकसु। उनका खातिर कवनो अइसन परिस्थिति नइखे जे असम्भव होखे, आ ना कवनो अइसन समस्या बा जेकर समाधान ना हो सके। पवित्रशास्त्र हमरा के देखावेला कि परमेश्वर खाली सामर्थी ही ना हउवन, बलुक अपना लोग के सहायता करे खातिर पूरा तरह से इच्छुक भी हउवन। जे लोग एह सर्वशक्तिमान आ सर्वज्ञ परमेश्वर के सेवा करेला, ओकरा खातिर निराशाजनक परिस्थिति जइसन कवनो बात ना होला। हर नुकसान, हर कठिनाई आ हर पीड़ा अस्थायी बा, आ उनका सामर्थ्य से बदलल जा सकेला—चाहे एह जीवन में होखे भा आवे वाला जीवन में।

एगो टूटल संसार में आशा।

पवित्रशास्त्र के आधा से अधिक हिस्सा इतिहास बा। ई ओह असली लोगन के विवरण बा, जे अत्यन्त कठिन परिस्थिति के बीच परमेश्वर से वास्तविक सहायता पवले। एह घटना के एह उद्देश्य से भी लिखल गइल कि हमरा भीतर ई आशा पैदा होखे कि जइसे प्रभु ओह स्त्री-पुरुष लोग के सहायता कइलन, ओइसहीं ऊ हमनी के भी सहायता करीहें। "जवन कुछ पहिले

लिखल गइल, ऊ हमरा शिक्षा खातिर लिखल गइल, ताकि हमनी धीरज आ पवित्रशास्त्र से मिले वाला प्रोत्साहन के द्वारा आशा रखीं" (रोमियों अध्याय 15 पद 4)।

अइसन एगो आदमी के उदाहरण पर विचार करीं, जे अपना कठिन परिस्थिति के बदलत देखलस—कुछ एह जीवन में आ कुछ एह जीवन के बाद। लगभग तीन हजार बरिस पहिले इस्राएल पर राज करे वाला दाऊद बहुत बड़-बड़ विपत्ति के सामना कइले रहस। ओकर जीवन के सुरुआते में परमेश्वर ओकरा से प्रतिज्ञा कइले रहस कि ऊ राजा बनी। बाकिर सिंहासन पर बइठे से पहिले दाऊद के बहुत बरिस तक अइसन दुश्मनन के हमला सहल पड़ल, जे ओकरा के नष्ट कर देवे चाहत रहस। तइयो प्रभु परमेश्वर ओकरा के छुड़वलन आ ओकरा से कइल आपन प्रतिज्ञा पूरा कइलन। तूफान के पार पहुँचला के बाद दाऊद कह सकल कि कठिन समय में परमेश्वर पर ओकर आशा ही ओकरा के सँभाल के रखले रहे। ऊ लिखलस:

"अगर हमरा ई विश्वास ना रहित कि जीवित लोगन के धरती पर हम यहोवा के भलाई देखब, त हमार का होत? यहोवा के बाट जोह। हिम्मत बाँध आ तोहार हृदय दृढ़ रहे। हँ, यहोवा के ही बाट जोह।" (भजन संहिता अध्याय 27 पद 13 से 14)।

बाद में अपना जीवन में दाऊद अपना एगो बेटा के मृत्यु के दुःख भी सहलस। तइयो एह हृदयविदारक नुकसान के बीच ओकर आशा बनल रहल, काहेकि ओकरा मालूम रहे कि ई वियोग स्थायी ना ह। ऊ एगो दिन अपना बेटा से फेर मिली। "जबले बालक जियत रहे, तबले हम उपवास कइनी आ रोवत रहीं, काहेकि हम सोचनी, 'का पता यहोवा हमरा पर अनुग्रह करसु आ बालक जियत रहो।' बाकिर अब ऊ मर गइल बा; फेर हम काहे उपवास करीं? का हम ओकरा के फेर वापस ले आव सकीं? हम एगो दिन ओकरा लगे जइब, बाकिर ऊ हमरा लगे वापस ना आई।" (2 शमूएल अध्याय 12 पद 22 से 23)।

अनन्तकालीन दृष्टिकोण।

हमरा आशा के व्यापकता के पूरा तरह से समझे खातिर जरूरी बा कि हमरा लगे अनन्तकालीन दृष्टिकोण होखे। अनन्तकालीन दृष्टिकोण ई स्वीकार करेला कि जीवन खाली एह वर्तमान जीवन तक सीमित नइखे। जब कवनो मनुष्य मर जाला, त ओकर अस्तित्व समाप्त ना हो जाला, आ हमरा अस्तित्व के अउरी महान आ श्रेष्ठ हिस्सा एह जीवन के बाद बा। एह जीवन के कठिनाई ओह महिमा के तुलना में कुछुओ नइखे, जे हमरा सामने बा। महान प्रेरित पौलुस, जे अपना मृत्यु से बहुत बरिस पहिले स्वर्ग के दर्शन कइले रहस, लिखलस: "हमरा विचार में एह समय के दुःख ओह महिमा के तुलना में कुछुओ नइखे, जे हमरा पर प्रकट होखे वाला बा।" (रोमियों अध्याय 8 पद 18)। पौलुस अपना अनेक कठिनाई के क्षणिक आ हल्का समझ सकेलस, काहेकि ऊ ओकरा के अनन्तकाल के दृष्टिकोण से देखत रहे। "काहेकि हमरा ई क्षण भर के हल्का-सा क्लेश हमरा खातिर बहुत महान आ अनन्त

महिमा पैदा करत जात बा, जेकर तुलना में ई कहीं अधिक बा।” (2 कुरिन्थियों अध्याय 4 पद 17)। एही दृष्टिकोण पौलुस के अइसन आशा दिहलस, जे ओकर सामने आवे वाला हर विपत्ति में ओकरा के स्थिर रखलस। ओकरा मालूम रहे कि “प्रभु हमरा के हर बुरा आक्रमण से छुड़इहें आ अपना स्वर्गीय राज्य में सुरक्षित पहुँचा दीहें।” (2 तीमुथियुस अध्याय 4 पद 18)

पौलुस समझ गइल रहे कि आवे वाला जीवन के तुलना में एह जीवन भर के दुःख भी बहुत तुच्छ बा। आज स्वर्ग में मौजूद कवनो आदमी, खुद पौलुस समेत, एह कठिन जीवन के यात्रा के दौरान सहल गइल कष्ट के कारण आँसू ना बहावेला।

प्रेरित ईहो समझत रहे कि पाप से क्षतिग्रस्त एह संसार में परमेश्वर जीवन के कठिनाई के इस्तेमाल अपना अनन्त उद्देश्य पूरा करे खातिर करेलन। आ हमरा जीवन में जवन कुछ भी घटित होला, ओकरा में से भी ऊ वास्तविक भलाई पैदा कर सकेलन (रोमियों अध्याय 8 पद 28; उत्पत्ति अध्याय 50 पद 20)।

जब हमनी मरब जा, ओकरा बाद हमरा खातिर का इंतजार करत बा, एह विषय पर विस्तार से अध्ययन खातिर हमार किताब “सृष्टि के श्रेष्ठ आना अभी बाकी बा—बाइबल स्वर्ग के बारे में का कहेला—” पढ़ीं। आ ई अउरी गहिराई से समझे खातिर कि परमेश्वर जीवन के कठिनाई के इस्तेमाल कइसे अनन्तकालीन परिणाम पैदा करे खातिर करेलन, हमार किताब “अइसन काहे भइल? परमेश्वर का करत बाड़न?” पढ़ीं।

अदृश्य वास्तविकता।

पौलुस जीवन के परीक्षा के आशा के साथ सामना कर सकल, काहेकि ऊ खाली ओही बातन तक सीमित ना रहत रहे जे दिखाई देत रहे। अपना बहुत सारा कठिनाई के क्षणिक आ हल्का कहला के तुरन्त बाद ऊ लिखलस: “एहसे हमनी आपन नजर देखल चीज पर ना, बलुक अनदेखल चीज पर टिकवले रखत बानी जा; काहेकि देखल चीज थोड़े समय खातिर बा, बाकिर अनदेखल चीज अनन्तकाल तक बनल रहेला।” (2 कुरिन्थियों अध्याय 4 पद 18)। पौलुस के एह कथन में जवन यूनानी शब्द के अनुवाद “नजर टिकवले रखत” कइल गइल बा, ओकर अर्थ बा मन के कवनो बात पर केन्द्रित कइल भा ओकरा पर गम्भीरता से विचार कइल। रउरा आ हमरा जइसन पौलुस के भी ई फैसला करे के पड़त रहे कि ऊ आपन ध्यान ओह चीज पर लगाई, जेकरा के ऊ अपना आँख से ना देख सकत रहे—सर्वशक्तिमान परमेश्वर, जे ओकरा साथे रहस आ ओकरा पक्ष में रहस। ओकरा के अपना मन के एह सच्चाई पर स्थिर रखे के पड़त रहे कि सहायता आ छुटकारा खाली एह जीवन में ही नइखे, बलुक एह जीवन के बाद पुनर्स्थापना आ प्रतिफल भी बा।

पवित्रशास्त्र परमेश्वर, उनका सामर्थ्य आ उनका प्रबन्ध के राज्य के ओह अद्दश्य वास्तविकता के प्रकट करेला—अइसन राज्य के, जे एह वर्तमान जीवन पर प्रभाव डाल सकेला आ वास्तव में डालेले भी, आ जब हमनी आपन आखिरी साँस लीं जा, तब उहे हमरा के अपना भीतर ग्रहण करी। ई प्रकाशन हमरा भीतर अइसन आशा पैदा करेला, जे हमरा के जीवन के तूफानन में स्थिर रहे के योग्य बनावेला। हालाँकि रउरा अपना आँख से परमेश्वर के ना देख सकीं, तइयो रउरा जानत बानी कि ऊ रउरा साथे बाड़न, रउरा पक्ष में बाड़न, आ एह जीवन में रउरा के सहायता करीहें। आ हालाँकि आवे वाला जीवन के आनन्द रउरा अबले अपना आँख से ना देखले बानी, तइयो आगे जवन रउरा इंतजार में बा, ओकर ज्ञान रउरा के ओह समय तक सँभाल के रखेला।

आपन दृष्टिकोण बदलीं।

पवित्रशास्त्र के नियमित अध्ययन रउरा अपना परिस्थिति के देखे के तरीका बदल देला। परमेश्वर के वचन रउरा के जीवन के परीक्षा के सही दृष्टिकोण से देखे के सिखावेला। अनन्तकाल के तुलना में रउरा वर्तमान कठिनाई एतना बड़ ना लागे। तब रउरा समझे लागीं कि अनन्तकाल में पहुँचला के बाद रउरा के ओह बातन के चिन्ता ना रही, जवना के सामना रउरा अब करत बानी। हालाँकि ई दृष्टिकोण रउरा वर्तमान पीड़ा के समाप्त ना करेला, तइयो ई रउरा भावनात्मक बोझ के हल्का कर देला, काहेकि रउरा जानत बानी कि आगे प्रतिफल, पुनर्स्थापना आ फेर से मिलन रउरा के इंतजार में बा। आ इहे रउरा के आशा देला।

रउरा चाहे कवनो भी परिस्थिति से होकर काहे ना गुजरत होखीं, ऊ निराशाजनक स्थिति ना ह, काहेकि रउरा ओह परमेश्वर के सेवा करीं जे सभ बात के ठीक करेलन—कुछ एह जीवन में आ कुछ आवे वाला जीवन में। रउरा आशा के परमेश्वर के सेवा करीं।

“आशा के परमेश्वर विश्वास करे के कारण रउरा के पूरा आनन्द आ शान्ति से भर देसु, ताकि पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से रउरा आशा में भरपूर होत जाईं।” (रोमियों अध्याय 15 पद 13)।

10

तूफान के बीच आनन्द आ शान्ति।

आइं अब ओह पद पर अउरी ध्यान से विचार करीं, जवना के पिछिला अध्याय के अन्त में बतावल गइल रहे: “आशा के परमेश्वर विश्वास करे के कारण रउरा के पूरा आनन्द आ शान्ति से भर देसु, ताकि रउरा पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से आशा में भरपूर होत जाईं।” (रोमियों अध्याय 15 पद 13)। कठिन समय में स्थिर बनल रहे खातिर शान्ति आ आनन्द के भी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका बा। आ आशा के जइसहीं, एह दुनो के भी परमेश्वर के वचन से मिले वाला ज्ञान से सीधा सम्बन्ध बा।

बहुत कठिन परिस्थिति के बीच आनन्द आ शान्ति के अनुभव कइल खाली कुछ खास भावना रखे के नाम ना ह। भावना हमरा चारो ओर होखे वाला घटना के अनुसार आवत-जावत रहेला। अगर रउरा कवनो डरावना बात देखीं, त रउरा के डर महसूस होई। जब ऊ संकट टल जाई, त रउरा के राहत महसूस होई। अइसन भावनात्मक प्रतिक्रिया स्वाभाविक भी बा आ उचित भी। बाकिर जब कवनो लमहर परीक्षा के दौरान डर, चिन्ता आ मानसिक पीड़ा लगातार बनल रहेला, तब रउरा के अइसन गहिरा सामर्थ्य के जरूरत होला, जे रउरा के तबले सँभाल के राखे, जबले रउरा के हालत बेहतर ना हो जाव। ऊ सामर्थ्य आशा के परमेश्वर से मिले वाला शान्ति आ आनन्द ह।

परमेश्वर के वचन से मिले वाला शान्ति।

एह टूटल संसार में कठिनाई से बचे के सम्भव नइखे। खुद यीशु कहलन, “संसार में रउरा के क्लेश, परीक्षा, संकट आ निराशा सहल पड़ी।” (यूहन्ना अध्याय 16 पद 33)। ध्यान दीं कि जीवन के अनिवार्य कठिनाई के बारे में कहे से पहिले ऊ का कहलन: “हम ई सभ बात रउरा से एहसे कहलनी कि हमरा में रउरा के पूरा शान्ति आ भरोसा मिले।” (यूहन्ना अध्याय 16 पद 33)। प्रभु यीशु ई बात अपना क्रूस पर चढ़ावल जाए से एगो रात पहिले कहलन। ऊ

अभी-अभी अपना चेलन के ई बतावे खातिर एगो लमहर शिक्षा पूरा कइले रहस कि बहुत जल्दी ऊ उनकरा के छोड़ के चल जइहें।

इहाँ जगह के सीमा के कारण यीशु कहल सभ बात पर विस्तार से चर्चा कइल सम्भव नइखे। बाकिर एह किताब के विषय से जुड़ल एगो बात पर ध्यान दीं: यीशु अपना चेलन से एहसे बात कइलन कि उनकरा के शान्ति देसु। आ हालाँकि यीशु दू हजार बरिस पहिले स्वर्ग लौट गइलन, तइयो ऊ आजो अपना अनुयायी लोग के अपना लिखित वचन के द्वारा शान्ति देत बाड़न। याद रखीं, जीवित वचन पवित्रशास्त्र के पन्नन के माध्यम से अपना के—आपन स्वभाव, आपन सामर्थ्य, आपन योजना आ आपन व्यवस्था—हमनी पर प्रकट करेला।

मन के शान्ति।

यीशु जवन शान्ति देत बाड़न, ऊ मन के शान्ति ह, अर्थात् अइसन परेशान करे वाला आ मन पर बोझ डाले वाला विचार आ भावना से आजादी। जीवन के परिस्थिति अइसन परेशान करे वाला विचार आ दुखद भावना पैदा करेला, जे कबो-कबो खुद कठिनाई जेतने कष्टदायक हो सकेला। मन के शान्ति एह मानसिक पीड़ा से पैदा होखे वाला दबाव के कम कर देला। “जब हमरा मन में चिन्ता के बहुतायत रहे, तब तोहार शान्ति देवे वाला सांत्वना हमरा प्राण के आनन्दित आ प्रसन्न कइलस।” (भजन संहिता अध्याय 94 पद 19)। इहाँ जवन इब्रानी शब्द के अनुवाद “शान्ति देवे वाला सांत्वना” कइल गइल बा, ओकर अर्थ बा “करुणा” आ “सान्त्वना”, अर्थात् अइसन सान्त्वना जे दुःख आ चिन्ता के हल्का कर देला।

सर्वशक्तिमान परमेश्वर अपना पवित्र आत्मा के द्वारा, अपना वचन के माध्यम से हमरा के सान्त्वना देलन। पवित्रशास्त्र हमरा मन के ई विश्वास दिला के शान्ति देला कि हर पीड़ा आ हर नुकसान अस्थायी बा, आ सभ कुछ ठीक कर दिहल जाई—कुछ एह जीवन में आ कुछ आवे वाला जीवन में। ई दृष्टिकोण रउरा वर्तमान पीड़ा के समाप्त ना करेला, बाकिर ई रउरा के आशा देला आ रउरा मानसिक आ भावनात्मक बोझ के हल्का कर देला।

अपना लोग खातिर प्रभु के प्रतिज्ञा मन के शान्ति ह। बाकिर ई प्रतिज्ञा एगो शर्त पर आधारित बा। रउरा के अपना मन उनका पर लगावे आ ओही पर स्थिर रखे के बा। “जेकर मन तोहरा पर स्थिर बा, ओकरा के तू पूरा शान्ति में राखब, काहेकि ऊ तोहरा पर भरोसा रखेला।” (यशायाह अध्याय 26 पद 3)।

अबले हमनी जवन बातन पर विचार कइले बानी, ओकरा के मत भुलाईं। रउरा परमेश्वर के लिखित वचन के द्वारा आपन ध्यान उनका पर स्थिर रखीं। अगर रउरा ना जानीं कि उनका वचन में का कहल गइल बा, त रउरा अपना विचारन के उनका पर स्थिर ना रख सकीं। आ

अगर रउरा पवित्रशास्त्र के नियमित अध्ययन ना करीं, त रउरा ई जानिए ना सकीं कि उनका वचन में का कहल गइल बा।

परमेश्वर के वचन से मिले वाला आनन्द।

हालाँकि जब हम कवनो अइसन बात के सामना करीं जे हमरा के खुशी आ सन्तोष देला, तब हमरा भीतर सुखद आ आनन्द से भरल भावना पैदा होला, बाकिर एगो अइसन आनन्द भी बा जे परिस्थिति पर निर्भर ना करेला। ई आनन्द अइसन सामर्थ्य ह जे परमेश्वर के वचन से मिले वाला ज्ञान पर आधारित होला, आ ई रउरा के पीड़ादायक परीक्षा के बीचो-बीच सँभाल के रखेला। “अगर तोहार वचन हमरा परम आनन्द ना होत, त हम अपना दुःख में नाश हो गइल रहितीं।” (भजन संहिता अध्याय 119 पद 92)।

पुरान नियम के भविष्यवक्ता यिर्मयाह प्रभु के सेवा करत घरी अनेक कठिनाई के सामना कइलन, जवना में अस्वीकृति, झूठा आरोप आ कारावास भी शामिल रहे। फिर भी यिर्मयाह कहलन कि ऊ परमेश्वर के वचन के ग्रहण कइलन, आ ऊ वचन उनका भीतर आनन्द पैदा कइलस। “तोहार वचन हमरा मिलल, आ हम ओकरा के ग्रहण कइनी; तोहार वचन हमरा खातिर हर्ष आ हमरा हृदय के आनन्द बन गइल।” (यिर्मयाह अध्याय 15 पद 16)।

पवित्रशास्त्र एगो अलौकिक किताब ह, आ जे लोग मनन आ गहिरा चिन्तन के द्वारा ओकर वचन के अपना भीतर ग्रहण करेला, उनकर जीवन में ई अइसन प्रभाव पैदा करेला। सम्भव बा कि रउरा के याद हो कि यीशु परमेश्वर के वचन के भोजन से तुलना कइले रहस (मती अध्याय 4 पद 4)। यीशु के ई उदाहरण हमरा के समझे में सहायता करेला कि पवित्रशास्त्र कइसे काम करेला। जइसे भोजन के ग्रहण कइला पर ऊ हमरा शरीर में वृद्धि आ बदलाव पैदा करेला, ओइसहीं परमेश्वर के वचन भी हमरा भीतर बदलाव ले आवेला। यिर्मयाह के जीवन में प्रभु के वचन उनका भीतर आनन्द पैदा कइलस।

सम्भव बा कि रउरा पवित्रशास्त्र के ई प्रसिद्ध वचन से परिचित होखीं: “शोक मत करऽ, काहेकि यहोवा के आनन्द तोहार सामर्थ्य ह।” (नहेमायाह अध्याय 8 पद 10)। जब हम एह कथन के प्रसंग पढ़ीं, तब हमरा के मालूम होला कि ई सामर्थ्य देवे वाला आनन्द परमेश्वर के लिखित वचन के जाने आ समझे से मिलेला। आ जइसे कि हम एह पूरा किताब में बार-बार कहल बानी, पवित्रशास्त्र के समझ परिचय से आवेला, आ परिचय नियमित आ क्रमबद्ध अध्ययन से मिले ला।

आशा में आनन्दित रह।

नया नियम में जवन यूनानी शब्द के सबसे अधिक अनुवाद “आनन्द” आ “आनन्दित होखल” के रूप में कइल गइल बा, ओकर अर्थ “प्रसन्नचित्त बनल रहऽ” ह, ना कि खाली “प्रसन्नता के अनुभव कइल।” का रउरा कबो कवनो खेल प्रतियोगिता में कवनो खिलाड़ी के उत्साह बढ़वले बानी, या कवनो कठिन परिस्थिति से गुजरत व्यक्ति के हिम्मत बढ़ावे के कोशिश कइले बानी? रउरा का कइनी? रउरा ओकरा के आगे बढ़त रहे खातिर प्रोत्साहित कइनी आ ओकरा के याद करवनी कि ओकरा लगे आपन दौड़ पूरा करे के सामर्थ्य बा। रउरा ओकरा के भरोसा दिलवनी कि ऊ जवना परिस्थिति के सामना करत बा, ओकरा से सुरक्षित निकल जाई आ ओकरा आगे अच्छा दिन ओकरा के इंतजार करत बा। दोसरा शब्द में, रउरा अपना बातन के द्वारा ओकर उत्साह बढ़वनी।

पौलुस, अपना सामने आइल अनेक परीक्षा आ कठिनाई के प्रसंग में लिखलन कि ऊ “दुःखी त बा, बाकिर सदा आनन्दित रहेला।” (2 कुरिन्थियों अध्याय 6 पद 10)। हालाँकि अपना कठिनाई के कारण ऊ दुःख के अनुभव करत रहस, फिर भी ऊ परमेश्वर के वचन के द्वारा अपना के प्रोत्साहित करत रहस, आ ओही से उनका के सामर्थ्य आ स्थिरता मिलत रहे। पौलुस ई भी लिखलन, “आशा में आनन्दित रहऽ।” (रोमियों अध्याय 12 पद 12)। ध्यान दीं कि ऊ ई ना कहलन कि “आनन्द के अनुभव करऽ।” याद रखीं, ई ओही पौलुस ह जे अपना अनेक कठिनाई के क्षणिक आ हल्का कहलन, काहेकि ऊ आपन दृष्टि ओह कठिनाई पर ना, बलुक ओह पर लगवले रहस जेकरा के ऊ अभी अपना आँख से ना देख सकत रहस (2 कुरिन्थियों अध्याय 4 पद 17 आउर 18)। परमेश्वर के वचन उनका के वर्तमान सहायता आ भविष्य में होखे वाला पुनर्स्थापना के दृढ़ आश्वासन दिहले रहे।

जब रउरा परमेश्वर के कहल वचन के याद करीं आ उनका वचन के द्वारा अपना के प्रोत्साहित करीं, तब भविष्य के प्रति आनन्द आ उत्साह रउरा भीतर पैदा होई। इहे रउरा के मन के शान्ति के साथ जीवन के तूफान के सामना करे के सामर्थ्य देला।

“उहे [यीशु] के द्वारा हमनी के विश्वास के कारण ओह अनुग्रह तक पहुँच मिलल बा, जवना में हमनी स्थिर बानी; आ हमनी ओह महिमा के आशा में आनन्दित होखींले, जे परमेश्वर हमरा के देई। एतने ना, हमनी क्लेश में भी आनन्दित होखींले।” (रोमियों अध्याय 5 पद 2 आउर 3)।

जब हम परमेश्वर के वचन के द्वारा अपना खुद के उत्साह बढ़ावल आ अपना के प्रोत्साहित कइल सीख जानीं, तब ओकर सामर्थ्य हमरा के सँभाले खातिर हमरा भीतर काम करे लागेला। मन के आनन्द आ शान्ति हमरा के तब मिले ला, जब हम उनका वचन के नियमित रूप से अध्ययन करके आशा के परमेश्वर के अउरी गहिराई से जाने लागीं।

11

आईं, पढ़े खातिर तैयार हो जाईं।

आशा बा कि अब तक हम जवन कुछ कहल बानी, ओकरा से रउरा के रुचि जागल होई आ रउरा हमरा एह चुनौती के स्वीकार करे के बारे में सोचत होखब कि नया नियम के शुरुआत से अंत तक बार-बार पढ़ल जाव। बाकिर पहिले से हम रउरा के सावधान कर देबे के चाहत बानी कि जइसे ही रउरा पहिला पन्ना खोलीं, रउरा के तुरन्त सोलह पद में वंशावली मिल जाई: "इब्राहीम से इसहाक पैदा भइल; इसहाक से याकूब पैदा भइल; आ याकूब से यहूदा पैदा भइल," आ अइसहीं आगे चलत जाला (मती अध्याय 1 पद 2)। एह के नतीजा ई हो सकेला कि नियमित आ क्रमबद्ध रूप से पढ़े के रउरा के पहिला कोशिशे शायद आखिरी कोशिश बन जाव। ई पुरान वंशावली खाली अनजान नामन के कारण पढ़े में कठिन ना लागेले, बलुक पहिला नजर में एकर आधुनिक जीवन से कवनो सम्बन्ध भी दिखाई ना देला। बाकिर अगर रउरा पहिला सदी के अइसन यहूदी होत जे इस्राएल देश में रहत रहे, त ई वंशावली रउरा खातिर बहुत रोचक आ मन के बाँध लेवे वाली लागित।

असल में ई सूची यीशु के वंशावली ह। अगर रउरा प्रतिज्ञा कइल गइल मसीह (उद्धारकर्ता) के बाट जोहत एगो श्रद्धालु यहूदी होत, त रउरा जानत रहित कि पुरान नियम के भविष्यद्वक्ता लोग के अनुसार मसीह के इब्राहीम आ दाऊद दुनो के वंशज होखल जरूरी रहे। आ जब रउरा यीशु के वंशावली में देखित कि ऊ वास्तव में एह दुनो पुरुषन के वंश से बाड़न, त नामन के ई पूरा सूची रउरा खातिर अत्यन्त महत्वपूर्ण आ मन के बाँध लेवे वाली होत। नया नियम के ई भाग असल में पहिला सदी के यहूदियन के ई साबित करे खातिर लिखल गइल रहे कि यीशु ओही उद्धारकर्ता बाड़न, जेकरा विषय में पुरान नियम के भविष्यद्वक्ता लोग भविष्यवाणी कइले रहे। जब रउरा ई बात समझ लीं, तब नया नियम के शुरुआत में एह विस्तृत वंशावली के दिहल गइल पूरा तरह अर्थपूर्ण लागे लागेला।

अगिला कुछ अध्यायन में हम नया नियम के कुछ मूलभूत पृष्ठभूमि से जुड़ल जानकारी रउरा के साथ साझा करब, जे रउरा के अध्ययन के अधिक सफल आ लाभदायक बनावे में सहायता करी।

नया नियम से ही शुरुआत काहे करीं?

रउरा के नियमित बाइबल अध्ययन के शुरुआत नया नियम से करे के पीछे कुछ व्यावहारिक कारण बा। पहिला, नया नियम पुरान नियम के तुलना में बहुत छोट बा। याद रखीं, बाइबल के समझ परिचय के साथ बढ़ेला, आ परिचय नियमित आ बार-बार पढ़ला से आवेला। अगर रउरा छोट हिस्सा से शुरुआत करीं, त एह कोशिश में सफल होखे के सम्भावना अधिक होई। दूसरा, बाइबल परमेश्वर के क्रमिक प्रकाशन के लेखा-जोखा ह। पवित्रशास्त्र के पन्नन के माध्यम से परमेश्वर धीरे-धीरे अपना परिवार खातिर आपन योजना प्रकट कइलन, जब तक कि ओकर पूरा प्रकाशन यीशु मसीह में ना हो गइल। पुरान नियम के तब अधिक अच्छी तरह समझल जा सकेला, जब ओकरा के नया नियम के अधिक पूरा प्रकाश के माध्यम से देखल जाव।

एगो सुसंगठित किताब।

बाइबल लगभग 1,500 साल के अवधि (लगभग 1400 ईसा पूर्व से 100 ईस्वी तक) में 40 से अधिक लेखक लोग के द्वारा लिखल गइल। फिर भी एह में अइसन अद्भुत एकता आ निरन्तरता बा, जेकरा के एकरा पहिला किताब से लेके आखिरी किताब तक साफ-साफ देखल जा सकेला। शुरुआत से अंत तक, बाइबल अन्ततः यीशु मसीह के प्रकाशन ह—ओही के द्वारा परमेश्वर अपना परिवार के प्राप्त कइलन (यूहन्ना अध्याय 5 पद 39)। जइसे कि हम अध्याय 3 में बतवले रहनी, पुरान नियम मुख्य रूप से इस्राएल राष्ट्र के इतिहास ह, ओही जाति के माध्यम से यीशु एह संसार में अइलन। इतिहास के अलावा, पुरान नियम में यीशु के विषय में अनेक भविष्यवाणी भी बा, साथे अइसन घटना आ व्यक्ति भी बाड़न जेकरा के "प्रतिरूप" आ "छाया" कहल गइल बा। प्रतिरूप आ छाया वास्तविक व्यक्ति आ वास्तविक घटना ह, बाकिर ऊ लोग प्रतिज्ञा कइल गइल उद्धारकर्ता के प्रतिनिधित्व भी करेला आ उनके आवे के पहिले से संकेत भी देला (कुलुस्सियों अध्याय 2 पद 17; इब्रानियों अध्याय 10 पद 1)। नया नियम ओह बात के पूरा होखे के लेखा ह, जवना ओर पुरान नियम के भविष्यवाणी आ प्रतिरूप संकेत करत रहे आ जेकर भविष्यवाणी करत रहे—अर्थात् यीशु के आगमन, ताकि ऊ पाप के दाम चुका सकसु आ परमेश्वर के परिवार के उद्धार करसु।

एतना सारा अनजान नाम काहे बा?

बाइबल पढ़ल कुछ हद तक एह कारण से कठिन लागेला कि एकर घटना अइसन जगहन पर घटल रहे जे हमनी में से बहुते लोग खातिर अपरिचित बा। पवित्रशास्त्र ओह घटनन के वर्णन करेला जे कई हजार साल पहिले मध्य पूर्व में, मुख्य रूप से इस्राएल देश में घटल रहे। इक्कीसवीं सदी के पाठकन खातिर खाली ओह जगह के भूगोल आ स्थानन के नाम ही अपरिचित नइखे, बलुक अनेक सांस्कृतिक संदर्भ भी रहस्यमय लागेला। मूर्तिपूजा आ लहू के बलिदान के बात हमरा खातिर, खास करके पश्चिमी संसार में रहे वाला लोग खातिर, अपना जीवन से असम्बन्धित लाग सकेला। आधुनिक पाठक ई भी सोचेला कि ओकर अपना देश के उल्लेख बाइबल में काहे नइखे। एकर कारण ई ना ह कि परमेश्वर इस्राएल के अलावा दोसरा जगहन के परवाह ना करेलन, या ई कि उनका परिवार के योजना खाली मध्य पूर्व के लोग खातिर ही बा। बलुक परमेश्वर के वचन उद्धार के इतिहास के लेखा ह। ई ओह लोगन आ घटनन के वर्णन करेला जेकर सीधा सम्बन्ध ओह योजना से रहे, जवना के द्वारा परमेश्वर यीशु के माध्यम से संसार के उद्धार करे वाला रहन। ऊ लोग मध्य पूर्व में रहत रहे आ ऊ घटननो ओही जगह घटल रहे।

जब रउरा एह भौगोलिक आ सांस्कृतिक कठिनाई से परिचित हो जाईं आ समझ लीं कि ई अइसन काहे बा, तब कवनो अनजान शब्द या रीति-रिवाज के सामना होखे पर रउरा पढ़ल छोड़ देबे के सम्भावना बहुत कम हो जाई। आ जइसे-जइसे रउरा नियमित रूप से बाइबल पढ़त रही, ओइसहीं-ओइसहीं ओकर पाठ रउरा खातिर अउरी परिचित होत जाई। तब रउरा समझे लागब कि कुछ शब्द सम्भवतः कवनो व्यक्ति या जगह के नाम हो सकेला, आ जे बात पहिला नजर में अजीब लागेले, ऊ ओह समय के लोगन के सामान्य रीति-रिवाज के उल्लेख हो सकेला। याद रखीं, बाइबल वास्तविक लोगन के द्वारा वास्तविक लोगन खातिर लिखल गइल रहे, ताकि ओह लोग के महत्वपूर्ण आ लाभदायक सत्य बतावल जा सके। जब ओकर लेखक लोग लिखल, तब ऊ ओही भाषा के प्रयोग कइल जेकरा के उनका पाठक लोग अच्छी तरह समझत रहे। एह से एह में अइसन अलंकार, मुहावरा आ अभिव्यक्ति मिलेला जेकरा के हम आज सहज रूप से पहचान ना पाईं आ जे तुरन्त हमरा समझ में ना आवे। बाकिर ई अपरिचित शब्द आ कथन पहिला पाठकन खातिर पूरा तरह साफ आ अर्थपूर्ण रहे।

एह में से कवनो बात अइसन नइखे जेकरा के समझल ना जा सके। जइसे कि हम पहिले भी कहल बानी, नियमित आ बार-बार पढ़ला से ई सब बात धीरे-धीरे साफ होखे लागेला। एगो अच्छा बाइबल शिक्षक भी एह यात्रा में बहुत मूल्यवान साबित होला। एह के अलावा, रउरा के सहायता करे खातिर अनेक उपयोगी साधन उपलब्ध बाड़ें, जइसे बाइबल शब्दकोश, टीका आ अध्ययन बाइबल, जवना में समझावे वाला टिप्पणी दिहल रहेला। फिर भी ई बात हमेशा याद रखीं कि एह साधनन के उद्देश्य नियमित बाइबल अध्ययन के जगह लेवे के ना ह। इनकर उपयोग नियमित अध्ययन के साथ-साथ सहायक साधन के रूप में करे के चाहीं।

मुझे कवन अनुवाद इस्तेमाल करे के चाहीं?

लोग अक्सर हमरा से पूछेला कि जब ऊ बाइबल पढ़ल शुरू करसु, त उनकरा के कवन अनुवाद पढ़े के चाहीं। एह विषय पर सच्चा मसीही लोग के बीचो कबो-कबो बहुत गम्भीर चर्चा आ मतभेद हो जाला कि कवन अनुवाद अधिक अच्छा बा। एह विषय के पूरा चर्चा करे खातिर एगो अलग किताब के जरूरत पड़ी, बाकिर अभी खातिर कुछ महत्वपूर्ण बातन पर विचार करीं।

• अनुवाद जरूरी बाड़ें, काहेकि पुरान नियम मूल रूप से इब्रानी भाषा में आ नया नियम यूनानी भाषा में लिखल गइल रहे। अधिकांश लोग ना त इब्रानी जानेला आ ना यूनानी। अगर बाइबल के अनुवाद उपलब्ध ना होत, त हमनी में से अधिकतर लोग बाइबल पढ़िए ना पावत।

• कुछ लोग गलती से ई समझेला कि किंग जेम्स बाइबल ही मूल बाइबल ह। बाकिर असल में ऊ भी एगो अनुवाद ही ह, जे इंग्लैंड के राजा जेम्स प्रथम के आदेश पर तैयार कइल गइल रहे आ जे सन् 1611 ईस्वी में पूरा भइल।

• बाइबल के अनुवाद कइल एगो बहुत जटिल काम ह, काहेकि कवनो दू गो भाषा पूरा तरह एक जइसन ना होखे। उदाहरण खातिर, यूनानी भाषा में प्रेम खातिर चार अलग-अलग शब्द बाड़ें, आ हर शब्द के अर्थ आ भाव अलग-अलग बा। जबकि हिन्दी में आम तौर पर प्रेम खातिर एगो ही मुख्य शब्द के प्रयोग होला। एही तरह अलग-अलग भाषा में वाक्य के अंगन के क्रम भी अलग होला, आ हर भाषा के अपना मुहावरा आ अलंकारिक अभिव्यक्ति होखेले।

• पवित्रशास्त्र के अनुवाद करे वाला विद्वान लोग आम तौर पर दू गो प्रमुख तरीका के इस्तेमाल करेला—शब्दशः अनुवाद आ भावानुवाद। दुनो के आपन-आपन महत्व बा। हर स्थिति में अनुवादक लोग के मूल शब्दन के अर्थ आ मूल विचारन के प्रति विश्वासयोग्य बनल जरूरी होला, आ साथे ई भी सुनिश्चित करे के होला कि अनुवाद सहज आ पढ़े में सरल रहे।

त फेर रउरा के कवन अनुवाद पढ़े के चाहीं? ओही अनुवाद के पढ़ीं जेकरा के रउरा अच्छी तरह समझ सकीं, जेकर भाषा रउरा खातिर सबसे अधिक सरल आ स्पष्ट होखे। हमरा प्रिय अनुवादन में इंग्लिश स्टैंडर्ड वर्शन आ न्यू लिविंग ट्रांसलेशन शामिल बाड़ें। कवनो पद या अनुच्छेद के कई अलग-अलग अनुवाद में पढ़ला से ओकर अर्थ के अउरी गहिराई से समझे में सहायता मिल सकेला। फिर भी, अइसन कइल अपना नियमित आ क्रमबद्ध बाइबल अध्ययन के समय के अलावा कवनो दोसरा समय पर करे अधिक उचित बा।

हमरा विश्वास बा कि एह अध्याय में दिहल जानकारी रउरा के प्रोत्साहित करी कि धीरज के साथ बनल रहीं आ बाइबल पढ़े के शुरुआत में आवे वाला कठिनाई के सामना करत आगे बढ़त रहीं। जब रउरा ई समझब कि नया नियम के के लिखल आ काहे लिखल, तब रउरा भीतर ओकरा के लगातार पढ़त रहे के अउरी अधिक प्रेरणा पैदा होई। आइल जाव, अगिला अध्याय में एही विषय पर विचार करीं।

12

ऊ पुरुष लोग जे नया नियम लिखलस।

का रउरा यीशु के अउरी गहिराई से जाने चाहत बानी आ उनके साथ अउरी नजदीकी सम्बन्ध बनावे के इच्छा रखत बानी? अइसन करे के सबसे बढ़िया रास्ता ई ह कि रउरा बाइबल के नियमित पाठक बन जाईं। अगर रउरा लगे नया नियम बा, त रउरा के हाथ में ओह प्रत्यक्षदर्शियन के लिखल वृत्तान्त बा, जे ओह समय यीशु मसीह के साथ चलत-फिरत रहस आ उनकरा से बातचीत करत रहस, जब ऊ एह धरती पर रहस। ऊ लोग अइसन घटना के अपना आँख से देखले रहे, जे उनकर जीवन बदल देले रहे, आ जे कुछ ऊ लोग देखल आ सुनल, ओकरा के संसार के सामने घोषित करे खातिर लिख डलल।

यीशु के प्रत्यक्षदर्शी।

पवित्र आत्मा के प्रेरणा से आठ गो व्यक्ति नया नियम के सत्ताइस ग्रन्थ के रचना कइलन। ई लेखक लोग ह—मती, मरकुस, लूका, यूहन्ना, पौलुस, याकूब, पतरस आ यहूदा। एह लेखकन में से कुछ स्वयं यीशु के प्रत्यक्षदर्शी रहस, जबकि दोसरा लोग ओह प्रत्यक्षदर्शियन के गवाही के आधार पर लिखल, जिनसे ऊ लोग जानकारी पवले रहे।

• मती, यूहन्ना आ पतरस यीशु के पहिला बारह प्रेरितन में से रहस। प्रभु अपना सार्वजनिक सेवकाई के शुरुआत में ही उनका लोग के चुन लिहले रहस। ई लोग तीन साल से अधिक समय तक लगातार यीशु के साथ रहके उनका नजदीकी संगति में रहल। ऊ लोग खाली यीशु के सेवकाई देखल आ ओकरा में भागे ना लिहल, बलुक उनके क्रूस पर चढ़ावल जाए तक सब कुछ अपना आँख से देखल, आ उनका मरे हुअन में से जी उठला के बाद भी उनका के जीवित देखल (मती अध्याय 10 पद 2 से 4)।

• मरकुस मूल बारह प्रेरितन में से ना रहस, बाकिर ऊ ओह समय यरूशलेम नगर में रहत रहस जब यीशु उहाँ सेवकाई करत रहस, आ सम्भव बा कि ऊ मन्दिर में प्रभु के शिक्षा भी सुनले होखे। बाद में कवनो समय ऊ विश्वासी बनल, सम्भवतः पतरस के प्रभाव से। ओकरा

बाद ऊ प्रेरित पौलुस के सेवकाई में सहभागी बन गइल (1 पतरस अध्याय 5 पद 13; कुलुस्सियों अध्याय 4 पद 10; प्रेरितों के काम अध्याय 12 पद 25)।

• पौलुस शुरुआत में मसीही लोग के बहुत उत्साही सतावे वाला रहस। जब ऊ सीरिया के दमिश्क नगर में उहाँ के मसीही लोग के पकड़ल खातिर जा रहल रहस, तब पुनर्जीवित प्रभु यीशु मसीह ओकरा सामने प्रकट भइलन, आ ओही समय ऊ विश्वासी बन गइल। एकरा बादो प्रभु कई बेर पौलुस पर प्रकट भइलन आ जवन संदेश ऊ प्रचार कइलस आ लिखलस, ऊ स्वयं प्रभु ओकरा के सिखवले रहस (प्रेरितों के काम अध्याय 9 पद 1 से 6; प्रेरितों के काम अध्याय 26 पद 15 आउर 16; गलतियों अध्याय 1 पद 11 आउर 12)।

• लूका स्वयं यीशु के प्रत्यक्षदर्शी ना रहस आ सम्भवतः ऊ एगो अन्यजाति के आदमी रहस। ओकर मसीह में विश्वास करे के विषय में हमरा लगे बहुत कम जानकारी बा। बाद में ओकर भेंट पौलुस से भइल आ ऊ ओकर मिशनरी यात्रा में ओकरा साथे गइल। लूका अपना लेखन खातिर गहिरा शोध कइलस आ अइसन बहुत लोग से बातचीत कइलस, जे खुद यीशु के साथ समय बितवले रहस (लूका अध्याय 1 पद 1 से 4; प्रेरितों के काम अध्याय 1 पद 3)।

• याकूब आ यहूदा यीशु के सौतेला भाई रहस। क्रूस पर चढ़ावल जाए से पहिले ऊ लोग प्रभु के अनुयायी ना रहस। असल में, ई दुनो भाई के ई विश्वास रहे कि यीशु आपन मानसिक संतुलन खो चुकल बाड़न। बाकिर जब उनका भाई मरे हुअन में से फेरू जीवित भइलन, तब ऊ दुनो उनका पर विश्वास करे लगलन (मती अध्याय 13 पद 55; मरकुस अध्याय 3 पद 21; यूहन्ना अध्याय 7 पद 5; गलतियों अध्याय 1 पद 19; 1 कुरिन्थियों अध्याय 15 पद 7)।

एगो जीवन बदल देवे वाला संदेश के घोषणा।

जवन दिन यीशु मरे हुअन में से जी उठलन, ओही दिन उनका पहिला प्रेरित आ दोसरा अनुयायी एगो कमरा में एकट्ठा रहस। ओही समय प्रभु अचानक उनका बीच में प्रकट भइलन। ऊ लोग बहुत डर गइल, काहेकि उनका लागल कि ऊ लोग कवनो भूत के देखत बा। बाकिर यीशु उनका के भरोसा दिहलन कि ऊ भूत ना हउअन। ऊ कहलन, “रउरा काहे घबरा रहल बानी? आ रउरा मन में अइसन संदेह काहे उठत बा? हमरा हाथ आ गोड़ के देखीं। रउरा खुद देख सकत बानी कि ई सचमुच हम ही हईं। हमरा के छू के देखीं आ निश्चय कर लीं, काहेकि भूत के हाड़-माँस ना होला, जइसन रउरा हमरा में देखत बानी” (लूका अध्याय 24 पद 38 आउर 39)।

एकरा बाद यीशु उनका से खाए खातिर कुछ माँगलन, आ ऊ लोग देखल कि ऊ भुनल मछरी के एगो टुकड़ा खइलन। फेर प्रभु पुरान नियम के पवित्रशास्त्र के द्वारा उनका के समझवलन कि अपना मृत्यु आ पुनरुत्थान के माध्यम से ऊ का पूरा कइले बाड़न आ एकर का महत्व

बा। ऊ बतवलन कि अब जे कवनो उनका पर विश्वास करी, ओकरा खातिर पाप से उद्धार उपलब्ध बा। एकरा बाद ऊ अपना प्रेरितन के आदेश दिहलन कि ऊ लोग जा के संसार के ओह सभ बात के गवाही दे, जेकरा के ऊ लोग अपना आँख से देखले आ अपना कान से सुनले रहे (लूका अध्याय 24 पद 45 से 48)।

ई लोग अपना बाकी जीवन यीशु आ उनके पुनरुत्थान के प्रचार करे में समर्पित कर दिहलस। प्रेरितन के अपना आँख से देखल आ अपना कान से सुनल बात पर एतना अटल विश्वास रहे कि कठोर से कठोर सताव आ मृत्यु के सामना करे परो ऊ लोग ओकरा के नकारे से इन्कार कर दिहलस।

संदेश के प्रचार।

यीशु के पहिला अनुयायियन के उद्देश्य कवनो धार्मिक किताब लिखल ना रहे। शुरुआत में प्रेरित लोग अपना संदेश मौखिक रूप से प्रचार करत रहस, काहेकि ऊ लोग अइसन समाज में रहत रहस जहाँ ज्ञान आ परम्परा मुख्य रूप से बोल के एगो आदमी से दोसरा आदमी तक पहुँचावल जात रहे। ओह समय आधा से कम लोग पढ़-लिख पावत रहे, आ किताब, जे ओह समय प्रायः चर्मपत्र भा पत्रन के स्क्रॉल के रूप में होत रहे, बहुत दुर्लभ आ बनावे में बहुत महँग रहे। एह कारण लोग बातन के याद रखत रहे आ मौखिक रूप से दोसरा लोग तक पहुँचावत रहे। यहूदी शिक्षक, जिनका के रब्बी कहल जात रहे, पूरा पुरान नियम के कंठस्थ रखे खातिर प्रसिद्ध रहस। मौखिक रूप से सुनावल जाए वाली कथा में खास साहित्यिक शैली आ याद रखे में मदद करे वाला तरीका के इस्तेमाल होत रहे, जवना से उनका के याद राखल आ दोसरा लोग के सही-सही सुनावल अउरी आसान हो जात रहे।

ई बहुत सम्भावित बा कि जब यीशु अपना चेलन के साथे रहस, तब उनका चेलन यीशु के कहल बहुत-सा बात आ शिक्षा के कंठस्थ कर लिहले रहस। याद राखल ओह समय के सामान्य सांस्कृतिक परम्परा रहे, आ एकरा अलावा ऊ लोग यीशु के हर बात पर खास ध्यान देवे खातिर प्रेरित भी रहे, काहेकि ऊ लोग विश्वास करत रहे कि यीशु उहे प्रतिज्ञा कइल उद्धारकर्ता हउअन। जे तीन साल तक ऊ लोग यीशु के साथे रहल, ओह दौरान ऊ लोग उनका उपदेश बहुत बेर सुनल, काहेकि यीशु इस्राएल के अलग-अलग नगर आ गाँव में जा के अपना संदेश सुनावत रहस। आ जवन रात यीशु के क्रूस पर चढ़ावल जाए वाला रहे, ओकरा पहिले ऊ अपना प्रेरितन से प्रतिज्ञा कइलन कि ऊ अपना आत्मा, अर्थात् पवित्र आत्मा के भेजिहन, जे उनका भीतर निवास करी आ उनका सभ शिक्षा के याद दिलाई। “बाकिर सहायक, अर्थात् पवित्र आत्मा, जेकरा के पिता हमरा नाम से भेजिहन, उहे रउरा के सभ बात सिखाई आ जवन कुछ हम रउरा से कहले बानी, ऊ सभ रउरा के याद दिलाई” (यूहन्ना अध्याय 14 पद 26)।

एगो स्वाभाविक विकास।

जब प्रेरित लोग मसीह पर विश्वास के द्वारा पाप से उद्धार के सुसमाचार के प्रचार करे खातिर निकलल, तब विश्वासी लोग के समुदाय, अर्थात् कलीसिया, स्थापित होखे लगल। जब प्रेरित दोसरा नगर आ जगह पर आगे बढ़ गइलन, तब ऊ लोग एह नया स्थापित कलीसियन से पत्रियन के द्वारा सम्पर्क बनवले रखल। हालाँकि एह पत्रियन के अक्सर पत्र कहल जात बा, असल में ई उपदेशन के जइसन ह। एह पत्रियन में ई समझावल गइल बा कि मसीही लोग का विश्वास करेला आ ओकरा के कइसन जीवन जीए के चाहीं। ई लिखित उपदेश एह उद्देश्य से लिखल गइल रहे कि ओकरा के लोग के समूह के सामने ऊँच आवाज में पढ़ के सुनावल जा सके। जब कवनो पत्री विश्वासी समुदाय तक पहुँचत रहे, तब ओकर प्रतिलिपि बनावल जात रहे आ ओकरा के दोसरा विश्वासी समूह तक भी पहुँचावल जात रहे। नया नियम के ई प्रारम्भिक ग्रन्थ ओही आज्ञा के स्वाभाविक परिणाम रहस, जवन यीशु अपना प्रेरितन के दिहले रहस। जब कवनो प्रेरित स्वयं उपस्थित होके शिक्षा ना दे पावत रहस, तब ओकर पत्री ओकरा जगह पर उहे काम करत रहे।

सुसमाचार कुछ समय बाद लिखल गइल, ताकि ओह प्रत्यक्षदर्शियन के गवाही सुरक्षित राखल जा सके जिनकर यीशु से प्रत्यक्ष सम्बन्ध रहे। ई अइसन चित्रन के समान ह जे यीशु के जीवन, उनका मृत्यु आ उनका पुनरुत्थान के विस्तृत विवरण प्रस्तुत करेला, आ एकर उद्देश्य ई रहे कि जे लोग ओकरा के सुने भा पढ़े, ओकरा भीतर विश्वास उत्पन्न होखे। जब कवनो प्रेरित भा प्रत्यक्षदर्शी कवनो नगर में आवत रहे आ मौखिक रूप से अपना गवाही सुनावत रहे, तब नया विश्वासी लोग खाली ओही मौखिक गवाही से सन्तुष्ट ना होखे चाहत रहे। ऊ लोग ओह गवाही के लिखित अभिलेख भी चाहत रहे। ई लिखित ग्रन्थ खाली प्रत्यक्षदर्शियन के गवाही के सुरक्षित ना रखलस, बलुक प्रेरितन के सेवकाई के पहुँच के भी बहुत व्यापक बना दिहलस, काहेकि उनका प्रतिलिपि बनाके अनेक जगह भेजल जा सकत रहे। एकरा अलावा, जब मूल प्रत्यक्षदर्शी एक-एक करके एह संसार से विदा होखे लगलन, तब उनका गवाही एह लिखित ग्रन्थन के माध्यम से सुरक्षित बनल रहल।

वास्तविक लोग, वास्तविक परिस्थिति।

नया नियम के ई ग्रन्थ वास्तविक लोग द्वारा दोसरा वास्तविक लोग खातिर लिखल गइल रहे, जे अपना जीवन यीशु मसीह के प्रति समर्पित कर चुकल रहस। एह लेखकन के उद्देश्य रविवार के पाठशाला खातिर कहानी लिखल ना रहे। ऊ लोग मसीह में अपना विश्वास आ मसीही जीवन से जुड़ल वास्तविक सवाल आ परिस्थिति के विषय में लिखल। ऊ लोग एह खातिर लिखल कि विश्वासी लोग के ई भरोसा हो सके कि यीशु के विषय में ऊ लोग जे कुछ उनका से सुनले बा, ऊ पूरा तरह विश्वासयोग्य बा।

• अपना एगो पत्री में पतरस लिखेलन: “जब हम रउरा के अपना प्रभु यीशु मसीह के सामर्थ्य आ उनका फेरू आवे के विषय में बतवनी, तब हम कवनो चतुराई से गढ़ल कहानी के सहारा ना लिहनी, बलुक हम खुद उनका महिमा के प्रत्यक्षदर्शी रहनी। काहेकि जब उनका के परमेश्वर पिता से आदर आ महिमा मिलल, तब परमप्रतापी महिमा की ओर से उनका खातिर ई वाणी आइल, ‘ई हमरा प्रिय पुत्र हउअन, जिनसे हम बहुत प्रसन्न बानी।’ आ जब हम उनका साथे ओह पवित्र पहाड़ पर रहनी, तब हम खुद स्वर्ग से आइल ई वाणी सुननी” (2 पतरस अध्याय 1 पद 16 से 18)।

• अपना एगो पत्री में यूहन्ना लिखेलन: “जे शुरुआत से रहे, जेकरा के हम सुनले बानी, जेकरा के अपना आँख से देखले बानी, जेकरा के ध्यान से देखनी आ अपना हाथ से छूले बानी, ओही जीवन के वचन के विषय में हम रउरा के बतावत बानी… हम रउरा के उहे सुनावत बानी जेकरा के हम खुद देखले आ सुनले बानी” (1 यूहन्ना अध्याय 1 पद 1 से 3)।

• यीशु के जीवन, मृत्यु आ पुनरुत्थान के अपना विवरण के समाप्त करत यूहन्ना लिखेलन: “यीशु अपना चेलन के सामने अउरी बहुत चिन्ह कइलन, जे एह किताब में ना लिखल गइल बा। बाकिर ई सभ एह खातिर लिखल गइल बा कि रउरा विश्वास करीं कि यीशुए मसीह, परमेश्वर के पुत्र हउअन, आ विश्वास करके उनका नाम से जीवन पाईं” (यूहन्ना अध्याय 20 पद 30 आउर 31)।

• लूका, जे यीशु में नया विश्वास करे वाला एगो आदमी के लिखत रहस, अपना किताब के शुरुआत एह शब्दन से करेलन: “जब हम शुरुआत से ही एह सभ प्रत्यक्षदर्शियन के विवरण के सावधानी से जाँच-पड़ताल कर लिहनी, तब हमहूँ उचित समझनी कि रउरा खातिर एह सभ बात के क्रमबद्ध विवरण लिखीं, ताकि जिन बातन के शिक्षा रउरा के दिहल गइल बा, उनका सच्चाई पर रउरा के पूरा भरोसा हो जाए” (लूका अध्याय 1 पद 3 आउर 4)।

एह किताब के अन्त में रउरा के नया नियम के हर एगो ग्रन्थ के एगो संक्षिप्त परिचय मिली, जे रउरा के ई समझे में अउरी सहायता करी कि हर एगो ग्रन्थ काहे लिखल गइल रहे (पृष्ठ 87 से 101)।

जइसे कि हम एह अध्याय के शुरुआत में कहनी, यीशु के गहिराई से जाने के एकरा से बढ़िया दोसर कवनो राह नइखे कि रउरा ओह ग्रन्थन से भली-भाँति परिचित हो जाईं, जेकरा

के ओह लोग लिखल, जे खुद प्रभु यीशु के साथे चलल-फिरल, उनका से बातचीत कइल, आ फेर उनका के मरे हुअन में से जी उठ के मृत्यु पर विजय पावत अपना आँख से देखल। उनका द्वारा लिखल वचन के नियमित रूप से अध्ययन रउरा के विश्वास के दृढ़ करी आ रउरा के एह सच्चाई के प्रति अउरी गहिरा निश्चय दी कि जेकरा पर आ जेमें रउरा विश्वास करेली, ऊ वास्तविक आ सच्च बा।

13

का हम नया नियम पर विश्वास कर सकत बानी?

हम अइसन समय में जीयत बानीं जब बहुत-से आवाज नया नियम के विश्वसनीयता पर सवाल उठावेली। अइसन विवादास्पद विचार रउरा के ऊ उत्साह के कमजोर कर सकेला, जे रउरा के नियमित आ क्रमबद्ध रूप से बाइबल पढ़े खातिर जरूरी प्रयास करे के प्रेरणा देला। एह से रउरा खातिर ई जानल बहुत जरूरी बा कि रउरा परमेश्वर के एह अद्भुत किताब के सच्चाई आ विश्वसनीयता पर पूरा भरोसा कर सकेनी। जब रउरा ई समझेली कि एह ग्रन्थन के के लिखल आ काहे लिखल, तब ई भी साफ हो जाला कि उनका खातिर आ उनका पाठकन खातिर अपना संदेश के सही रूप में पहुँचावल आ सुरक्षित राखल कतना महत्वपूर्ण रहे। नया नियम के सभ लेखक संसार के ई बतावे खातिर लिखलन कि यीशु मसीह अपना पुनरुत्थान के द्वारा मृत्यु पर विजय पवले, आ उनका बलिदान के कारण अब जे कवनो उनकरा पर विश्वास करेला, ओकरा खातिर पाप से उद्धार उपलब्ध बा। एकरा अलावा अउरी बहुत कारण बा, जिनका आधार पर हम नया नियम के सच्चाई आ विश्वसनीयता पर भरोसा कर सकेनी।

हमनी के एकरा के सही रूप में सुरक्षित राखे के रहे।

संदेश के सही रूप में पहुँचावल आ सुरक्षित राखल एह कारण से अत्यन्त महत्वपूर्ण रहे कि ई लोग खाली एगो बहुत महत्वपूर्ण संदेश ना सुनावत रहे, बलुक ई भी जानत रहे कि ऊ लोग अइसन ग्रन्थ लिखत बा जे परमेश्वर के प्रेरणा से लिखल जा रहल बा (2 पतरस अध्याय 3 पद 1 आउर 2; 2 पतरस अध्याय 3 पद 15 आउर 16)। ऊ लोग भली-भाँति समझत रहे कि ओकर काम कतना गम्भीर आ महत्वपूर्ण बा। एकरा अलावा, यीशु के सेवकाई के समय इस्राएल में हजारों लोग या त उनका के खुद देखले रहस भा उनका विषय में सुनले रहस, काहेकि ऊ अलग-अलग नगर आ इलाका में घूम-घूम के शिक्षा देत रहस। एकर मतलब ई रहे कि अगर प्रेरित लोग घटनन के गलत ढंग से लिखले रहितन भा अपना ओर से मनगढ़ंत बात जोड़ले रहितन, त उहाँ अइसन बहुत लोग मौजूद रहितन जे उनकर गलती पहचान सकत

रहितन आ निश्चय ही ओकर सुधार कर देत रहितन। एह से उनका खातिर ई अत्यन्त जरूरी रहे कि ऊ लोग हर बात के पूरा सच्चाई आ शुद्धता के साथ प्रस्तुत करे।

का बाइबल के किताबन के चयन सिक्का उछाल के कइल गइल रहे?

आजकल ई बात बहुत सुनाई देला कि नया नियम के किताबन के चयन यीशु के पृथ्वी पर रहे के कई शताब्दी बाद कलीसियाई सभा द्वारा कइल गइल रहे, ताकि राजनीतिक उद्देश्यन के आगे बढ़ावल जा सके आ लोगन पर नियन्त्रण राखल जा सके। बाकिर ई धारणा उन ऐतिहासिक तथ्यन के उल्टा बा, जवन हमनी के शुरुआती मसीही लेखन के प्रसार के बारे में मालूम बा। जब ई ग्रन्थ पूरा रोमी साम्राज्य में फैलल शुरू भइल, तब शुरुआती मसीही लोग ओकरा के एह कारण से स्वीकार कइल कि ई बात भली-भाँति मालूम रहे कि ई यीशु के मूल प्रत्यक्षदर्शियन, अर्थात् उनका पहिला प्रेरितन से प्राप्त भइल रहे।

पहिला शताब्दी में एगो नया प्रकार के पाण्डुलिपि प्रचलन में आइल, जेकरा के कोडेक्स कहल जात रहे। धीरे-धीरे ई स्क्रॉल के जगह लेवे लागल। कोडेक्स सरकंडा से बनल कागज, अर्थात् पपीरस के पन्नन के एक-दूसरा के ऊपर रख के, मोड़ के आ बाँध के तैयार कइल जात रहे। कलीसिया एह आधुनिक किताबन के पूर्वज मानल जाए वाला एह कोडेक्स के अपना पुस्तकालय में संग्रह करके रखत रहली। ई बहुत मूल्यवान मानल जात रहस आ बड़ी सावधानी से सुरक्षित राखल जात रहस। जब शुरुआती विश्वासी अपना पुस्तकालय खातिर एह ग्रन्थन के संग्रह करत रहस, तब कवनो ग्रन्थ के स्वीकार करे के एगो महत्वपूर्ण आधार ई रहे कि का ओकर स्पष्ट सम्बन्ध कवनो प्रेरित प्रत्यक्षदर्शी से स्थापित कइल जा सकेला कि ना। कवनो व्यक्ति भा सभा एह ग्रन्थन के मनमाना ढंग से चयन ना कइलस। बल्कि, ओकरा के एह कारण से स्वीकार कइल गइल कि ऊ अधिकारपूर्ण रहे भा ओकर सीधा सम्बन्ध कवनो मूल प्रेरित से सिद्ध कइल जा सकत रहे। इहे ग्रन्थ आगे चल के ओह संग्रह के हिस्सा बनल, जेकरा के आज हम नया नियम कहत बानी।

हमनी के एह प्रक्रिया के जानकारी शुरुआती कलीसिया के अगुवन, जिनका के कलीसिया के पिता कहल जाला, उनका लेखन से मिलेला। ई ऊ लोग रहे जे शुरुआती कलीसिया में अगुवाई कइलस आ जिनमें से कुछ लोग खुद मूल प्रेरितन से शिक्षा पवले रहस।

उदाहरण खातिर, यीशु के चेला यूहन्ना ने इग्नातियुस (35–117 ईस्वी) आ पॉलीकार्प (69–155 ईस्वी) के शिक्षा दिहलन। बाद में ई दुनो वर्तमान तुर्की के महत्वपूर्ण नगरन में बिशप बनलन। ओकरा बाद पॉलीकार्प इरिनियुस नाम के एगो भावी अगुवा के शिक्षा दिहलन, जे आगे चल के वर्तमान फ्रांस के ल्यों नगर के बिशप बनलन (130–200 ईस्वी)।

इग्नातियुस, पॉलीकार्प आ इरिनियुस कलीसिया के पितान में गिनल जालन। ऊ लोग आ उनका जइसन दोसरा अगुवन शुरुआती कलीसिया, ओकर शिक्षा, ओकर रीति-नीति आ ओकर सिद्धान्त के विषय में बहुत विस्तार से लिखलन। एह प्राचीन आ प्रभावशाली मसीही अगुवन के उपलब्ध सभ रचना आजुओ सुरक्षित बा आ ओकर अंग्रेजी समेत अनेक भाषा में अनुवाद हो चुकल बा। उनका लेखन हमनी के नया नियम के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी देला, जवना में ई भी शामिल बा कि कवन-कवन ग्रन्थ के शुरुआत से ही पूरा कलीसिया अधिकारपूर्ण मानत रहे। ई सभ बात ओह कलीसियाई सभा के आयोजित होखे से बहुत पहिले के बा, जिनकर उल्लेख अक्सर एह विषय में कइल जाला।

का नया नियम के मूल शब्दन में बदलाव कर दिहल गइल बा?

अब आईं कुछ समय ओह नया नियम के प्रतियन के बारे में विचार करीं, जवन आज हमनी के लगे उपलब्ध बा। का हम एह बात पर भरोसा कर सकेनी कि हमनी के लगे उहे शब्द बा, जेकरा के प्रत्यक्षदर्शी लोग मूल रूप से लिखले रहे? आज पुरान नियम भा नया नियम के कवनो मूल हस्तलिखित पाण्डुलिपि अस्तित्व में नइखे। ई कवनो अचरज के बात नइखे, काहेकि प्राचीन समय के दोसरा कवनो किताब के मूल पाण्डुलिपियो आज उपलब्ध नइखे। ओह समय किताब पपीरस आ चर्मपत्र जइसन अइसन सामग्री पर लिखल जात रहे, जे समय बीते के साथ नष्ट हो जात रहे। एह से आज हमनी के लगे मूल पाण्डुलिपि नइखे, बलुक ओकर प्रतिलिपि बा। एह से असली सवाल ई बा कि, "ई प्रतिलिपियन केतना विश्वसनीय बा?"

आज हमनी के लगे नया नियम के पूरा भा कुछ हिस्सा वाला 24,000 से अधिक हस्तलिखित पाण्डुलिपि उपलब्ध बा। एह प्रतियन के एक-दूसरा से तुलना करके ई जाँचल जा सकेला कि का ऊ सभ एके बात कहत बा आ उनका में केतना समानता बा। प्राचीन संसार के कवनो दोसरा ग्रन्थ पाण्डुलिपियन के एतना बड़ी संख्या के मामला में नया नियम के नजदीको ना पहुँचेला। एकरा बाद जवन ग्रन्थ के स्थान आवेला, ऊ होमर द्वारा लिखल इलियड ह, जेकर खाली 643 हस्तलिखित प्रतिलिपि आज तक सुरक्षित बचल बा।

खाली पाण्डुलिपियन के संख्या ही महत्वपूर्ण नइखे, बलुक ई भी अत्यन्त महत्वपूर्ण बा कि उपलब्ध प्रतिलिपि मूल लेखन के समय से केतना नजदीक के बा। प्रतिलिपि जेतना अधिक मूल लेखन के समय के नजदीक होई, ओतने कम सम्भावना होई कि ओकरा में बदलाव भइल होई। एह दृष्टि से भी बाइबल दोसरा सभ प्राचीन ग्रन्थन से श्रेष्ठ सिद्ध होखेला। होमर के इलियड लगभग 900 ईसा पूर्व लिखल गइल रहे, जबकि ओकर सबसे प्राचीन उपलब्ध प्रतिलिपि लगभग 400 ईसा पूर्व के बा। अर्थात् मूल लेखन आ उपलब्ध प्रतियन के बीच लगभग 500 साल के अन्तर बा। एकरा विपरीत, नया नियम लगभग 40 ईस्वी से 100 ईस्वी

के बीच लिखल गइल, आ ओकर सबसे प्राचीन उपलब्ध प्रतिलिपि लगभग 125 ईस्वी के बा। अर्थात् मूल लेखन आ उपलब्ध प्रतियन के बीच खाली लगभग 25 साल के अन्तर बा।

आज हमनी के लगे उपलब्ध नया नियम के पाठ विलियम शेक्सपीयर के 37 नाटकन के तुलना में कहीं अधिक सुरक्षित अवस्था में बा, जबकि ऊ नाटक सत्रहवीं शताब्दी में लिखल गइल रहस। शेक्सपीयर के हर नाटक में अइसन जगह बा जहाँ मूल पाठ के कुछ हिस्सा लुप्त हो चुकल बा। एह से विद्वान लोग के ओह खाली जगहन के भरे खातिर अनुमान के सहारा लेवे के पड़ेला, काहेकि केहू के ई निश्चित रूप से मालूम नइखे कि मूल पाठ में का लिखल रहे। बाकिर नया नियम के साथे अइसन स्थिति नइखे। ओकर कवनो हिस्सा लुप्त भइल होखे, एकर कवनो प्रमाण नइखे मिलत। उपलब्ध पाण्डुलिपियन के विशाल संख्या खुद एह तथ्य के पुष्टि करेला। एकरा अलावा, शुरुआती कलीसिया के पिता लोग अपना लेखन में नया नियम के एतना बेर उद्धरण दिहले बा कि उनका लेखन में नया नियम के लगभग हर पद के उद्धरण मिल जाला। एह से हम पूरा विश्वास के साथ कह सकेनी कि आज हमनी के लगे जे नया नियम बा, ओकरा में उहे शब्द सुरक्षित बा जे ओकर मूल लेखक लोग लिखले रहे।

का बाइबल गलती आ विरोधाभास से भरल बा?

नया नियम के विश्वसनीयता के खिलाफ सबसे अधिक लगावल जाए वाला आरोप ई बा कि ऊ बहुत सारा गलती आ विरोधाभास से भरल बा। एह विषय पर पूरा चर्चा करे खातिर एह छोट किताब से कहीं अधिक जगह के जरूरत पड़ी। फिर भी, आईं तथाकथित गलती आ विरोधाभास के सम्बन्ध में कुछ महत्वपूर्ण बातन पर विचार करीं।

जइसे कि हम पहिले बतवले बानी, आज उपलब्ध बाइबल के सभ पाण्डुलिपि मूल प्रति ना, बलुक उनका हस्तलिखित प्रतिलिपि ह। छपाई के यंत्र के आविष्कार 1453 ईस्वी तक ना भइल रहे, एह से ओह समय हर प्रति हाथ से लिखल जात रहे। स्वाभाविक रूप से, प्रतिलिपि तैयार करे वाला लेखक लोग लिखत समय कबो-कबो छोट-छोट गलती कर देत रहे। एह कारण अलग-अलग प्रतियन में कुछ पाठांतर, अर्थात् छोट-छोट अन्तर, मिलेला। नया नियम के पाण्डुलिपियन में अइसन पाठांतर लगभग 8 प्रतिशत बा। एह में से अधिकतर खाली वर्तनी भा व्याकरण से सम्बन्धित गलती बा, भा फेर अइसन जगह बा जहाँ कवनो शब्द के क्रम बदल गइल, कवनो शब्द छूट गइल, भा कवनो शब्द गलती से दू बेर लिखल गइल। अइसन गलती के पहचानल आसान बा आ ई मूल अर्थ के कवनो प्रकार से प्रभावित नइखे करत।

कबो-कबो कवनो प्रतिलिपिकार अलग-अलग सुसमाचार में दिहल दू गो विवरण के एक-दूसरा से मिलावे के प्रयास कइलस, भा फेर अइसन कवनो जानकारी जोड़ दिहलस जे ओकरा मालूम

रहे, बाकिर मूल पाठ में ना रहे। उदाहरण खातिर, यूहन्ना अध्याय 7 पद 53 से अध्याय 8 पद 11 तक ओह स्त्री के वर्णन मिलेला जे व्यभिचार करत पकड़ा गइल रहली। बाकिर पाँचवीं शताब्दी से पहिले के उपलब्ध पाण्डुलिपियन में ई घटना नइखे मिलत। फिर भी आज बहुत-से आधुनिक अनुवाद एह विवरण के शामिल करेला, काहेकि ई शुरुआती पाण्डुलिपियन के अनुसार यीशु जे बात सिखवले आ जे कइलन, ओकरा से मेल खाला। अइसन अनुवाद आम तौर पर हाशिया में ई टिप्पणी भी देला कि ई विवरण सम्भवतः बाद में जोड़ल गइल रहे। कबो-कबो प्रतिलिपिकार कवनो पद के अर्थ अउरी साफ करे के उद्‌देश्य से अपना समझ के अनुसार कुछ स्पष्टीकरण जोड़ देत रहस, बाकिर उनकर व्याख्या हर बेर सही ना होत रहे। फिर भी, एह बदलावन के महत्व बहुत कम बा, काहेकि ई ना त घटनन के क्रम बदलत बा आ ना ही मसीही विश्वास के कवनो प्रमुख शिक्षा पर असर डालत बा। एकरा अलावा, हमनी के लगे एतना अधिक प्राचीन पाण्डुलिपि उपलब्ध बा कि हम साफ-साफ देख सकेनी कि बाद में जोड़ल गइल अंशन से पहिले मूल पाठ कइसन रहे।

अब ओह आरोप पर विचार करीं कि बाइबल विरोधाभास से भरल बा। जब हम ध्यान से ओह बातन के जाँच करीं, जिनका के लोग विरोधाभास कहेला, तब हमनी के पता चलेला कि वास्तव में ऊ विरोधाभास नइखे। अधिकतर उदाहरण सुसमाचारन से लिहल जाला, जे चार अलग-अलग लेखक लोग अलग-अलग उद्‌देश्य के ध्यान में रख के लिखले रहे। एह से कवनो लेखक कवनो घटना के अधिक विवरण दिहलस, त कवनो कम; कवनो एगो खास पक्ष पर जोर दिहलस, त दोसरा लेखक दोसरा पक्ष पर। एह कारण उनका विवरण में अन्तर दिखाई देला, बाकिर ई अन्तर विरोधाभास ना ह। आ एक बेर फेर, एह भिन्नता में से कवनो भी ना त घटनन के मूल वर्णन बदलत बा आ ना ही मसीही विश्वास के कवनो मूलभूत शिक्षा पर असर डालत बा।

उदाहरण खातिर, मती अध्याय 8 पद 28 से 34 में लिखल बा कि यीशु गरगेसियन के प्रदेश में दू गो दुष्टात्मा से ग्रस्त मनई के आजाद कइलन, जबकि मरकुस अध्याय 5 पद 1 से 20 आ लूका अध्याय 8 पद 26 से 40 में खाली एगो दुष्टात्मा से ग्रस्त मनई के उल्लेख मिलेला, आ उहाँ जगह के नाम गदरिनियन के प्रदेश बतावल गइल बा। एह तथाकथित विरोधाभासन के जवाब का बा?

जब हम भूगोल से जुड़ल कुछ तथ्यन के जान लीं आ एह विवरणन पर थोड़ा ध्यान से विचार करीं, तब एकर जवाब बहुत सरल हो जाला। ई घटना वास्तव में गदरा नगर के इलाका में घटल रहे। गरगेसा ओही इलाका के एगो दोसरा नगर रहे। एह से गरगेसियन के प्रदेश आ गदरिनियन के प्रदेश, दुनो ओह भौगोलिक इलाका के सामान्य नाम रहस जहाँ ई दुनो नगर स्थित रहस।

एकरा अलावा, मरकुस आ लूका यीशु के मूल बारह प्रेरितन में से ना रहस आ जब यीशु ओह दुष्टात्मा के निकाललन, तब ऊ लोग उहाँ खुद मौजूद ना रहे। बाकिर मती उहाँ मौजूद रहस (मती अध्याय 8 पद 23)। एह से मरकुस आ लूका के विवरण तुलनात्मक रूप से छोट बा, बाकिर ऊ मती के विवरण के विरोध ना करेला।

अगर उहाँ दू गो दुष्टात्मा से ग्रस्त मनई रहस, त ई त निश्चय ही सही बा कि उहाँ एगो मनई भी रहे। एह से मरकुस आ लूका के खाली एगो मनई के उल्लेख कइल कवनो प्रकार के विरोधाभास नइखे। सम्भव बा कि ऊ लोग ओह दुनो में से ओही मनई पर खास ध्यान दिहल होखे, जे अधिक प्रसिद्ध रहे, भा जे दुनो में अधिक उग्र आ हिंसक रहे। एह से एह विवरणन में अन्तर त बा, बाकिर विरोधाभास नइखे।

हम नया नियम पर भरोसा कर सकत बानीं। ना खाली हमनी के लगे अतना ढेर हस्तलिखित पांडुलिपि के रूप में मजबूत प्रमाण मौजूद बा कि ई भरोसा से कहल जा सके कि ओकर मूल शब्द सुरक्षित रूप से हमनी तक पहुँचले बाड़ें, बल्कि हम सर्वशक्तिमान परमेश्वर के सर्वोच्च प्रभुता पर भी भरोसा कर सकत बानीं। उहे परमेश्वर हउवें जे आकाश में तारा आ ग्रह सभ के अतना अद्भुत व्यवस्था आ सटीकता से स्थापित कइले बाड़ें कि आज हमनी के उनकर गतिचक्र के गणना करके ई बता सकत बानीं कि ऊ कवन दिन आ कवन समय फेर से दिखाई दीहें। निश्चय ही, उहे परमेश्वर एह बात के भी सुनिश्चित करे में सामर्थी रहलन कि एह समस्त सृष्टि के सबसे महत्वपूर्ण पुस्तक बिना विकृत भइले हमनी तक सुरक्षित रूप से पहुँच जाए।

अगर रउआँ बाइबल के विश्वसनीयता के विषय में अउरी जानकारी पावे के चाहत बानीं, त नीचे दिहल गइल किताब सभ एह विषय पर बहुत उपयोगी साधन हईं।

• गॉड ब्रीद्ड: द अनडिनाएबल पावर एंड रिलायबिलिटी ऑफ स्क्रिप्चर, लेखक—जोश मैकडॉवेल; बार्बर पब्लिशिंग, इंक., 2015।

• एविडेन्स दैट डिमांड्स अ वर्डिक्ट: लाइफ-चेंजिंग ट्रुथ फॉर अ स्केप्टिकल वर्ल्ड, लेखक—जोश मैकडॉवेल आ डॉ. शॉन मैकडॉवेल; थॉमस नेल्सन, 2017।

• व्हेन क्रिटिक्स आस्क: अ पॉप्युलर हैंडबुक ऑन बाइबल डिफिकल्टीज़, लेखक—नॉर्मन गीसलर आ थॉमस होवे; विक्टर बुक्स, 1992।

• हाउ वी गॉट द बाइबल, लेखक—डॉ. टिमोथी पॉल जोन्स; रोज़ पब्लिशिंग, 2015।

• द केस फॉर क्राइस्ट: अ जर्नलिस्ट्स पर्सनल इन्वेस्टिगेशन ऑफ द एविडेन्स फॉर जीसस, लेखक—ली स्ट्रोबल; ज़ोंडरवन, 2016।

• कोल्ड-केस क्रिश्चियनिटी: अ होमिसाइड डिटेक्टिव इन्वेस्टिगेट्स द क्लेम्स ऑफ द गॉस्पेल्स, लेखक—जे. वॉर्नर वालेस; डेविड सी. कुक, 2013।

कुछ अंतिम विचार।

पिछिला कई बरिसन से हम बहुत लोगन के नियमित आ क्रमबद्ध रूप से बाइबल पढ़े के चुनौती देत आइल बानी। हमरा जानकारी में जेतना लोग एह चुनौती के स्वीकार कइले, ऊ सभ ई गवाही देई कि एह अभ्यास उनकर जीवन के बेहतर बनावे खातिर बदल दिहलस। अगर रउआँ नियमित आ क्रमबद्ध रूप से बाइबल पढ़े वाला बन जइब, खास करके नया नियम के, त एक बरिस बाद रउआँ खुद के एगो बदलल आदमी पइब। जीवन के परिस्थिति सभ के सामना करे खातिर रउआँ के भीतर पहिले से अधिक शान्ति, आनन्द, आत्मविश्वास आ आशा होई।

हालाँकि नियमित रूप से बाइबल पढ़े के आदत विकसित करे आ ओकरा के बनवले रखे में कुछ प्रयास जरूर लागेला, बाकिर एकर प्रतिफल बहुते मूल्यवान बा। जब ई रउआँ के आदत बन जाए, त रउआँ अपना पढ़े के तरीका में भी बदलाव कर सकत बानी। ई बात हमेशा याद रखीं कि उद्देश्य ई बा कि नया नियम के हर किताब के आरम्भ से अंत तक यथासम्भव कम समय में पूरा पढ़ लिहल जाए।

बहुत बरिस पहिले, जब हम नियमित रूप से बाइबल पढ़े लागनी, तब हम अपना खातिर एगो खास क्रम तय कइनी। हम पहिले कवनो एगो सुसमाचार के आरम्भ से अंत तक पढ़त रहनी, आ ओकरा बाद हर पत्री के भी आरम्भ से अंत तक पढ़त रहनी। फेर हम अगिला सुसमाचार पर जात रहनी आ ओकरा बाद फेर से सभ पत्रियन के पढ़त रहनी। जब चारो सुसमाचार पूरा हो गइल, तब हम प्रेरितन के काम पढ़नी आ ओकरा बाद फेर से सभ पत्रियन के पढ़नी। एगो अइसन सेवक, जिनका हम बहुत सम्मान करत रहनी, हमरा से कहलन कि पत्रियन के खास तौर पर मसीहियन लोगन के ई सिखावे खातिर लिखल गइल बा कि ओह लोग के का विश्वास करे के चाहीं आ कइसन जीवन जीए के चाहीं। एही कारण से हम पत्रियन के बार-बार पढ़े के निर्णय कइनी।

कई बरिस तक हम प्रकाशितवाक्य के किताब ना पढ़नी, काहेकि ओकर बात सभ हमरा समझ में ना आवत रहे। बाद में, जब मसीही विश्वास के मूल शिक्षा सभ आ यीशु के दूसरा आगमन के विषय में हमरा समझ बढ़ गइल, तब हम ओह किताब पर फेर से वापस अइनी।

अगर कवनो समय रउआँ के नियमित पढ़े के आदत टूट जाए आ कुछ समय तक रउआँ बाइबल ना पढ़ पाईं, त निराश होके हार मत मानीं। बस फेर से शुरू कर दीं। परमेश्वर रउआँ से क्रोधित नइखन। रउआँ बाइबल एह खातिर ना पढ़त बानी कि परमेश्वर से कवनो खास कृपा या इनाम हासिल कर सकीं। अपना प्रयासन से रउआँ उनकर प्रेम या अनुग्रह कमा ना सकीं। मसीह में विश्वास के द्वारा रउआँ पहिले से ही उनकर बेटा या बेटी बन चुकल बानी, आ उनकर प्रेम आ अनुग्रह रउआँ के पहिले से प्राप्त बा। रउआँ बाइबल एह खातिर पढ़त

बानी कि रउआँ उनकरा के अउरी गहराई से जान सकीं, आ उनकर वचन आ उनकर पवित्र आत्मा के द्वारा ऊ रउआँ के जीवन में ऊ बदलाव पैदा कर सकसें जे ऊ चाहत बाड़न।

नियमित रूप से बाइबल पढ़ल ना खाली प्रभु के साथ रउआँ के संबंध के अउरी गहिरा करी आ रउआँ के मसीह के स्वरूप के समान बने में सहायता करी, बल्कि रउआँ नीचे लिखल परिणामन के भी अपेक्षा कर सकत बानी।

• नियमित अध्ययन रउआँ के एह जीवन के सही दृष्टिकोण से देखे में सहायता करी। हम एह संसार में खाली कुछ समय खातिर यात्री बानीं, आ हमार महान आ उत्तम भविष्य अभी हमनी के सामने बा। जब ई सत्य रउआँ के जीवन के दृष्टिकोण बन जाई, तब डर रउआँ के जीवन से दूर होखे लागी, काहेकि रउआँ जानब कि रउआँ के आगे एगो महिमामय आ धन्य अंत रउआँ के बाट जोहत बा। तब जीवन के परिस्थिति रउआँ के ओइसन विचलित ना कर पाई जइसन पहिले करत रहे।

• नियमित अध्ययन रउआँ के विचार आ भावनन के सही दिशा दी। ई खाली रउआँ के व्यक्तिगत संघर्ष आ कठिनाइयन के सामना करे में सहायता ना करी, बल्कि ओह बढ़त अव्यवस्था आ अशान्ति के बीच भी रउआँ के स्थिर रखी, जे प्रभु यीशु के फेर से आवे के समय नजदीक आवत जाई, ओइसहीं संसार में बढ़त जाई। एह समय जब धार्मिक धोखा लगातार बढ़ रहल बा, परमेश्वर के वचन रउआँ के झूठी शिक्षा सभ के पहचान करे के समझ दी।

• नियमित अध्ययन रउआँ के सही प्राथमिकता तय करे सिखाई। अनन्त बातन के महत्व अस्थायी आ नश्वर बातन से कहीं अधिक बा। सबसे महत्वपूर्ण बात ई बा कि लोग यीशु मसीह के द्वारा मिले वाला उद्धार के ज्ञान तक पहुँचस। जहाँ-जहाँ परमेश्वर हमनी के संसार में रखले बाड़न, उहाँ हमनी के मसीह के प्रकाश चमकावे के बा। आ जब परमेश्वर के वचन रउआँ के मन आ हृदय पर राज्य करी, तब रउआँ ओकर प्रकाश प्रकट कइले बिना रहिए ना पइब।

सबसे महान उपहार जे रउआँ अपना के आ ओह लोगन के दे सकत बानी जिनकर जीवन पर रउआँ के प्रभाव बा, ऊ ई बा कि रउआँ नया नियम के नियमित आ क्रमबद्ध पाठक बन जाईं। अब अउरी समय बरबाद मत करीं। आजे से शुरू करीं।

नया नियम के किताबन के संक्षिप्त सारांश।

नए नियम के ग्रंथ ओह क्रम में व्यवस्थित नइखन जे क्रम में ऊ लिखल गइल रहलें। हमनी के ई निश्चित रूप से मालूम नइखे कि वर्तमान क्रम में केहू उनकरा के कइसे व्यवस्थित कइल, बाकिर ई क्रम एगो साफ आ तर्कसंगत व्यवस्था के प्रकट करेला। नया नियम के शुरुआत चार गो सुसमाचार से होला, ओकरा बाद प्रेरितन के काम के किताब आवेला, आ फेर पत्रियन के क्रम आवेला। सुसमाचार यीशु के जीवन के वृत्तांत हवे, जेकरा के अइसन लोग लिखल जे या त खुद उनका के भली-भाँति जानत रहे, या अइसन लोगन से जानकारी पवले रहे जिनकर यीशु से व्यक्तिगत संपर्क रहल रहे। प्रेरितन के काम के किताब यीशु के पहिला अनुयायी लोगन के कामन के ऐतिहासिक विवरण देला, जब ऊ लोग उनका पुनरुत्थान के संदेश सुनावे खातिर अलग-अलग जगह पर गइल। पत्रियाँ ओह कलीसिया सभ खातिर लिखल गइल रहलीं जे प्रेरितन के काम में वर्णित समय के दौरान स्थापित भइल रहलीं। नया नियम के समापन प्रकाशितवाक्य के किताब से होला, जवना में यीशु के दूसरा आगमन आ परमेश्वर के अपना परिवार खातिर बनावल योजना के पूर्णता के वर्णन बा।

सुसमाचार आ प्रेरितन के काम।

चारो सुसमाचार के नाम उनकर लेखक लोग—मती, मरकुस, लूका आ यूहन्ना—के नाम पर रखल गइल बा। सुसमाचार शब्द के मतलब बा “शुभ समाचार”। एह किताबन के लेखक लोग खुद अपना रचना के सुसमाचार ना कहलस। एह किताबन खातिर “सुसमाचार” शब्द के प्रयोग दूसरा शताब्दी के उत्तरार्ध में शुरू भइल।

ई ग्रंथ यीशु के जन्म से लेके उनका स्वर्गारोहण तक के जीवन के ऐतिहासिक विवरण प्रस्तुत करेला। चारो सुसमाचार मूल रूप से एके घटनाक्रम के वर्णन करेला। एह में बतावल गइल बा कि यीशु अपना के यहूदी लोगन के सामने पुरान नियम के ओह भविष्यवाणियन के पूरा होखेवाला बतौर प्रस्तुत कइलन, जिनमें आवे वाला उद्धारकर्ता के प्रतिज्ञा कइल गइल रहे। ऊ परमेश्वर के राज्य नजदीक आ गइल बा, ई प्रचार करत अनेक आश्चर्यकर्म आ चंगाई के काम कइलन। शुरुआत में बहुत लोग उनका के स्वीकार कइल, बाकिर बाद में अधिकतर लोग उनका के अस्वीकार कर दिहल। आखिर में यीशु के रोमी शासन के अधिकारियन के हाथ में सौंप दिहल गइल, उनका के क्रूस पर चढ़ावल गइल आ दफना दिहल गइल। बाकिर तीन दिन बाद ऊ मुवल लोगन में से जी उठलन।

चारो सुसमाचार में यीशु के शुरुआती जीवन के विषय में बहुत कम विवरण दिहल गइल बा, बाकिर हर सुसमाचार उनका क्रूस पर चढ़ावल जाए से पहिले के आखिरी सप्ताह पर खास जोर देला। प्राचीन समय में जीवन-वृत्तांत लिखे के तरीका आज के जीवनी लिखे के तरीका से

अलग रहे। ओह समय के लेखक लोग कवनो व्यक्ति के जीवन के हर काल के बराबर महत्व ना देत रहे। बचपन आ शुरुआती विकास के बरिसन के खास महत्व ना दिहल जात रहे। एही से उनकर अधिकतर लेखन ओह व्यक्ति के वयस्क जीवन के सबसे महत्वपूर्ण घटनन पर केन्द्रित रहत रहे। एही कारण सुसमाचारन में यीशु के लगभग तीन बरिस के सेवकाई, उनकर मृत्यु आ पुनरुत्थान पर खास जोर दिहल गइल बा।

हालाँकि चारो सुसमाचार मूल रूप से एके घटनाक्रम के वर्णन करेला, एही से कुछ सामग्री एक-दूसरा से मिलत-जुलत बा, बाकिर हर सुसमाचार अलग प्रकार के पाठक लोग के ध्यान में रखके आ एगो खास उद्देश्य से लिखल गइल बा। जब चारो सुसमाचार के एक साथ जोड़के एह तरीका से व्यवस्थित कइल जाला कि सभ घटना क्रम से आ जाव आ कवनो बात दोहरावल या छोड़ल ना जाव, तबो यीशु के सेवकाई के खाली लगभग पचास दिन के विस्तृत विवरण मिलेला। हालाँकि एह लेखक लोग के लगे लिखे खातिर बहुते अधिक सामग्री मौजूद रहे, बाकिर पवित्र आत्मा के प्रेरणा से ऊ लोग खाली उहे बात लिखल जेकरा से लोग के ई विश्वास होखे कि यीशु ही परमेश्वर, हमनी के प्रभु आ उद्धारकर्ता हउवें।

“ई उहे चेला हवे जे एह बातन के गवाही दिहलस आ ई बातन के लिखलस। आ हमनी के जानत बानीं कि ओकर गवाही साँच बा। यीशु अउरी भी बहुत काम कइलन। अगर ओह में से हर एगो के विस्तार से लिखल जात, त हमरा विचार से जे किताब सभ लिखल जात, उनका खातिर पूरा संसार में भी जगह पर्याप्त ना पड़ित” (यूहन्ना अध्याय 21 पद 24 आउर 25)।

“बाकिर ई बात सभ एह खातिर लिखल गइल बा कि रउआँ विश्वास करीं कि यीशु ही मसीह, परमेश्वर के बेटा हउवें, आ विश्वास करके उनका नाम से जीवन पाईं” (यूहन्ना अध्याय 20 पद 31)।

मती के सुसमाचार (58–68 ईस्वी)।

मती अपना सुसमाचार मुख्य रूप से यहूदी पाठक लोग खातिर लिखलन, ताकि ऊ लोग ई विश्वास कर सके कि यीशु उहे मसीह हउवें जिनकर प्रतिज्ञा पुरान नियम के भविष्यवक्ता लोग कइले रहल। उनकर सुसमाचार नया नियम के शुरुआत में एह खातिर नइखे रखल गइल कि ई सबसे पहिले लिखल गइल रहे; बल्कि एह खातिर कि ई साफ-साफ देखावेला कि यीशु के पुरान नियम से केतना गहिरा संबंध बा। मती बाकी सुसमाचार लेखक लोग के तुलना में पुरान नियम के अधिक उद्धरण देलन आ ओकर भविष्यवाणियन के ओर अधिक संकेत कइलन। ऊ मसीह के इस्राएल के उद्धारकर्ता आ राजा के रूप में प्रस्तुत करेलन, जे भविष्यवाणियन के पूर्णता हउवें। भविष्यवक्ता लोग के लेख के आधार पर पहिला शताब्दी के

यहूदी लोग एह बात के बाट जोहत रहे कि मसीह आके पृथ्वी पर अपना राज्य स्थापित करीहें। एही से "परमेश्वर के आवे वाला राज्य" मती के सुसमाचार के एगो प्रमुख विषय बा।

मरकुस के सुसमाचार (55–65 ईस्वी)।

सम्भवतः मरकुस के सुसमाचार सभसे पहिले लिखल गइल रहे। ई चारो सुसमाचार में सभसे छोट आ सभसे सरल बा आ एह में शिक्षा के तुलना में कामन पर अधिक जोर दिहल गइल बा। मरकुस अपना सुसमाचार अन्यजाति, अर्थात् गैर-यहूदी रोमी पाठक लोग खातिर लिखलन, ताकि ऊ लोग ई विश्वास कर सके कि यीशु वास्तव में परमेश्वर हउवें। रोमी लोग प्रभावशाली कामन से प्रभावित होत रहे, एही से मरकुस यीशु के सामर्थी काम करे वाला अइसन पुरुष के रूप में प्रस्तुत कइलन, जे अनेक आश्चर्यकर्म कइलन आ अपना पुनरुत्थान के द्वारा मृत्यु पर विजय प्राप्त कइलन। ऊ यीशु के बचपन के विषय में कवनो विवरण ना दिहलन, काहेकि अइसन जानकारी उनका रोमी पाठक लोग खातिर खास महत्व ना रखत रहे। ओइसहीं ऊ पुरान नियम से बहुते कम उद्धरण दिहलन, कवनो वंशावली प्रस्तुत ना कइलन, आ ना ही यहूदी व्यवस्था या रीति-रिवाज के विशेष उल्लेख कइलन, काहेकि अइसन बात गैर-यहूदी रोमी पाठक लोग खातिर अधिक अर्थपूर्ण ना होत रहे।

लूका के सुसमाचार (60–68 ईस्वी)।

लूका के सुसमाचार एगो विस्तृत ग्रंथ के पहिला हिस्सा हवे, जे दू गो भाग में लिखल गइल रहे आ जवना के ऊ थियोफिलुस नाम के एगो आदमी खातिर लिखलन। एकर उद्देश्य रहे कि ओकरा ई विश्वास हो जाए कि यीशु के जीवन, उनकर मृत्यु आ उनकर पुनरुत्थान से जुड़ल घटना सभ ऐतिहासिक रूप से साँच आ भरोसेमंद हईं। सम्भवतः थियोफिलुस एगो अन्यजाति के नया विश्वासी रहे, आ लूका, जे खुद भी सम्भवतः अन्यजाति के रहले, एह बात पर खास जोर देलन कि यीशु खाली यहूदी लोग के ही ना, बल्कि यहूदी आ अन्यजाति दुनो के उद्धारकर्ता हउवें।

लूका के सुसमाचार बाकी तीनो सुसमाचार के तुलना में अधिक विस्तृत बा, आ एह में आधा से अधिक सामग्री अइसन बा जे खाली एही सुसमाचार में मिलेला। एह में यीशु के वंशावली, उनकर जन्म आ उनकर शुरुआती जीवन के बहुत सारा अइसन विवरण दिहल गइल बा जे बाकी सुसमाचार में नइखे मिलत। एकरा अलावा, एह में स्त्री लोग, लइका लोग आ यहूदी समाज द्वारा तिरस्कृत लोगन के साथ प्रभु यीशु के व्यवहार आ संबंधन के भी खास रूप से वर्णन मिलेला। अपना ग्रंथ में बहुत अधिक अइसन विवरण शामिल करे के कारण जिनकर ऐतिहासिक रूप से जाँच-पड़ताल कइल जा सकेला, लूका एगो भरोसेमंद इतिहासकार के रूप में

प्रतिष्ठा पवले बाड़न, यहाँ तक कि अइसन विद्वान लोग के बीचो, जे ई विश्वास ना करेला कि यीशु परमेश्वर हउवें।

यूहन्ना के सुसमाचार (80–90 ईस्वी)।

यूहन्ना के सुसमाचार बाकी तीनो सुसमाचार से साफ रूप से अलग बा। मती, मरकुस आ लूका लगभग एके समय में लिखल गइल रहलें। ओह में बहुत सारा सामग्री एक-दूसरा से मिलत-जुलत बा आ ऊ लोग यीशु के जीवन आ सेवकाई के लगभग एके दृष्टिकोण से वर्णन करेला। बाकिर यूहन्ना अपना सुसमाचार लगभग बीस से तीस बरिस बाद लिखलन, ताकि पहिले से लिखल गइल सुसमाचारन के पूर्ति कइल जा सके। उनका सुसमाचार के लगभग बानबे प्रतिशत सामग्री खाली ओही में मिलेला।

जब यूहन्ना अपना सुसमाचार लिखलन, ओह समय कुछ झूठा शिक्षक ई सिखावे लागल रहलें कि मसीह ना त वास्तव में परमेश्वर हउवें आ ना ही ऊ सचमुच मनुष्य के रूप में देहधारी भइलन। एह गलत शिक्षा सभ के उत्तर देवे खातिर यूहन्ना अपना सुसमाचार सभ लोग खातिर लिखलन। हालाँकि बाकी सुसमाचार लेखक लोग भी यीशु के देहधारी परमेश्वर के रूप में प्रस्तुत करेला, बाकिर यूहन्ना खास तौर पर उनकर परमेश्वरत्व पर सभसे अधिक जोर देलन। उनकर सुसमाचार ऐतिहासिक विवरण के अपेक्षा अधिक धर्मवैचारिक बा आ एकर मुख्य उद्देश्य परमेश्वर के स्वरूप आ उनकर योजना के प्रकट कइल बा। प्रेरित यूहन्ना यीशु के जीवन के अइसन घटना सभ के चुनलन जे खास रूप से ई प्रमाणित करेला कि यीशु देहधारी परमेश्वर हउवें—अर्थात् परमेश्वर, जे मनुष्य के रूप धारण कइलन, बाकिर अइसन करत समय भी परमेश्वर होखल कबो ना छोड़लन।

प्रेरितन के काम के किताब (60–68 ईस्वी)।

प्रेरितन के काम के किताब थियोफिलुस खातिर लूका द्वारा लिखल गइल दू-भाग वाला ग्रंथ के दूसरा हिस्सा हवे। एकर उद्देश्य भी ईहे रहे कि थियोफिलुस के पूरा विश्वास हो जाए कि यीशु मसीह पर ओकर विश्वास व्यर्थ नइखे। लूका एह किताब के शुरुआत एह बात से करेलन कि पुनर्जीवित प्रभु यीशु "चालीस दिन तक समय-समय पर प्रेरितन के दिखाई देत रहलन आ अनेक प्रमाणन के द्वारा उनका ई विश्वास दिलावत रहलन कि ऊ वास्तव में जीवित बाड़न" (प्रेरितन के काम अध्याय 1 पद 3)।

एकरा बाद लूका ओही जगह से घटना सभ के वर्णन आगे बढ़ावेलन जहाँ उनकर सुसमाचार समाप्त भइल रहे। ऊ बतावेलन कि कइसे पवित्र आत्मा अइलन आ यीशु के पहिला अनुयायी लोगन के सामर्थ दिहलन, ताकि ऊ लोग आगे बढ़के उनका विषय में गवाही दे सके। प्रेरितन

के काम के किताब एह बात के ऐतिहासिक विवरण प्रस्तुत करेला कि कइसे यीशु के पुनरुत्थान के शुभ समाचार पूरा रोमी साम्राज्य में फैलत गइल।

एह किताब के पहिला बारह अध्याय में प्रेरित लोगन के सेवकाई के वर्णन बा। ऊ लोग सभसे पहिले यरूशलेम नगर में प्रचार कइल, आ फेर उनकर काम यहूदिया आ सामरिया तक फैल गइल, जे यरूशलेम के पश्चिम आ उत्तर-पश्चिम के इलाका रहलें। यरूशलेम के कलीसिया में पतरस आ याकूब प्रमुख अगुवा बन गइल रहलें।

अध्याय 13 से लेके किताब के अंत तक मुख्य रूप से प्रेरित पौलुस के सेवकाई के वर्णन कइल गइल बा। पौलुस यीशु के पुनरुत्थान के कुछ बरिस बाद मसीह पर विश्वास करे लागलन, आ प्रभु यीशु खुद उनका के अन्यजातियन के लगे भेजे खातिर नियुक्त कइलन। पौलुस ओह समय के ज्ञात संसार के अनेक हिस्सा में यात्रा कइलन आ मसीह पर विश्वास के द्वारा मिले वाला उद्धार के संदेश पूरा रोमी साम्राज्य में पहुँचवलन। प्रेरितन के काम के किताब के अंतिम हिस्सा एशिया माइनर, अर्थात् आज के तुर्की, आ यूनान में पौलुस द्वारा कइल गइल तीन अलग-अलग मिशनरी यात्रा के विवरण प्रस्तुत करेला।

पत्रियाँ।

प्रेरितन के काम के किताब में बतावल गइल समय के दौरान जब अलग-अलग जगह पर विश्वासी लोगन के समुदाय, अर्थात् कलीसिया, स्थापित होखे लागल, तब प्रेरित लोग अनुभव कइल कि एह कलीसिया सभ के साथ लगातार संपर्क में रहना जरूरी बा। नया विश्वासी लोगन के ओह उद्धार के विषय में अउरी शिक्षा के जरूरत रहे जे यीशु अपना मृत्यु आ पुनरुत्थान के द्वारा दिहले रहलन। साथ ही, उनका लोगन के ई भी सीखे के रहे कि प्रलोभन आ तरह-तरह के आकर्षण से भरल एह संसार में परमेश्वर के प्रसन्न करे वाला जीवन कइसे जियल जाव। एकरा अलावा, विश्वास आ आचरण से जुड़ल बहुत सारा सवाल भी उठे लागल रहलें, जिनकर जवाब देल जरूरी रहे। एही जरूरतन के पूरा करे खातिर नया नियम के इक्कीस गो पत्रियाँ लिखल गइल।

पत्रियन के अक्सर पत्र कहल जाला, बाकिर ऊ ओह अर्थ में पत्र ना हईं जइसन हमनी आज आम तौर पर समझत बानीं। वास्तव में ई लिखित उपदेश या शिक्षा देवे वाला प्रवचन हईं। जब कवनो लेखक खुद उपस्थित होके अपना संदेश ना दे सकत रहे, तब ऊ एगो पत्री भेजत रहे। एह उपदेशन के एह उद्देश्य से लिखल जात रहे कि ओकरा के लोगन के समूह के सामने ऊँच आवाज में पढ़के सुनावल जाव। लेखक ई अपेक्षा करत रहे कि ओकर कवनो सहकर्मी पत्री के विषयवस्तु सभा के सामने पढ़ी या सुनाई। ई ग्रंथ ओह व्यक्ति लोग आ विश्वासी समुदायन खातिर भेजल गइल रहलें, जिनका पहिले से ही, अक्सर ओही लेखक

द्वारा, कुछ शिक्षा दिहल जा चुकल रहे। एही से एह में लिखल बातन उनका खातिर पूरा तरह से नया ना रहल। ऊ लोग पहिले से ही उनकर पृष्ठभूमि आ संदर्भ समझत रहे।

पत्रियन में जिन विषय सभ पर चर्चा कइल गइल बा, ओह में से कुछ आज हमनी के अपरिचित या असामान्य लाग सकेला। बाकिर हमनी के ई याद रखे के चाहीं कि एह लेखक लोग वास्तविक लोगन के उनकर वास्तविक जीवन के परिस्थिति सभ के विषय में लिखत रहे। ऊ परिस्थिति ओह संस्कृति के कारण पैदा भइल रहल जेह में ऊ नया विश्वासी लोग रहत रहे। उदाहरण खातिर, पूरा रोमी साम्राज्य में अइसन बाजार रहलें जहाँ ऊ मांस बिकत रहे जे अलग-अलग देवता लोग खातिर बलि चढ़वला के बाद बाजार में लावल जात रहे। एही से ई सवाल उठल कि का कवनो मसीही खातिर मूर्ति के चढ़ावल मांस खाइल उचित बा कि ना। एगो अउरी महत्वपूर्ण सवाल तब उठल जब सुसमाचार के प्रचार यहूदी लोग से आगे बढ़के अन्यजाति लोग तक पहुँच गइल। तब ई विवाद सामने आ गइल कि का अन्यजाति विश्वासी लोग खातिर भी मूसा के व्यवस्था के पालन जरूरी बा, जे यहूदी लोग के जीवन के आधार रहे। आज ई दुनो विषय हमनी के बहुत महत्वपूर्ण ना लागे, बाकिर ओह समय आ ओह संस्कृति में ई बहुते गंभीर आ महत्वपूर्ण सवाल रहल।

पत्रियन में ओह झूठी शिक्षा आ विधर्मन के भी जवाब दिहल गइल बा जे कलीसिया के स्थापना के तुरते बादे फैलल शुरू हो गइल रहल। कुछ लोग, जिनका यहूदीवादी कहल जात रहे, ई शिक्षा देत रहे कि अन्यजाति लोग के उद्धार पावे खातिर मूसा के व्यवस्था के पालन करना अनिवार्य बा। ऊ लोग अन्यजाति विश्वासी लोग के दोसर दर्जा के मसीही मानत रहे, जवना के कारण यहूदी आ अन्यजाति विश्वासी लोगन के बीच तनाव आ मतभेद पैदा हो गइल।

एही समय एगो अउरी झूठी शिक्षा विकसित होखे लागल, जवना के बाद में ज्ञानवाद कहल गइल। ज्ञानवादी शिक्षक लोग दावा करत रहे कि उद्धार खाली कुछ चुनल लोगन के कवनो गुप्त ज्ञान के द्वारा मिलेला। ऊ लोग पाप, दोष या विश्वास के विषय में कुछ ना सिखावत रहे। ऊ लोग मानसिक ज्ञान आ बौद्धिक विकास पर बहुत अधिक जोर देत रहे आ ई घोषणा करत रहे कि भौतिक संसार आ पदार्थ स्वभाव से ही खराब बा। अइसन मान्यता के कारण ऊ लोग ई बात अस्वीकार कर दिहल कि यीशु वास्तव में मनुष्य के रूप में देहधारी भइल रहलन, आ ऊ लोग उनका शारीरिक पुनरुत्थान के भी इन्कार कइल।

पौलुस के पत्रियाँ।

यीशु के स्वर्ग पर आरोहित होखे के बाद सुसमाचार के प्रचार-प्रसार में प्रेरित पौलुस सभसे प्रमुख सेवक लोगन में से एगो रहलन। एही कारण से नया नियम में उनकर तेरह गो पत्रियाँ

सभसे पहिले रखल गइल बाड़ीं। उनकर पत्रियन के नाम ओह कलीसिया या व्यक्ति लोग के नाम पर रखल गइल बा जिनका खातिर ऊ लिखल गइल रहलें, आ उनकर क्रम सामान्य रूप से ओह जगह या व्यक्ति के महत्व के अनुसार रखल गइल बा। इब्रानियों के पत्री पौलुस के बाकी पत्रियन के अंत में रखल गइल बा, काहेकि हालाँकि एह पत्री में लेखक अपना नाम ना लिखले बा, फिर भी अधिकतर विद्वान लोग के मत बा कि एकर लेखक पौलुस ही रहलन।

जब पौलुस के परिवर्तन के समय प्रभु यीशु उनकरा पर प्रकट भइल रहलन, तब ऊ उनका से कहलन कि ऊ आगे भी उनकरा पर प्रकट होखीहें आ अउरी बात बतइहें (प्रेरितन के काम अध्याय 26 पद 18; गलतियों अध्याय 1 पद 11 आउर 12)। बाद के अवसरन पर प्रभु यीशु फेर पौलुस पर प्रकट भइलन आ उनका के परमेश्वर के योजना से संबंधित बहुत अइसन रहस्य प्रकट कइलन, जेकरा ऊ आगे चलके अपना प्रचार आ पत्रियन में लिखलन। इहाँ रहस्य शब्द के अर्थ अइसन बात से बा जे पहिले परमेश्वर के योजना आ उद्देश्य में प्रकट ना कइल गइल रहे।

एह रहस्यन में मसीह के साथ विश्वासी के एकता, मसीह के देह के रूप में कलीसिया, यीशु के दूसरा आगमन से पहिले विश्वासी लोग के उठा लिहल जाना, जवना के सामान्य रूप से हरण कहल जाला, आ पुनरुत्थान के बाद मिले वाला महिमामय शरीर के स्वरूप शामिल बा (कुलुस्सियों अध्याय 1 पद 26 आउर 27; इफिसियों अध्याय 5 पद 30 से 32; 1 कुरिन्थियों अध्याय 15 पद 51 आउर 52)। एह विशेष प्रकाशनन के कबो-कबो पौलुस के दिहल प्रकाशन भी कहल जाला।

रोमियों की पत्री (57 ईस्वी)।

रोम रोमी साम्राज्य के राजधानी आ ओकर सभसे बड़ आ सभसे महत्वपूर्ण नगर रहल। प्रेरितन के काम के किताब ई ना बतावेला कि रोम के कलीसिया के स्थापना कइसे भइल। सभसे अधिक स्वीकार कइल जाए वाला मत ई बा कि एशिया माइनर आ यूनान में पौलुस के सेवकाई के द्वारा जे लोग विश्वासी बनल रहलें, ओह में से कुछ लोग रोम जा के बस गइलें आ उहाँ एगो कलीसिया के स्थापना कइलें। पौलुस खुद अबहीं ले रोम ना गइल रहलन, बाकिर उहाँ के विश्वासी लोगन से मिले के उनकर बहुत तीव्र इच्छा रहे। एही से एह यात्रा के तैयारी के रूप में ऊ ई पत्री लिखलन।

रोमियों के पत्री पौलुस के सभसे लमहर आ सभसे व्यवस्थित पत्री ह, जवना में ऊ ओह संदेश के विस्तार से प्रस्तुत कइलन जवना के ऊ हर जगह प्रचार करत रहलन। ऊ बहुत सावधानी से समझवलन कि हर मनुष्य, चाहे ऊ यहूदी होखे या अन्यजाति, पवित्र परमेश्वर के सामने पापी आ दोषी बा। एकरा बाद ऊ बतवलन कि हर व्यक्ति मसीह पर विश्वास करे के द्वारा

परमेश्वर के धार्मिकता प्राप्त कर सकेला। पौलुस ई भी विस्तार से समझवलन कि जे व्यक्ति मसीह पर विश्वास करे के द्वारा धर्मी ठहरावल गइल बा, ऊ अपना भीतर वास करे वाला पवित्र आत्मा के सामर्थ से पवित्रीकरण के प्रक्रिया में आगे बढ़ सकेला आ धार्मिक जीवन जी सकेला। आखिर में ऊ बतवलन कि परमेश्वर के ई धार्मिकता विश्वासी लोगन के रोज के जीवन में कइसे प्रकट होखे के चाहीं।

कुरिन्थियों के नाम पहिला पत्री (55–57 ईस्वी)।

कुरिन्थुस दक्खिनी यूनान के सभसे समृद्ध व्यापारिक नगर रहल आ अखैया प्रान्त के राजधानी भी रहल। हालाँकि अविश्वासी यहूदी लोगन के ओर से पौलुस के बहुत तीव्र विरोध के सामना करे के पड़ल, फिर भी उनकर सेवकाई खास करके अन्यजाति लोगन के बीच बहुत फलदायी रहल। अपना दूसरा मिशनरी यात्रा के दौरान ऊ कुरिन्थुस में एगो कलीसिया के स्थापना कइलन आ उहाँ डेढ़ बरिस ले रह के विश्वासी लोगन के उनकर नया विश्वास के शिक्षा देत रहलन (प्रेरितन के काम अध्याय 18 पद 1 से 18)।

जब पौलुस उहाँ से आगे बढ़ गइलन, तब कुरिन्थुस से आइल कई लोग उनका के कलीसिया के चिन्ताजनक परिस्थिति के विषय में बतवलें। उहाँ फूट, आपसी मुकदमा आ अनैतिकता जइसन समस्या पैदा हो गइल रहे। साथ ही, ऊ लोग विवाह, कुँवारा लोग आ विधवा लोग के स्थिति, मूर्ति के चढ़ावल मांस खाए, कलीसिया में स्त्री लोग के आचरण, प्रभु भोज मनावे के तरीका, आत्मिक वरदानन के उपयोग आ मरल लोगन के पुनरुत्थान जइसन अनेक विषय पर सवाल भी पूछलें। पौलुस एह समस्यन के समाधान करे आ उनकर सवालन के जवाब देवे खातिर ई पत्री लिखलन।

कुरिन्थियों के नाम दुसरका पत्री (55–57 ईस्वी)।

कुछ समय बाद पौलुस के एगो सहकर्मी उनका के कुरिन्थुस के कलीसिया के विषय में उत्साह बढ़ावे वाला समाचार दिहलस। अधिकतर विश्वासी लोग पौलुस के शिक्षा आ सुधार के स्वीकार कर लिहले रहलें आ अपना आचरण में बदलाव ले आइल रहलें। हालाँकि एगो छोट विद्रोही समूह अबहियो उनकर प्रेरिताई अधिकार के स्वीकार ना करत रहे, फिर भी पौलुस दुसरका पत्री मुख्य रूप से एह उद्देश्य से लिखलन कि जे विश्वासी लोग मन फिरवले रहलें, उनकरा प्रति आपन कृतज्ञता प्रकट कर सकस।

एह पत्री में ऊ अपना आचरण आ चरित्र के बचाव कइलन आ अपना जीवन से जुड़ल कुछ अइसन बात भी बतवलन जे खाली एह पत्री में मिलेला, जवना में स्वर्ग के उनकर अद्भुत

दर्शन के उल्लेख भी शामिल बा। पौलुस के सभ पत्रियन में ई सभसे अधिक व्यक्तिगत आ सभसे कम सिद्धान्त संबंधी पत्री मानल जाला।

गलतियों की पत्री (48–49 ईस्वी)।

ई पत्री एशिया माइनर के रोमी प्रान्त गलातिया (वर्तमान तुर्की) में स्थित अनेक कलीसियन खातिर लिखल गइल रहे। पौलुस अपना पहिला मिशनरी यात्रा के दौरान एह कलीसियन के स्थापना कइले रहलन (प्रेरितन के काम अध्याय 13 पद 4 से अध्याय 14 पद 28 तक)। ओह क्षेत्र में पौलुस आ उनका सहकर्मी लोगन के सेवकाई खास करके अन्यजाति लोगन के बीच बहुत फलदायी रहल।

बाकिर जब पौलुस गलातिया से आगे बढ़ गइलन, तब कुछ अविश्वासी यहूदी उहाँ पहुँचलें। ऊ लोग पौलुस के प्रेरिताई पर सवाल उठावे लागल आ ई शिक्षा देवे लागल कि अगर अन्यजाति लोग परमेश्वर के साथ सही संबंध में रहे के चाहत बा, त उनका खतना करवावल आ मूसा के व्यवस्था के पालन कइल अनिवार्य बा। एह झूठी शिक्षा के खण्डन करे आ विश्वासी लोगन के साँच सुसमाचार ओर लवटे खातिर प्रोत्साहित करे के उद्देश्य से पौलुस ई पत्री लिखलन।

फिलिप्पियों, इफिसियों, कुलुस्सियों आ फिलेमोन के पत्रियाँ (60–63 ईस्वी)।

पौलुस एह चारों पत्रियन के रचना लगभग एके समय आ एके जगह से कइलन। ओह समय ऊ रोम में अपना घर में नजरबंद कैदी के रूप में बंदी रहलन आ मसीह में अपना विश्वास के कारण उनका के मृत्युदण्ड दिहल जाए के भी सम्भावना रहे। एह बन्धन के समय में अलग-अलग कलीसियन से कई लोग उनका से मिले आइल। उनकरा द्वारा ले आइल चिन्ता आ सवालन के जवाब में पौलुस ई पत्रियाँ लिखलन।

अपना दूसरा मिशनरी यात्रा के दौरान (प्रेरितन के काम अध्याय 16 पद 9 से 40), पौलुस मकिदुनिया, अर्थात् वर्तमान उत्तरी यूनान के फिलिप्पी नगर में एगो कलीसिया के स्थापना कइलन। उहाँ के विश्वासी लोगन के साथ उनकर बहुत गहिरा आ आत्मीय संबंध बन गइल रहे आ नगर छोड़ला के बाद भी ऊ लगातार उनकरा से संपर्क में रहत रहलन। जब फिलिप्पी के विश्वासी लोग पौलुस के कैद में होखे के समाचार सुनलें, त ऊ लोग बहुत चिन्तित हो गइल। उनकर परिस्थिति के बारे में अउरी जानकारी पावे खातिर ऊ लोग अपना कलीसिया के एगो सदस्य इपफ्रुदीतुस के पौलुस के लगे रोम भेजलस। ऊ पौलुस खातिर आर्थिक सहायता भी ले के गइल रहे। बाद में पौलुस इपफ्रुदीतुस के फिलिप्पी वापस भेजलन आ उनका हाथ में फिलिप्पियों के नाम ई पत्री भी भेजलन। एह पत्री में ऊ विश्वासी लोगन के चिन्ता दूर करे

के कोशिश कइलन आ बतवलन कि हालाँकि ऊ खुद बन्धन में बाड़न, फिर भी यीशु मसीह के सुसमाचार लगातार फैलत बा। ई पत्री कठिन परिस्थिति के बीच आनन्द आ उत्साह के संदेश देला।

एही समय इपफ्रास नाम के एगो आदमी भी पौलुस से मिले आइल। ऊ एशिया माइनर के कुलुस्से नगर के कलीसिया के विषय में चिन्तित रहे। कुलुस्से के कलीसिया के स्थापना सीधे पौलुस ना कइले रहलन। सम्भवतः ई इफिसुस नगर में उनकर सेवकाई के परिणाम रहे, जे कुलुस्से से लगभग सौ मील के दूरी पर स्थित रहे। जब पौलुस इफिसुस में यीशु के प्रचार कइलन, तब उनकर सेवकाई एतना प्रभावशाली साबित भइल कि पूरा एशिया प्रदेश में परमेश्वर के वचन फैल गइल (प्रेरितन के काम अध्याय 19 पद 1 से 20)।

पौलुस के एशिया माइनर छोड़ला के बाद उहाँ एगो झूठी शिक्षा फैलए लागल। एह में यूनानी दर्शन, यहूदी व्यवस्था-प्रधानता आ पूरबी रहस्यवाद के तत्व मिलल रहल। कवनो अज्ञात कारण से इपफ्रास खुद भी कैद कर लिहल गइल। एही से पौलुस अपना एगो सहकर्मी तुखिकुस के कुलुस्से भेजलन आ ओकरा हाथे कुलुस्सियन लोग खातिर ई पत्री भेजलन। ओही के साथ ऊ इफिसियन लोग खातिर भी एगो पत्री भेजलन, जवना के एगो उद्देश्य अपना कैद के समाचार से व्याकुल विश्वासी लोगन के सान्त्वना देवल भी रहे।

इफिसियन लोग खातिर लिखल पत्री पौलुस के सभसे कम व्यक्तिगत पत्रियन में से एगो ह। सम्भवतः एकर कारण ई बा कि ई खाली एगो कलीसिया खातिर ना, बल्कि अनेक कलीसियन में पढ़े जाए खातिर लिखल गइल रहे। कुलुस्सियन आ इफिसियन लोग खातिर लिखल पत्रियन के प्रायः जुड़वाँ पत्री कहल जाला, काहे कि इफिसियन लोग खातिर लिखल पत्री के 155 पद में से 78 पद कुछ छोट-मोट बदलाव के साथ कुलुस्सियन लोग खातिर लिखल पत्री में भी मिलेला।

तुखिकुस के साथ एगो अउर आदमी यात्रा करत रहे, जेकर नाम उनेसिमुस रहे। ऊ एगो भागल दास रहे। पौलुस से ओकर भेंट जेल में भइल, जहाँ पौलुस ओकरा के मसीह के लगे ले अइलन। ई भागल दास फिलेमोन के रहे, जे खुद भी पौलुस के द्वारा मसीह में विश्वास करे वाला बनल रहे आ कुलुस्से नगर में रहत रहे। पौलुस फिलेमोन के नाम एगो छोट पत्री लिखलन, जवना में ऊ पूरा परिस्थिति समझवलन आ ओकरा से आग्रह कइलन कि ऊ अपना पहिले के दास के अब मसीह में अपना भाई के रूप में स्वीकार करे।

थिस्सलुनीकियन लोग के नाम पहिला आ दुसरका पत्री (51–52 ईस्वी)।

पौलुस ई दुनो पत्री मकिदुनिया के राजधानी थिस्सलुनीके के विश्वासी लोग खातिर लिखलन। ऊ उहाँ एगो कलीसिया के स्थापना कइले रहलन, बाकिर थोड़े समय बाद जब सताव शुरू हो गइल, तब उनका के नगर छोड़ देवे खातिर मजबूर होखे के पड़ल (प्रेरितन के काम अध्याय 17 पद 1 से 10)। अविश्वासी यहूदी लोग एगो भीड़ के भड़कवलस, जे अन्यजाति के अविश्वासी लोगन के भी अपना साथे मिला लिहलस, आ ऊ लोग ओह घर पर हमला कइलस जहाँ पौलुस ठहरल रहलन। एकरा बाद पौलुस उहाँ से एथेंस आ फेर कुरिन्थुस चल गइलन, जे दुनो यूनान में स्थित रहल।

पौलुस अपना नया विश्वासी लोगन के विषय में बहुत चिन्तित रहलन। एही से ऊ उनकरा एगो पत्री लिख के अपना विश्वास में दृढ़ बनल रहे खातिर प्रोत्साहित कइलन, काहे कि ऊ लोग लगातार सताव के सामना करत रहल। ऊ उनकरा यौन पवित्रता, भाईचारा के प्रेम, अलग-अलग आत्मिक कर्तव्य आ प्रभु यीशु के दुसरका आगमन के विषय में भी अउरी शिक्षा दिहलन। कुछ महीना बाद पौलुस दुसरकी पत्री लिखलन, काहे कि उनका के ई समाचार मिलल कि प्रभु के आगमन के विषय में उनकर शिक्षा के कुछ लोग गलत समझ लिहले बा।

तीमुथियुस के नाम पहिला आ दुसरका पत्री आ तीतुस के नाम पत्री (62–66 ईस्वी; 66–67 ईस्वी; 62–66 ईस्वी)।

ई पत्रियाँ ओह दुनो आदमी—तीमुथियुस आ तीतुस—के खातिर लिखल गइल रहे, जिनका के पौलुस अलग-अलग कलीसियन के अगुवा आ चरवाहा नियुक्त कइले रहलन। तीमुथियुस पौलुस के सेवकाई के द्वारा मसीह में विश्वास करे वाला बनल रहे, आ ऊ आ तीतुस दुनो पौलुस के कई मिशनरी यात्रन में उनका साथे रहलें।

रोम के कैद से छूटला के बाद पौलुस इफिसुस पहुँचलन आ उहाँ तीमुथियुस से मिललन। जब पौलुस मकिदुनिया के यात्रा पर गइलन, तब ऊ इफिसुस के कलीसिया के जिम्मेदारी तीमुथियुस के सौंप दिहलन। बाकिर जब उनकर लौटे में देरी भइल, तब ऊ तीमुथियुस के ई पत्री लिखलन, ताकि अपना एह अपेक्षाकृत जवान आ कम अनुभवी सहकर्मी के मार्गदर्शन दे सकस, जे इफिसुस के कलीसिया के देखभाल करत रहे। पौलुस अपना एह आत्मिक बेटा के प्रोत्साहित कइलन कि ऊ साँच सिद्धान्त के द्वारा झूठी शिक्षा के सामना करे, योग्य अगुवा लोगन के तैयार करे, परमेश्वर के वचन के प्रचार करे आ विश्वासी लोगन के मसीही जीवन जिए खातिर प्रेरित करे।

बाद में पौलुस फेर तीमुथियुस से मिललन आ फेर तीतुस के साथे क्रीत द्वीप पर गइलन। कुछ समय उहाँ सेवकाई कइला के बाद पौलुस उहाँ से आगे बढ़ गइलन आ तीतुस के ओही जगह छोड़ दिहलन, ताकि ऊ नया कलीसिया के स्थापना आ अगुवाई कर सके। पौलुस जानत

रहलन कि क्रीत में सेवकाई कई कारण से कठिन होई। एही से ऊ तीतुस के ई पत्री लिख के ओकर उत्साह बढ़वलन। ऊ ओकरा के निर्देश दिहलन कि योग्य प्राचीन लोगन के नियुक्त करे, झूठा शिक्षक लोगन के डाँटे, साँच सिद्धान्त के शिक्षा देवे आ विश्वासी लोगन के भला काम में लागल रहे खातिर प्रेरित करे।

कुछ बरिस बाद पौलुस फेर रोम में कैद कर लिहल गइलन। एह बेर उनका के मृत्युदण्ड के सजा सुनावल गइल। शहीद होखे से ठीक पहिले पौलुस जेल के कोठरी से तीमुथियुस के नाम दुसरकी पत्री लिखलन। ऊ ई पत्री तीमुथियुस के दृढ़ करे, ओकर उत्साह बढ़ावे आ ओकरा के विश्वासयोग्य बनल रहे खातिर प्रोत्साहित करे के उद्देश्य से लिखलन। पौलुस ओकरा के चेतावनी दिहलन कि झूठा शिक्षक लोग आवे वाला बा। ऊ तीमुथियुस के समझवलन कि ऊ डरे मत, बल्कि अपना सेवकाई के पूरा निष्ठा से पूरा करे, जरूरत पड़ला पर मसीह खातिर दुःख सहे खातिर तैयार रहे आ परमेश्वर के वचन के लगातार प्रचार करत रहे।

इब्रानियन लोग खातिर पत्री (64–68 ईस्वी)।

ई पत्री ओह यहूदी मसीही लोग खातिर लिखल गइल रहे, जिनका पर उनकर अपना देश के लोग दबाव डालत रहल कि ऊ लोग यीशु के इन्कार कर दे, क्रूस पर दिहल उनका बलिदान के अस्वीकार कर दे आ फेर से यहूदी धर्म में लौट जाए। ई विश्वासी लोग पहिले से ही मौखिक अपमान आ अपना संपत्ति के नुकसान के सामना कर चुकल रहल, आ अब उनकरा सामने एकरा से भी अधिक कठोर सताव के खतरा रहे।

इब्रानियन लोग खातिर लिखल पत्री उनकरा के ई समझावे आ प्रोत्साहित करे खातिर लिखल गइल कि चाहे जवन परिस्थिति आवे, ऊ लोग मसीह के प्रति विश्वासयोग्य बनल रहे। एह पत्री के मुख्य शब्द बा "उत्तम"। एकर लेखक, जे अपना नाम ना लिखलन, पुरान नियम के उपयोग करके ई प्रमाणित करेलन कि यीशु के व्यक्तित्व आ उनकर काम ओह पूरा व्यवस्था से कहीं अधिक महान आ श्रेष्ठ बा, जेकरा के ई विश्वासी लोग पीछे छोड़ चुकल रहे। ऊ उनकरा के याद दिलावेलन कि यीशु में उनकरा के एक उत्तम आशा, एक उत्तम वाचा, उत्तम प्रतिज्ञा, एगो उत्तम देश आ एगो उत्तम पुनरुत्थान मिलल बा।

सामान्य पत्रियाँ।

पौलुस के पत्रियन के बाद नया नियम में सामान्य पत्रियाँ आवेली। इनका सामान्य पत्रियाँ कहलावे के कारण ई बा कि ई कवनो एगो खास कलीसिया या कवनो एगो व्यक्ति खातिर ना, बल्कि सामान्य रूप से सभ मसीहियन खातिर लिखल गइल रहलीं। एह पत्रियन के मूल प्राप्तकर्ता लोग कहाँ रहत रहलें, ई अक्सर निश्चित रूप से मालूम नइखे, आ एह में दिहल

अभिवादन भी सामान्य प्रकार के बा। एह पत्रियन के उनकर लेखक लोग—याकूब, पतरस, यूहन्ना आ यहूदा—के नाम से जानल जाला, ना कि ओह लोग के नाम से जिनका खातिर ई लिखल गइल रहलीं।

याकूब की पत्री (46–49 ईस्वी)।

सम्भवतः याकूब के पत्री नया नियम के सभसे पहिलका लिखल गइल ग्रंथ ह। याकूब एकरा के पूरा रोमी साम्राज्य में रहे वाला यहूदी विश्वासी लोग खातिर लिखलन। ई पत्री प्रभु यीशु के शिक्षा से भरल बा आ एह में उनकर पहाड़ पर दिहल उपदेश से बहुत समानता दिखाई देला। याकूब के लिखे के ढंग पुरान नियम के नीतिवचन के किताब जइसन बा, एही से मसीह में नया-नया विश्वास करे वाला यहूदी स्त्री-पुरुष लोग खातिर ई सहज आ परिचित रहे। एह पत्री में याकूब कई महत्वपूर्ण विषय पर शिक्षा दिहलन, जवना में परीक्षा के द्वारा विश्वास के जाँच आ विश्वास आ काम के आपसी संबंध पर खास जोर दिहल गइल बा।

पतरस की पहिली आ दुसरकी पत्री (64 ईस्वी; 64–66 ईस्वी)।

पतरस ई दुनो पत्री उत्तरी एशिया माइनर के अलग-अलग क्षेत्र में रहे वाला यहूदी विश्वासी लोग खातिर लिखलन। ओह समय रोमी साम्राज्य में मसीहियन लोग के प्रति विरोध आ संदेह लगातार बढ़त जात रहे। हालाँकि ओह समय ले मसीही विश्वास पर औपचारिक रोक ना लगावल गइल रहे, फिर भी व्यापक सताव शुरू होखे के परिस्थिति बनत जात रहे। सरकार के ओर से संगठित सताव अबहीं शुरू ना भइल रहे, बाकिर स्थानीय लोग मसीहियन लोग के निन्दा करे आ उनकरा पर सामाजिक दबाव डाले लागल रहलें। अइसन परिस्थिति में पतरस विश्वासी लोगन के प्रोत्साहित कइलन कि ऊ लोग प्रभु यीशु के उदाहरण के अनुसरण करे आ धीरज से दुःख सहे।

पतरस अपना दुसरकी पत्री पहिली पत्री के कुछ समय बाद लिखलन, जब ऊ खुद मृत्युदण्ड के सामना करत रहलन। ओह समय रोमी साम्राज्य के दोसरा हिस्सा में झूठा शिक्षक लोग विश्वासी लोगन के भ्रमित करत रहल, आ बहुत जल्दी उनकर प्रभाव एशिया माइनर तक पहुँचे वाला रहे। ई विधर्मी शिक्षक लोग खाली अनैतिक जीवन ना जीयत रहल, बल्कि मसीह के परमेश्वरत्व के इन्कार करत रहल, पाप खातिर उनका बलिदान के अस्वीकार करत रहल आ उनकर दुसरका आगमन पर भी विश्वास ना करत रहल। पतरस के इच्छा रहे कि उनकर मृत्यु के बाद भी विश्वासी लोगन के लगे साँच शिक्षा के एगो स्थायी अभिलेख बनल रहे। एही से ऊ ई पत्री लिख के उनकरा ओह सच्चाई के याद दियवलन जिनका पर ऊ लोग विश्वास कइले रहे, ताकि ऊ लोग ओह में दृढ़ बनल रहे।

यूहन्ना के पहिली, दुसरकी आ तिसरकी पत्रियाँ (81–96 ईस्वी; 90 ईस्वी; 90 ईस्वी)।

यूहन्ना भी ओह झूठा शिक्षक लोग से भली-भाँति परिचित रहलन, जे एशिया के कलीसियन में घुसत जात रहल। एही से ऊ भी उनकर प्रभाव के सामना करे खातिर अपना पत्रियन के लिखलन। आगे चल के दुसरका शताब्दी में ई भ्रामक शिक्षा एगो बड़का विधर्म के रूप में विकसित भइल, जेकरा के ज्ञानवाद कहल गइल। अपना पहिली पत्री में यूहन्ना खाली झूठी शिक्षा के खण्डन ना कइलन, बल्कि प्रेम, आज्ञाकारिता, उद्धार के दृढ़ आश्वासन आ विश्वास जइसन विषय के भी बहुत सुन्दर ढंग से एक साथ प्रस्तुत कइलन।

यूहन्ना के दुसरकी आ तिसरकी पत्री बाइबल के सभसे छोट किताबन में गिनल जालीं। ई दुनो व्यक्तिगत पत्र हईं आ इनकर विषयवस्तु में भी काफी समानता बा। एह पत्रियन में झूठा शिक्षक लोग से सावधान कइल गइल बा आ साँच विश्वासी लोग के प्रोत्साहित कइल गइल बा।

दुसरकी पत्री यूहन्ना एगो अइसन स्त्री के लिखलन जेकर नाम नइखे बतावल गइल आ जे अपना घर में विश्वासी लोग के सभा करवावत रहे। ऊ ओकरा के चेतावनी दिहलन कि ऊ झूठा शिक्षक लोग के अपना गृह-कलीसिया में घुस के अपना गलत शिक्षा के प्रचार करे के मौका मत दे। साथ ही, यूहन्ना ई भी समझवलन कि मसीहियन लोग के झूठा शिक्षक लोग के प्रति कइसन दृष्टिकोण आ व्यवहार होखे के चाहीं।

तिसरकी पत्री ऊ गयुस नाम के एगो विश्वासी खातिर लिखलन आ ओकरा के ओकर कलीसिया में पैदा भइल एगो खास समस्या के उचित समाधान करे खातिर प्रोत्साहित कइलन।

यहूदा की पत्री (64–66 ईस्वी)।

यहूदा के पहिला उद्देश्य उद्धार आ विश्वास के विषय में लिखल रहे। सम्भवतः ऊ ई पत्री यहूदी विश्वासी लोग खातिर लिखे के विचार कइले रहलन, आ सम्भव बा कि उनकर पाठक ओही लोग रहल होखे जिनका के पतरस आ याकूब के पत्रियाँ भी मिलल रहलीं। बाकिर जब ऊ देखलन कि झूठा शिक्षक लोग कलीसियन में घुसत जात बा, तब ऊ अपना विषय बदल दिहलन।

ई विधर्मी लोग स्थानीय कलीसियन में घुस आइल रहलें आ यीशु मसीह के अनुग्रह, उनकर पवित्रता आ प्रभुता के इन्कार करत रहलें। एही से यहूदा अपना पाठक लोग के सावधान करे

खातिर ई पत्री लिखलन, ताकि ऊ लोग एह नैतिक आ सिद्धान्तगत आक्रमण के सामने विश्वास खातिर दृढ़ता से खड़ा रहे आ ओकर रक्षा करे। ई पूरा पत्री झूठा शिक्षक लोग आ ओह न्याय के विषय में बा, जे आखिर में उनकरा पर आवे वाला बा।

प्रकाशितवाक्य के किताब (95 ईस्वी)।

प्रकाशितवाक्य बाइबल के आखिरी किताब ह आ नया नियम के सभसे आखिर में लिखल गइल ग्रंथ भी ह। ई बात एकदम उचित बा, काहे कि प्रकाशितवाक्य परमेश्वर के अपना परिवार खातिर बनावल योजना के आखिरी पूर्णता के प्रत्यक्षदर्शी विवरण प्रस्तुत करेला।

लगभग 95 ईस्वी में प्रभु यीशु मसीह अपना प्रेरित यूहन्ना पर प्रकट भइलन आ उनका के आज्ञा दिहलन कि ऊ जवन कुछ देखले आ सुनले बाड़न, ओकरा के लिख लीं। अध्याय 1 में यूहन्ना जवन प्रभु यीशु के दर्शन देखलन, ओकर वर्णन बा, आ अध्याय 2 आ 3 में ओह समय मौजूद खास-खास कलीसियन खातिर प्रभु यीशु के संदेश आ निर्देश दिहल गइल बा।

अध्याय 4 से 20 ले यूहन्ना के दिहल भविष्यवाणी से जुड़ल प्रकाशन के विस्तार से विवरण मिलेला। उनका के ऊ घटना सभ देखावल गइल जे प्रभु यीशु के दुसरका आगमन आ धरती पर परमेश्वर के अनन्त राज्य के स्थापना से पहिले घटे वाली हईं। अपना दर्शन में यूहन्ना के स्वर्ग में उठा लिहल गइल, जहाँ ऊ देखलन कि जइसे-जइसे संसार सर्वशक्तिमान परमेश्वर के छोड़ के शैतान से प्रेरित आ ओकर सामर्थ से समर्थित एगो अंतिम विश्व-शासक के अनुसरण करी, ओइसे-ओइसे धरती पर एक के बाद एक बहुत भयानक आ विनाशकारी घटना घटत जाई।

प्रकाशितवाक्य के आखिरी दुनो अध्याय नया आकाश आ नया धरती के अद्‌भुत वर्णन प्रस्तुत करेला। ई उहे धरती होई जेकरा के परमेश्वर पूरी तरह से नया, शुद्‌ध आ पुनर्स्थापित करिहें, ताकि ऊ सदा खातिर परमेश्वर आ उनका परिवार के योग्य आ अनन्त निवास-स्थान बन सके।

संदर्भ सूची।

स्ट्रॉन्ग, जेम्स। 2004। स्ट्रॉन्ग्स कम्प्लीट वर्ड स्टडी कॉनकॉर्डन्स: विस्तृत संस्करण। संपादक: वॉरेन बेकर। चैटानूगा, टेनेसी: एएमजी पब्लिशर्स।

वाइन, डब्ल्यू. ई. 1996। वाइन्स कम्प्लीट एक्सपोजिटरी डिक्शनरी ऑफ ओल्ड एंड न्यू टेस्टामेंट वर्ड्स। संपादक: मेरिल एफ. उंगर, थी.एम., थी.डी., पीएच.डी. तथा विलियम व्हाइट जूनियर, थी.एम., पीएच.डी. नैशविल, टेनेसी: थॉमस नेल्सन, इंक।

वेब्स्टर्स न्यू स्टूडेंट्स डिक्शनरी। 1969। स्प्रिंगफील्ड, मैसाचुसेट्स: जी एंड सी मेरियम कंपनी।

मेरियम-वेब्स्टर ऑनलाइन शब्दकोश, 18 दिसम्बर 2021 के देखल गइल।
https://www.merriam-webster.com

“वर्ष के शब्द 2016।” ऑक्सफोर्ड लैंग्वेजेज़, 18 दिसम्बर 2021 के देखल गइल।
https://languages.oup.com/word-of-the-year/2016/